सूर्योदय दि. 29-05-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1°
न्यूनतम तापमान 22.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com
Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in
Website | www.opensearch.co.in

वर्ष : 06 अंक : 169 | नई दिल्ली, शनिवार 29 मई-2021 | नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित | मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

किम करदासनी ने पहने... पृष्ठ-6

देश में दिसंबर तक पूरा हो जाएगा कोरोना टीकाकरण का काम

रूसी वैक्सीन स्पूतनिक-वी जून महीने के दूसरे हफ्ते से देश में इस्तेमाल के लिए उपलब्ध होगी

नई दिल्ली.एजेंसी

केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावडेकर ने शुक्रवार को जोर देकर कहा कि देश में कोरोना टीकाकरण का काम इस साल दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। महामारी के प्रसार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए जावडेकर ने कहा कि उन्होंने जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया और जिस तरह उन्होंने लोगों को डराने की कोशिश की, उससे पुष्टि होती है कि टूलकिट के पीछे कांग्रेस ही थी।

जावडेकर ने कहा, स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल में दिसंबर तक वैक्सीन की 216 करोड़ डोज के उत्पादन और उन्हें 108 करोड़ लोगों को लगाने का रोडमैप दिया है। उन्होंने राहुल के उस दावे को खारिज कर दिया कि इस कवायद को पूरा करने में तीन साल का समय लग सकता है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने आरोप लगाया कि कोरोना महामारी की रोकथाम के काम में जुटे प्रधानमंत्री मोदी के लिए नौटंकी जैसे

शब्दों का इस्तेमाल टूलकिल स्क्रिप्ट का हिस्सा है। बता दें कि भाजपा का दावा है कि इसके पीछे कांग्रेस है। जबकि कांग्रेस ने इससे इन्कार करते हुए उलटा भाजपा पर ही आरोप लगाया है और मामले की पुलिस से जांच की मांग की है। बता दें कि पिछले हफ्ते केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन ने कहा था कि भारत 2021 के अंत तक कम से कम अपनी सभी वयस्क आबादी का टीकाकरण करने की स्थिति में होगा। उन्होंने आगे आश्वासन दिया था कि वर्तमान में देश की स्वास्थ्य सुविधाओं में तेजी से सुधार किया जा रहा है कि कोरोना वायरस का अगला म्यूटेंट फिर से आ सकता है। भविष्य में यह बच्चों के लिए खतरा बन सकता है।

> " पिछले हफ्ते केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन ने कहा था कि भारत 2021 के अंत तक कम से कम अपनी सभी वयस्क आबादी का टीकाकरण करने की स्थिति में होगा "

जून महीने में उपलब्ध हो जाएगी रूसी वैक्सीन स्पूतनिक-वी

गौरतलब है कि कोरोना के खिलाफ जंग में अगले महीने से देश में एक और वैक्सीन उपलब्ध हो जाएगी। रूसी वैक्सीन स्पूतनिक-वी जून महीने के दूसरे हफ्ते से देश में इस्तेमाल के लिए उपलब्ध होगी।

यह वैक्सीन देश में सबसे पहले अपोलो अस्पताल के जरिए उपलब्ध होगी। अपोलो ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स ने इसे लेकर घोषणा की है कि उसके देशभर के अस्पतालों में जून के दूसरे हफ्ते से रूस की स्पूतनिक वी वैक्सीन का टीकाकरण व्यापक पैमाने पर शुरू हो जाएगा।

दिल्ली में 31 मई से चालू होगी अनलॉक प्रक्रिया

सबसे पहले निर्माण गतिविधियां और फैक्ट्रियां होंगी शुरू

नई दिल्ली.ओपन सर्च

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 31 मई से चरणबद्ध तरीके से लॉकडाउन खोलने के क्रम में सबसे पहले कंस्ट्रक्शन और फैक्ट्रियों की आर्थिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली ने काफी हद तक कोविड-19 की दूसरी लहर पर काबू पा लिया है और अब धीरे-धीरे लॉकडाउन हटाने की प्रक्रिया को शुरू की जाएगी। हालांकि उन्होंने कहा कि कोरोना के खिलाफ जंग अभी खत्म नहीं हुई है।

केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में कोरोना के केस लगातार कम हो रहे हैं, पिछले 24 घंटे में संक्रमण दर 1.5त्न रही और कोरोना के करीब 1100 मामले आए हैं। इसे देखते हुए कंस्ट्रक्शन गतिविधियों और फैक्ट्रियों को सोमवार सुबह से खोला जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में कोविड-19 के कम होते मामलों के मद्देनजर राजधानी दिल्ली में अनलॉक (पाबंदियों से ढील) की प्रक्रिया पर चर्चा करने के लिए आज हुई दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की बैठक में उपराज्यपाल अनिल बैजल के साथ हुई चर्चा के दौरान इस पर सहमति बनी है। बैठक में यह फैसला लिया गया है कि लॉकडाउन धीरे-धीरे हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह लॉकडाउन सोमवार सुबह 5 बजे तक चलेगा। उसके बाद हम अनलॉक करने की प्रक्रिया शुरू करेंगे। इस प्रक्रिया में हमें निचले वर्ग- दिहाड़ी मजदूर, श्रमिकों, प्रवासी कामगारों का सबसे पहले ध्यान रखना होगा। केजरीवाल ने कहा कि फैसला किया गया है कि कारखानों को खोला जाएगा और निर्माण गतिविधियों को अनुमति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हर सप्ताह, विशेषज्ञों एवं जनता की राय के आधार पर सरकार अनलॉक की प्रक्रिया को जारी रखेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम हफ्ते दर हफ्ते जनता के सुझावों और विशेषज्ञों की राय के आधार पर इसी तरह धीरे-धीरे लॉकडाउन खोलने की प्रक्रिया जारी रखेंगे, बशर्ते कोरोना फिर से बढ़ने नहीं लगे। गौरतलब है कि गत शनिवार को दिल्ली में लॉकडाउन की मियाद बढ़ाने की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा था कि अगर कोविड-19 के मामलों और संक्रमण दर में कमी का सिलसिला जारी रहा तो 31 मई से अनलॉक की प्रक्रिया शुरू होगी।

> " इस प्रक्रिया में हमें निचले वर्ग- दिहाड़ी मजदूर, श्रमिकों, प्रवासी कामगारों का सबसे पहले ध्यान रखना होगा। "

opensearch

पटनायक ने मोदी से चक्रवात से निपटने के लिए दीर्घकालिक समाधान की मांग की

भुवनेश्वर.एजेंसी।

ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से चक्रवात से निपटने के लिए राज्य के तटीय क्षेत्रों में एक स्थायी बुनियादी ढांचा शमन, तटीय तूफान संरक्षण योजना और एक आपदा प्रतिरोध शक्ति प्रणाली के लिए सहायता प्रदान करने की मांग की। पटनायक ने यह मांग आज यहां प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उनके पहुंचने पर हुई समीक्षा बैठक में की।

विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) प्रदीप जेना ने समीक्षा बैठक के बाद संवाददताओं से कहा कि राज्य सरकार ने चक्रवाती तूफान यास से प्रभावित इलाकों में बहाली के कार्य के लिए किसी तरह की विशेष सहायता की मांग नहीं की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के चक्रवात पर पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन देने से पहले आठ मिनट का वीडियो प्रेजेंटेशन दिया गया। श्री जेना ने कहा कि चक्रवाती तूफान यास ने कई गांवों को जलमग्न कर दिया है और मुख्यमंत्री ने चक्रवात को कम करने के लिए एक दीर्घकालिक समाधान और तटीय तूफान सुरक्षा योजना की मांग की। पटनायक ने तटीय क्षेत्र में उच्च प्रौद्योगिकी और भूमिगत केबल सिस्टम शुरू करने के लिए केंद्र से सहायता मांगी।

उन्होंने कहा कि यहां हर साल नियमित अंतराल पर बार-बार चक्रवात तूफान का सामना करना पड़ता है। एसआरसी ने कहा प्रधानमंत्री के समक्ष चक्रवती तूफान से हुए नुकसान का अनुमान रखा गया और प्रधानमंत्री को अवगत कराया गया कि तूफान से हुए नुकसान की पूरी रिपोर्ट एक सप्ताह के अंतर्गत भेजी जाएगी। श्री जेना ने कहा कि राज्य सरकार ने केन्द्र से तत्काल कोई सहायता नहीं मांगी क्योंकि सरकार के पास चक्रवात प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल बहाली कार्य के लिए पर्याप्त धन है।

12वीं बोर्ड परीक्षा रद्द करने संबंधी याचिका की सुनवाई सोमवार तक टली

नयी दिल्ली.एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने सीबीएसई और आईसीएसई की 12वीं की परीक्षा रद्द करने संबंधी याचिका की सुनवाई सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी

है। न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर और न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी की अवकाशकालीन खंडपीठ ने अधिवक्ता ममता शर्मा की याचिका की सुनवाई 31 मई तक के लिए स्थगित कर दी। न्यायालय को अवगत कराया गया था कि याचिकाकर्ता ने संबंधित पक्षों को याचिका की कॉपी उपलब्ध नहीं करायी है। खंडपीठ ने याचिकाकर्ता को याचिका की प्रति संबंधित पक्षों को उपलब्ध कराने का निर्देश देते हुए मामले की सुनवाई टाल दी। अब मामले की सुनवाई 31 मई को 11 बजे होगी।

कोरोना के नए मामले 45 दिनों बाद घटकर दो लाख के नीचे

कोरोना वायरस महामारी के दो लाख 86 हजार 364 नए मामले सामने आए

नयी दिल्ली.एजेंसी।

देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के नए मामले 45 दिनों बाद घटकर दो लाख के नीचे आ गए हैं।

पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के दो लाख 86 हजार 364 नए मामले सामने आए है। इससे पहले 14 अप्रैल को देश में कोरोना के 1,84,372 नये मामले दर्ज किए गए थे। राहत की बात यह रही कि इस बीच एक लाख 59 हजार 459 मरीज कोरोनामुक्त हुए। रिकवरी दर बढ़कर 90.34 प्रतिशत हो गयी। इस बीच गुरुवार को 29 लाख 19 हजार 699 लोगों को कोरोना के टीके लगाये गये। देश में अब तक 20 करोड़ 75 लाख 20 हजार 660 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार की सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में 1,86,364 नये मामले आने के साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर दो करोड़ 75 लाख 55 हजार 457 हो गया। इस अवधि में दो लाख 59 हजार 459 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिसे मिलाकर देश में अब तक दो करोड़ 48 लाख 93 हजार 410 लोग इस महामारी को मात दे चुके हैं। सक्रिय मामले 76,755 कम होकर 23 लाख 43 हजार 152 हो गये हैं। इसी अवधि में 3660 मरीज जिंदगी की जंग हार गये और इस बीमारी से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 3,18,895 हो गयी है। देश में सक्रिय मामलों की दर घटकर 8.50 प्रतिशत रह गयी है जबकि मृत्युदर अभी 1.16 फीसदी है। महाराष्ट्र में सक्रिय मामले 13,981 और घटकर 3,03,752 रह गये हैं। इस दौरान राज्य में 34,370 और मरीजों के ठीक होने के बाद कोरोनामुक्त होने वालों की तादाद बढ़कर 52,76,203 हो गयी है जबकि 884 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 92,225 हो गया है।

- **देश में अब तक 20 करोड़ 75 लाख 20 हजार 660 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है**

स्वास्थ्य कर्मियों को सलाम!

उफनती नदी और जंगल में पैदल चल कर कोरोना मरीजों तक पहुंचा रहे मदद

देश में कोरोना वायरस संक्रमण का कहर अब भी जारी है। चिंता की बात तो यह है कि अब दूरदराज के इलाकों में भी कोरोना संक्रमण फैलने लगा है। सरकार और स्वास्थ्य कर्मियों के लिए चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। इन सबके बीच केरल से एक ऐसी खबर आई है जिसको सुनने के बाद आप भी देश के स्वास्थ्य कर्मियों पर गर्व महसूस करेंगे। केरल में स्वास्थ्य कर्मियों ने सेवा की ऐसी भावना पेश की है जिसकी हर तरफ तारीफ हो रही है। केरल के त्रिशूर में पुथुर प्रायमरी हेल्थ सेंटर है। यहां से एक इमरजेंसी कॉल स्वास्थ्य कर्मियों को मिली। आदिवासियों की बस्ती में एक ही परिवार के 3 लोग तेज बुखार की चपेट में थे। बस्ती जंगल के कुछ किलोमीटर भीतर स्थित है। यहां पहुंचने के लिए नदी भी पार करना पड़ता है।

ट्रेन में रिजर्वेशन कराना है तो जरूर पढ़ लें ये खबर, दानापुर मंडल के सभी स्टेशनों पर नई व्यवस्था लागू

पटना (एजेंसी) । कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए बिहार सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्रालय की गाइडलाइन के आधार पर पहली जून तक पूरे राज्य में लॉकडाउनलागू किया गया है। इसके चलते रेलवे की व्यवस्था पर भी असर पड़ रहा है। लॉकडाउन लगाए जाने के बाद कई रूटों की ट्रेनों में यात्री घट गए हैं तो कई ट्रेनों को तो बंद ही कर दिया गया है। अब रेलवे ने एक बड़ा फैसला यात्री आरक्षण व्यवस्था से जुड़ा लिया है। अब दानापुर रेल मंडल के सभी रेलवे स्टेशनों पर यात्री आरक्षण व्यवस्था

का समय घटा दिया गया है। रेलवे का दावा है कि लॉकडाउन को सफल बनाने के लिए पहली जून तक दानापुर मंडल के सभी आरक्षण कार्यालय को द्वितीय पाली में बंद रखने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में शुक्रवार को दानापुर मंडल के वरीय वाणिज्य अधिकारी आधार राज की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है। यानी कि अब रेलवे के रिजर्वेशन काउंटर सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक ही खुले रहेंगे। सभी स्टेशनों के मुख्य आरक्षण पर्यवेक्षकों को इस आदेश से अवगत करा दिया गया है। यह आदेश आज से ही लागू माना जाएगा। द्वितीय पाली में केवल पटना जंक्शन पर विशेष आरक्षण काउंटर खोला जाएगा जहां से जरुरतमंद यात्रियों को आरक्षित टिकट मिल सकेगा। आरक्षण काउंटर के दूसरी पाली में बंद रहने के कारण आरक्षण कर्मचारी भी अब सड़क पर नहीं निकल सकेंगे। आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, कोरोना संक्रमण के कारण जारी लॉकडाउन से अधिकांश लोग अपने घरों से निकल भी नहीं रहे थे। कुछ लोग आरक्षित टिकट के बहाने सड़क पर निकल रहे थे जिसके कारण लॉकडाउन में सख्ती नहीं बरती जा रही थी। आम लोगों को लॉकडाउन का सख्ती से अनुपालन कराने एवं रेल कर्मचारियों को भी अकारण घर से नहीं निकलने देने के लिए ही यह आदेश जारी किया गया है। अब दानापुर मंडल के किसी भी स्टेशन, पटना जंक्शन छोड़कर, पर दूसरी पाली में आरक्षण काउंटर्स को बंद रखा जाएगा। पटना जंक्शन पर इमरजेंसी के लिए दो काउंटर खोले जाएंगे। बिहार सरकार की ओर से अगर लॉकडाउन बढ़ाया जाएगा तो इस आदेश को भी आगे तक बढ़ाया जा सकता है।

लॉकडाउन का उल्लंघन करने के आरोप में एक दर्जन दुकानें सील, बेवजह घूमने वालों को सिवान पुलिस ने सिखाया सबक

सिसवन/मैरवा (सिवान) (एजेंसी) । सिवान जिले के सिसवन प्रखंड के चैनपुर बाजार में लॉकडाउन के उल्लंघन करने के आरोप में प्रशासन ने बुधवार की शाम एक दर्जन से अधिक दुकानों को सील कर दिया। इस संबंध में सीओ इंद्रवंश राय ने बताया कि सूचना मिली थी कि कुछ दुकानदारों द्वारा कोरोना गाइडलाइन का उल्लंघन करते हुए दुकान खोल सामानों की बिक्री की जा रही थी। इसकी सूचना मिलने पर वहां छापेमारी की गई। इस दौरान कुछ दुकानदारों द्वारा दुकान खोल चोरी-छुपे सामान की बिक्री की जा रही थी जो लॉकडाउन का उल्लंघन था। इस दौरान करीब एक दर्जन दुकानों को सील कर दिया गया तथा दुकानदारों का चेतावनी भी दी

गई। इधर मैरवा में यास चक्रवात की शुरू हुई बारिश में भी पुलिस दिन भर सड़कों पर घूमती रही। साथ में दंडाधिकारी भी एक्शन में दिखे। गुरुवार को मैरवा में कोविड गाइडलाइन का उल्लंघन करने वालों को मनमानी भारी पड़ी। पुलिस ने उन्हें खूब सबक सिखाया। कहीं बाइक चालकों को रोक चेतावनी दी गई तो कहीं सड़क किनारे खड़ी की गई बाइक के चालक का अता-पता नहीं लगने पर उसका हवा ही निकाल दिया गया। तेज हवा के साथ रिमझिम बारिश में पुलिस के डंडे भी लहराते दिखे। माल गोदाम रोड में स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान खुला पाया गया तो उस को 24 घंटे के लिए सील कर दिया गया। पूर्वाह्न 10 बजते ही पुलिस के वाहन से सायरन बजने लगे। एक तरफ वाहन पर सवार होकर अंचलाधिकारी दिव्यराज गणेश निकले तो दूसरी तरफ अपने वाहन पर नगर पंचायत की ईओ कुमारी अर्चना निकल पड़ी। रास्ते में खुले दिखने वाली दुकान के दुकानदारों को चेतावनी देते हुए दुकान बंद करने को कहा गया। मैरवा पुलिस भी एक्शन में दिखी। थानाध्यक्ष संजीव कुमार के नेतृत्व में पुलिस पूर्वाह्न 10:30 बजते ही हर गली,चौक -चौराहे पर छा गई। हर तरफ डंडे लहराने लगे। चोरी छुपे दुकान चला रहे दुकानदारों ने दुकान का शटर गिरा देने में ही अपनी भलाई समझी, लेकिन कुछ की मनमानी पर अंकुश नहीं लगा तो पुलिस प्रशासन ने कड़ा एक्शन लेना शुरू किया। इस दौरान उल्लंघन करने के आरोप में कुछ को उठक-बैठक कराई तो कुछ को चेतावनी देकर छोड़ दिया।

पुलिस बन युवक की बाइक लेकर उड़ा शातिर, पहले मांगा एक हजार जुर्माना, नहीं देने पर बोला- पहुंचो थाना

औरंगाबाद (एजेंसी)। शहर के पुरानी जीटी रोड सरस्वती शिशु वाटिका विद्यालय के पास से नगर थाना की फर्जी पुलिस बनकर स्कार्पियो सवार चोरों ने धनंजय प्रसाद की बाइक ले उड़े। घटनास्थल नगर थाना के पास की है। घटना बुधवार की है पर युवक ने मामले की लिखित आवेदन गुरुवार को को थाना में दिया है। मामला यह है कि शाहपुर अखाड़ा पास के निवासी धर्मेंद्र गांधी मैदान की तरफ से अपना घर जा रहा था। जैसे ही वह बाइक से निजी विद्यालय के पास पहुंचा कि स्कार्पियो पर सवार चोरों ने उसे रुकवाया। चोरों ने बाइक सवार से हेलमेट नहीं पहनने के कारण जुर्माना के रुप में एक हजार रुपये की मांग की। बाइक सवार युवक के द्वारा पास पैसा नहीं रहने के कारण जुर्माना नहीं दिया। जुर्माना नहीं देने पर चोरों ने उसे बाइक के साथ शाहपुर अखाड़ा के पास ले गए और बोले की जुर्माना नहीं दोगे तो बाइक नगर थाना में लगा देंगे। जुर्माना देकर बाइक थाना से ले जाना। पुलिस समझकर युवक अपनी बाइक चोरों को दे दिया और चोर बाइक को लेकर फरार हो गए। हालांकि, तब तक युवक को बाइक चोरी की भनक नहीं लगी।

यास तूफान के कारण पटना में 14 फ्लाइटें हुईं रद, 16 घंटे के बाद शुरू हो सका यातायात

पटना (एजेंसी) । चक्रवाती तूफान यास के कारण राजधानी में तेज हवा के साथ जोरदार बारिश होने के कारण जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पटना को गुरुवार की देर शाम 6.45 बजे से ही बंद करना पड़ गया था। देर रात तक हालात सामान्य नहीं होने पर इस एयरपोर्ट पर दूसरे दिन शुक्रवार नौ बजे तक विमानों का परिचालन बंद रखा गया। शुकवार को सदस्यों व विमानन कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर मौसम साफ होने की बात कह विमानों का परिचालन शुरू किया गया। इस तरह से पटना एयरपोर्ट से विमानों का परिचालन पूरे 14 घंटे 15 मिनट तक बंद रखा गया। हालांकि पहली विमान के रूप में इंडिगो की दिल्ली से आने वाली विमान संख्या 6ई 5003 पटना एयरपोर्ट पर 10.43 बजे लैंड की। इस तरह 16 घंटे बाद विमानों की लैंडिंग इस एयरपोर्ट पर शुरू हो सकी।

गुरुवार की शाम से शुक्रवार को दस बजे तक के बीच में पटना एयरपोर्ट पर लैंड करने वाली अथवा उड़ान भरने वाले 14 विमानों के परिचालन को रद करना पड़ा। इनमें से एक गुवाहाटी मुंबई विमान को पटना लाए बगैर सीधे मुंबई के लिए डायवर्ट कर दिया गया। अचानक विमानों के रद होने से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सबसे अधिक उन्हें टिकट वापसी के लिए मशक्कत करनी पड़ी। अधिकांश यात्रियों को दूसरे दिन यात्रा करने को बाध्य किया गया। कुछ यात्रियों से आगे की यात्रा में इस टिकट की राशि को एडजस्ट करने के लिए बाध्य किया गया।

शातिर चूहा आखिरकार गया सलाखों के पीछे, पटना पुलिस ने राजा को भी पहुंचाया उसकी असली जगह

बेगूसराय (एजेंसी) । पटना और बेगूसराय सहित आसपास के कई जिलों की पुलिस की नाक में दम करने वाला चूहा आखिरकार सलाखों के पीछे पहुंच गया है। उसके साथी राजा को भी न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इनकी गिरफ्तारी के लिए बिहार एसटीएफ के अलावा पटना और बेगूसराय जिले की पुलिस को खासी मशक्कत करनी पड़ी। पचमहला ओपी के अंतर्गत रामपुर डुमरा जंजीरा दियारा में कई घंटे तक मुठभेड़ चली। लगा कि चूहा पुलिस के हाथ से निकल ही जाएगा, लेकिन इस बार उसकी किस्मत ने साथ नहीं दिया।

पुलिस ने मुठभेड़ के बाद बेगूसराय जिला के फुलवरि थाना क्षेत्र के सकसाहरा पोखड़पर मोहल्ला निवासी मो. राजा और चकिया ओपी क्षेत्र के सिमरिया बिंद टोली निवासी संतोष महतो उर्फ चूहा बिंद को गिरफ्तार कर लिया था। कोर्ट के आदेश पर दोनों को गुरुवार की देर शाम ही जेल भेज दिया। इस मामले

में प्राथमिकी चकिया ओपी प्रभारी राकेश कुमार गुप्ता के बयान पर दर्ज की गई है।

प्राथमिकी में सिमरिया बिंद टोली निवासी विक्की महतो, पचमहला ओपी के अंतर्गत रामपुर डुमरा जंजीरा दियारा निवासी सनोज बिंद, भूषण सिंह निषाद को पुलिस पर हमला करने में नामजद किया गया है। वहीं दर्जनभर अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध भी मामला दर्ज किया गया। ओपी प्रभारी नीरज कुमार ने बताया कि गुरुवार को आंधी और कारण छापेमारी अभियान में परेशानी हुई। मौसम ठीक होने के बाद अभियान तेज किया जाएगा। पुलिस से मुठभेड़ में शामिल अन्य अज्ञात बदमाशों की पहचान की जा रही है।

इधर, फुलवडि थानाध्यक्ष सुमंत कुमार चौधरी ने गुप्त सूचना के आधार पर आलापुर जाने वाले रास्ता के समीप से कुख्यात अपराधी विक्की कुमार गिरोह के दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से बुलेट बाइक सहित दो देसी कट्टा, दो जिंदा कारतूस एवं एवं दो मोबाइल बरामद किए गए। गिरफ्तार अपराधियों में मटिहानी थाना क्षेत्र के चकबल्ली दियारा निवासी सुनील कुमार एवं नीतीश कुमार शामिल है।

थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार दोनों अपराधी कुख्यात अपराधी विक्की गिरोह का सक्रिय सदस्य है। इन्हीं अपराधियों के सहारे विक्की अभी अपने इलाके में आतंक मचाए हुए है। कहा, गुप्त सूचना के आधार पर पता चला था कि दोनों अपराधी बुलेट से हथियार लेकर जा रहा है। त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों अपराधी को देसी कट्टा एवं गोली के साथ गिरफ्तार कर लिया गया।

इधर, मुठभेड़ में पुलिस की गोली से जख्मी एक अपराधी को पुलिस अभिरक्षा में बुधवार की रात इलाज के लिए लखीसराय के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 50 हजार रुपये का इनामी अपराधी विक्की राय की गिरफ्तारी को लेकर मंगलवार की रात जिला पुलिस एवं एसटीएफ ने संयुक्त रूप से पटना जिला के मोकामा एवं बेगूसराय जिला के विभिन्न जगहों पर छापामारी की गई।

इस दौरान मोकामा के मरांची दियारा में पुलिस की अपराधियों के साथ मुठभेड़ हुई। इसमें कई अपराधियों के जख्मी होने की संभावना पर उसकी खोज में पुलिस ने विभिन्न जगहों पर छापामारी की। इस दौरान पुलिस ने बेगूसराय जिला के बछवाड़ा थाना क्षेत्र के चम्था चक्की गांव में छिप कर इलाज करा रहे जख्मी अपराधी सिमरिया घाट बिंद टोली निवासी वीरमणि निषाद के पुत्र संतोष कुमार उर्फ चूहा को गिरफ्तार कर लिया गया। मरांची पुलिस के अनुसार संतोष के हाथ में गोली लगी है। उसे इलाज के लिए पुलिस अभिरक्षा में बुधवार की रात रेफरल अस्पताल बड़हिया लाया गया। वहां से सदर अस्पताल लखीसराय रेफर कर दिया गया। सदर अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया।

सारण में तूफानी बारिश से पुल का मुहाना धंसा, बिहार-यूपी का सड़क संपर्क टूटा; पटना व भोजपुर में दो की मौत

भोजपुर (एजेंसी) । बिहार में यास तूफान के कारण आंधी व बारिश लगातार जारी है। इससे जान-माल की क्षति भी शुरू हो गई है। सारण जिले में जयप्रभा सेतु का मुहाना धंस जाने के कारण बिहार व उत्तर प्रदेश के बीच सड़क संपर्क भंग हो गया है। दो दिन पहले जहानाबाद में एक तीन-मंजिला घर गिर गया था। शुक्रवार को पटना व भोजपुर में एक घर गिरने के कारण उनमें दबकर दो व्यक्तियों की मौत हो गई। पिछले दो दिनों से सारण जिले में हो रही झमाझम बारिश ने आफत लाना शुरू कर दिया है। यूपी व बिहार की सीमा पर स्थित घाघरा नदी पर बना जयप्रभा सेतु का मुहाना तेज बारिश के कारण धंस गया है। इसके कारण यूपी के रास्ते जयप्रभा सेतु होते हुए बिहार का सड़क संपर्क टूट गया है। हालांकि, कुछ वाहन चालक जान जोखिम में डालकर वाहनों का परिचालन कर रहे हैं। सारण जिले के माझी में बना जयप्रभा सेतु का मुहाना यूपी की तरफ से जो पुल पर जुड़ा है वह तेज बारिश के कारण धंस गया है। मुहाने के नीचे की मिट्टी पानी में बह गयी है। इस कारण सड़क का आधा हिस्सा कट गया है। आधे हिस्से से जान जोखिम में डालकर कुछ वाहन चालक छोटे वाहनों का परिचालन कर रहे हैं। यूपी के बलिया प्रशासन ने वाहनों का परिचालन रोकने के लिए अभी तक कोई व्यवस्था नहीं की है। माझी की ओर से भी स्थानीय पुलिस ने परिचालन

पर रोक नहीं लगाई है। इस कारण कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। उधर, भोजपुर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के संग्राम टोला गांव में शुक्रवार की सुबह तेज बारिश के दौरान अचानक एक खपरैल घर की दीवार गिर गई। घर का छप्पर भी उड़ गया। इसमें दबकर एक स्टांप विक्रेता की मौत हो गई। मृतक भारत भूषण उर्फ शेखू राय (56 साल) जगदीशपुर अनुमंडल कार्यालय में स्टांप विक्रेता थे। पटना के नौबतपुर थाना क्षेत्र के अजय नगर बाला पर गांव में एक मकान का छज्जा गिर गया, जिसके नीचे दबकर नागेंद्र पासवान नामक एक युवक की मौत हो गई। स्वजनों ने बताया कि नागेंद्र घर से कुछ दूर खेत मे शौच करने गया था। लौटने के क्रम में बारिश तेज हो गई, जिससे बचने के लिये वह अपने घर से सटे एक पुराने मकान में छिप गया। तेज आंधी और बारिश के कारण अचानक घर का छज्जा गिर गया, जिसमें दबकर नागेंद्र की मौत हो गई।

वैशाली के मुस्लिम मुखिया ने तेजस्वी यादव पर जड़ा बड़ा आरोप, जदयू की ओर से कई नेताओं ने खोला मोर्चा

पटना (एजेंसी) । बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को लेकर एक मुस्लिम मुखिया के वीडियो ने बिहार की सियासत को गर्म कर दिया है। ये मुखिया तेजस्वी के निर्वाचन क्षेत्र राघोपुर के हैं। वैशाली जिले के मंसूरचक के मुखिया मुजाहिद अनवर ने कहा कि उनके इलाके में हर रोज कोरोना से मर रहे हैं। लेकिन, क्षेत्र का विधायक होने के बावजूद तेजस्वी यहां देखने के लिए आना तो दूर एक फोन कॉल तक नहीं किया। मुखिया का कहना है कि उन्होंने फोन कर इसकी जानकारी कई नेताओं को दी और गांव में सैनिटाइजेशन के लिए आग्रह किया, लेकिन नेता प्रतिपक्ष ने उनकी गुहार पर कोई रिस्पांस तक नहीं लिया।

मुखिया ने वीडियो जारी कर कहा कि उनके क्षेत्र में तेजस्वी यादव केवल मुसलमानों का वोट मांगने के लिए आते हैं। संकट में उन्होंने उनके गांव को अकेला छोड़ दिया है। उन्होंने बताया कि उनके गांव में 17 लोग एक महीने के अंदर कोरोना से मर चुके हैं। जिस तरह मक्के की फसल को पीटा जाता है, उस तरह लोग मर रहे हैं, लेकिन तेजस्वी अपने क्षेत्र में झांकने भी नहीं आए। ये वीडियो राघोपुर विधानसभा की है।जिसने आपपर भरोसा किया उसे भी आप भूल गए।खैर आप दिल्ली में मजे उड़ाये,सरकार राघोपुर की जनता का भी बेहतर देखभाल कर

रही है। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह ने कहा कि आपदा की घड़ी में भी कुछ लोग राजनीति करने से बाज नहीं आ रहे। उन्हें नीतीश सरकार के दौरान बिहार में हुआ विकास नहीं दिखता और अनाप-शनाप बयानबाजी कर चर्चा में बने रहना चाहते हैं। मुश्किल वक्त में बिहार छोड़कर भाग जाने वाले हिसाब मांग रहे हैं। जदयू के प्रवक्ता निखिल मंडल ने तेजस्वी को ट्विटर बॉय कहकर तंज कसा। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष सुबह से लेकर शाम तक केवल नीतीश सरकार की कमियां गिनाने में ही व्यस्त रहते हैं। जबकि उनका खुद का हाल है कि बिहार से हर आपदा के वक्त गायब हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि जिस राघोपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता ने उन पर विश्वास कर उन्हें विधानसभा में भेजा, उसे भी भूल गए। निखिल ने कहा कि तेजस्वी दिल्ली में बैठकर मजे उड़ाएं। बिहार की सरकार राघोपुर की जनता की भी चिंता कर रही है।

बिहार की इन नर्सों को सैल्यूटः रास्ते में घायल पड़े युवकों का खून बहने से रोकने को बांधा अपना दुपट्टा

परैया (गया) (एजेंसी)। कहानी फिल्मी लगती है। लेकिन है पूरी तरह सच। सड़क हादसे में गुरुवार शाम गंभीर रूप से घायल दो युवकों के साथ सड़क से गुजर रहीं एएनएम ने जो सेवा भाव और मानवीयता दिखाई। यह जान कर हर कोई उन्हें सैल्यूट करेगा।सड़क पर हादसे के बाद दर्द से कराहते युवकों को समय पर प्राथमिक उपचार किया। खून बहने से रोकने के लिए अपने दुपट्टे तक का इस्तेमाल किया। इसके बाद अस्पताल में कॉल कर एंबुलेंस भी मंगवाई। दरअसल गया-परैया सक स्थित सरबदीपुर टां पर गुरुवार शाम को बड़ा हादसा हो गया। गया की तरफ से आ रही एक कार ने सामने से आ रही बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार दो भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। खून से लथपथ होकर वे दर्द से कराहने लगे। यह हादसा संयोगवश उधर से गुजर रहीं एएनएम अनिता कुमारी, सुनीता कुमारी, रंजना कुमारी, विभा कुमारी व डाटा ऑपरेटर प्रियंका कुमारी के सामने हुआ। दर्द से कराहते युवकों को देख उनसे रहा नहीं गया। वे समझ गई कि जल्द प्राथमिक उपचार नहीं मिला तो उनकी जान जा सकती है। एक ओर जहां आम ग्रामीण रिमझिम बारिश के बीच घायलों

की ोटो व विडियो बना रहे थे। वहीं दूसरी ओर सेवा भावना से प्रेरित होकर एएनएम ने दोनों को गोद में उठाया। इसके बाद वे ब्लीडिंग और उनका दर्द कम करने के प्रयास में जुट गई। जितना संभव हो सका उनका प्राथमिक उपचार किया। दोनों घायलों के चोटिल अंगों को बांधने के लिए इन युवतियों को कुछ नहीं मिला तो अपने दुपट्टे का उपयोग किया। इसके साथ ही स्थानीय अस्पताल में तत्काल एंबुलेंस भेजने के लिए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को ोन किया। जिससे दोनों को बेहतर उपचार मिलने में समय न लगे। तत्काल अस्पताल से एम्बुलेंस व थाना से पुलिस अधिकारी पहुंचे। दोनों युवकों को एंबुलेंस से गया भेजा गया। थानाध्यक्ष फहीम आजाद खान ने बताया कि दोनों घायलों को तुरंत एएनएमसीएच भेजा गया। दुर्घटनाग्रस्त बाइक को थाने ले जाया गया। घायल युवकों की पहचान गुरारू के कोरमथु निवासी सुरेश राम के पुत्रों विपिन कुमार व रिशु कुमार के रूप में की गई है। दोनों गया अपने ससुराल जा रहे थे। वहीं एएनएम की निशानदेही पर चार पहिया वाहन की तलाश पुलिस ने की। लेकिन कोई सुराग नहीं मिल सका है। बहरहाल इन महिलाओं के काम ने एक बार फिर नर्सिंग सेवा की महानता का दर्शन करा दिया है।

सीसी कैमरा में मिले कई सुराग, फाइनेंस कर्मी से लूट मामले में दो संदिग्ध पकड़ाए

दंरभांगा (एजेंसी)। लहेरियासराय थानाक्षेत्र के भीगो मोहल्ला में बुधवार की शाम भारत फाइनेंस कंपनी के कर्मी से लूटे गए 2.25 लाख रुपये मामले में पुलिस दो संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। यह कार्रवाई पुलिस सीसी कैमरा के फुटेज पर की है। हालांकि, फिलहाल पुलिस कुछ बोलने से परहेज कर रही है। थानाध्यक्ष एचएन ङ्क्षसह ने बताया कि बदमाशों की खोज में छापेमारी जारी है। बहुत जल्द मामले का पर्दाफाश कर दिया जाएगा। इधर, घटना के दूसरे दिन नगर थानाक्षेत्र के कई मोहल्ला में पुलिस ने छापेमारी की। घटना को अंजाम देने वाले स्थानीय बताए जा रहे हैं। सीसी कैमरा में सभी बदमाशों को किलाघाट की ओर जाते देखा गया है। इसी रास्ते से सभी बदमाश शुभंकरपुर से पीछा करते हुए भिगो तक पहुंचा था। जहां फाइनेंस कर्मी को ओवरटेक कर हथियार के बल पर रुपये से भरे बैग लूटकर वापस उसी रास्ते से फरार हो गए थे।

ऐसी स्थिति में पुलिस बदमाशों के बारे में काफी जानकारी हासिल कर चुकी है। घटना को अंजाम देने वाले तीनों बदमाश में एक की अधिक उम्र बताई जा रही है। बहरहाल, पुलिस कार्रवाई करने में जटी है। बता दें कि बहादुरपुर थानाक्षेत्र के एकमी स्थित राजेंद्रनगर मोहल्ला में संचालित भारत फाइनेंस इंक्लूजन प्राइवेट लिमिटेड के कर्मी व मधुबनी जिले के बिस्फी थानाक्षेत्र के नूरचक निवासी संतोष कुमार शुंभकरपुर से ॠण की राशि वसूली कर अपने दफ्तर जा रहे थे। इस बीच अपाचे बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने ओवरटेक कर घेर लिया। इसके बाद पिस्टल सटाकर कर्मी के गले से रुपये से भरे बैग लूट लिए। सीआइएटी दस्ता ने गुरुवार को गुप्त सूचना पर बहादुरपुर थानाक्षेत्र के चट्टी चौक के पास छापेमारी कर नशीली दवा के साथ दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया।

पड़ोसी बोला-आधी रात को मेरे घर में घुस गया सुनील शेट्टी, रोहतास पुलिस ने कहा- यह तो झूठी बात है

कोचस (रोहतास) (एजेंसी) । थानाक्षेत्र के अमैसीडिहरा गांव में एक युवक आपराधिक घटना को अंजाम देने के मंसूबे से बुधवार देर रात पड़ोसी के घर में घुस गया। लेकिन ऐन वक्त पर घर आए एक मेहमान की नींद खुल जाने की वजह से उसे उल्टे पांव भागना पड़ा। हालांकि इस दौरान उसने पिस्टल भी लहराया। गुरुवार को इस बाबत थाने में शिकायत की गई। इसमें पड़ोसी सुनील कुमार सिंह उर्फ सुनील शेट्टी को आरोपित किया गया। लेकनि पुलिस जांच में बात झूठी निकली है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि आपसी रंजिश का मामला है। इसी में युवक को फंसाने की नीयत से झूठी शिकात दर्ज करा दी गई। गृहस्वामी भुपेश कुमार सिंह ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। आवेदन में बताया है कि पड़ोसी सुनील कुमार सिंह उर्फ सुनील शेट्टी आपराधिक प्रवृत्ति का है। वह बुधवार की देर रात करीब 12 बजे चारदीवारी फांदकर उनके घर में घुस गया। हालांकि संयोगवश घर आए मेहमान श्रीभगवान चंद्रवंशी ने उसे देख लिया। वे शोर मचाने लगे। इसपर भुपेश की नींद खुली तो वे आधी रात को सुनील को अपने घर में देखकर अवाक रह गए। सारा माजरा समझ में आया। लेकिन तब तक वह पिस्टल लहराते हुए भाग निकला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की। इस संबंध में थानाध्यक्ष नरोत्तम चंद्र ने बताया कि सूचना के बाद गांव में पुलिस पदाधिकारी को भेजा गया। उन्होंने बताया कि जांच में आपसी विवाद का मामला सामने आया है। उन्होंने बताया कि शेट्टी के घर में ही कोई मेहमान आए थे। इधर भुपेश के घर की चारदीवारी के अंदर कोई शौचालय है। उसी में जाने के लिए शेट्टी ने दरवाजा खटखटाया था। इसी को लेकर भुपेश ने उसके साथ गालीगलौच की। पिस्टल लहराने और आपराधिक घटना को अंजाम देने की बात गलत है।

पटना की लड़की के मेडी रोबोट का कमाल, अब बिना डॉक्टर व स्वास्थ्यकर्मी के पास गए होगा कोरोना का इलाज

पटना (एजेंसी)। कोरोनावायरस संक्रमण से बड़ी संख्या में डॉक्टरों की मौत हो रही है। लेकिन अब डॉक्टर व अन्य स्वास्थ्यकर्मी मरीज के पास गए बगैर उसकी जांच कर इलाज कर सकेंगे। इसमें सहयाक बनेगा मेडी रोबोट जिसे बनाया है पटना के योगेश कुमार और उनकी बेटी आकांक्षा ने। यह रोबोट मरीज के पास पहुंचे बिना ब्लड प्रेशर, ऑक्सीजन लेवल, पल्स रेट, श्वष्टत्र आदि कई तरह की जांच कर रिपोर्ट डॉक्टर को भेज देता है। पटना के कई बड़े अस्पतालों में यह रोबोट सफलतापूर्वक मरीजों की देखभाल कर रहा है। पटना की बीटेक की छात्रा आकांक्षा तथा उनके पिता योगेश ने इस मेडी रेबोट को बनाया है। यह संक्रमित मरीज की बेसिक मेडिकल जांच प्रामाणिकता के साथ दूर से करने तथा रियल टाइम डेटा लेने में सक्षम है। इसके सहयोग से डॉक्टर दूर बैठकर मरीज के रक्त में ग्लूकोज व ऑक्सीजन की मात्रा, हृदय गति, तापमान, ब्लड प्रेशर, वजन, ईसीजी, वायरलेस स्टेथेस्कोप से फेफड़े की स्थिति, हृदय आदि की जांच कर सकते हैं। रोबोट में वायरलेस स्टेथेस्कोप व ऑक्सीजन के सिलेंडर भी इंस्टॉल हैं। आकांक्षा ने बताया कि इसे डिजाइन करने में उन्हें पिता योगेश कुमार ने मदद की है। यह बाजार में लगभग एक लाख रुपये में उपलब्ध होगी। यह कीमत मेडिकल इक्यूपमेंट के साथ होगी। रोबोट के पेटेंट के लिए आवेदन किया जा चुका है। पटना के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की डॉ. अपूर्वा के अनुसार यह रोबोट संक्रमित मरीज और डॉक्टर दोनों के लिए वरदान साबित होगा।

यह संक्रमित व्यक्ति को दवा, खाना, पानी, नेबुलाइजर और ऑक्सीजन आदि पहुंचाने में सक्षम है। रोबोट में ही नेबुलाइजर और ऑक्सीजन चढ़ाने के सिस्टम इंस्टॉल हैं। हाई रेज्यूलेशन नाइट विजन कैमरा लगे रहने से 360 डिग्री पर घूमकर मरीज और आसपास की निगरानी की जा सकती है। हाई रेज्यूलेशन कैमरा से डॉक्टर और मरीज के बीच वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा है। यह दोतरफा संवाद करने में पूरी तरह सक्षम है। केमिकल तथा यूवी लाइट सिस्टम के द्वारा जरूरत के अनुसार मरीज के आसपास के क्षेत्र को सैनिटाइज भी किया जा सकता है। मसलन संक्रमित किसी वस्तु का उपयोग करते हैं तो रोबोट उसे सैनिटाइज कर ही कमरे से बाहर लाएगा। इसमें क्यूआर कोड की की मदद से ई-प्रिस्किप्सन की सुविधा है। आकांक्षा ने बताया कि पटना के सहयोग, स्पंदन और मेडी हार्ट आदि हॉस्पिटल में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इसका बेहतर अनुभव रहा है।

हॉस्पिटल प्रबंधन ने केंद्र व राज्य सरकारों को कोरोना महामारी के दौरान इसका सदुपयोग करने का अनुरोध किया है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के छात्र विश्वकर्मा अवार्ड के फाइनल राउंड के लिए इस रोबोट का चयन किया है। स्थानीय सांसद व कैबिनेट मंत्री रविशंकर प्रसाद ने रोबोट का प्रेजेंटेशन देखने के बाद सराहना करते हुए इसके बड़े स्तर पर उपयोग पर सहमति जताई है। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि यह डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों को संक्रमण से दूर रखने में सहायक है। इसका उपयोग सामान्य दिनों में भी किया जा सकता है।

opensearch

एक नज़र

सुशील कुमार सनसनीखेज तरीके से मीडिया रिपोर्टिंग को लेकर HC में दायर हुई याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। जूनियर पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के मामले में आरोपित ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार के मुकदमे को सनसनीखेज तरीके से रिपोर्टिंग करने से मीडिया को रोकने और आपराधिक मामलों की रिपोर्टिंग के लिए दिशानिर्देश बनाने की मांग को लेकर दायर याचिका दिल्ली हाई कोर्ट में खारिज हो गी। दिल्ली हाई कोर्ट ने इस जनहित याचिका पर विचार करने से इनकार दिया।

याचिका में आरोपी के अधिकारों पर विचार करके आपराधिक मामलों में रिपोर्टिंग के लिए मानक नियम बनाने, मीडिया ट्रायल पर रोक लगाने और पहलवान सुशील कुमार के खिलाफ मामले में सनसनीखेज रिपोर्टिंग को रोकने की मांग की गई थी। एक विधि छात्र ने याचिका दायर कर कहा था कि छत्रसाल स्टेडियम में हुए विवाद के संबंध में मीडिया द्वारा सुशील कुमार के मामले की रिपोर्टिंग से उनके करियर और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। साथी पहलवान की हत्या के मामले में पुलिस ने 23 मई को मुंडका से गिरफ्तार होने के बाद अदालत ने सुशील को छह दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया था।

गौरतलब है कि ओलंपियन सुशील कुमार और उसके साथियों ने चार और पांच मई की रात छत्रसाल स्टेडियम में पहलवान सागर धनखड़ (23) और उसके दो दोस्तों सोनू और अमित कुमार के साथ मारपीट की थी। पुलिस ने सुशील समेत अन्य के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या), 308 (गैर इरादतन हत्या), 365 (अपहरण), 325 (गंभीर चोट पहुंचाना), 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 341 (गलत तरीके से रोकना) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। वहीं, इसके अलावा धारा 188 (लोक सेवक द्वारा आदेश की अवज्ञा), 269 (लापरवाही से बीमारी का संक्रमण फैलने की संभावना), 120 बी (आपराधिक साजिश) और 34 (सामान्य इरादा) और शस्त्र अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी भी दर्ज की गई थी। समाप्त विनीत त्रिपाठी27 मई

दिल्ली में और श्मसान बनाने का अनुरोध, उच्च न्यायालय ने मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कोविड-19 के चलते बड़ी संख्या में मौतों के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी में कुछ और विद्युत या सीएनजी चालित श्मसान बनाने के अनुरोध वाली एक जनहित याचिका पर शुक्रवार को केंद्र और दिल्ली सरकार से जवाब देने को कहा।

मुख्य न्यायाधीश डी.एन पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने सामाजिक कार्यकर्ता सुनील कुमार अलेदिया की याचिका पर केंद्र, दिल्ली सरकार और नगर निगमों को नोटिस जारी कर उन्हें जवाब दाखिल करने को कहा है। अलेदिया ने वकील कमलेश कुमार मिश्रा के जरिए दाखिल अपनी याचिका में दिल्ली में विद्युत चालित श्मसानों में दाह-संस्कार के लिए समान दर तय करने के संबंध में निर्देश देने का अनुरोध किया है। याचिकाकर्ता के मुताबिक सराय काले खां में दाह संस्कार के लिए 500 रुपये और लोधी रोड में 8,800 रुपये शुल्क लिए जाते हैं।

याचिका में मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने के लिए एक केंद्रीकृत ऑनलाइन सुविधा शुरू करने का आग्रह किया गया है ताकि लोगों को मृत्यु का मामला दर्ज कराने के लिए स्थानीय प्राधिकारों के पास नहीं जाना पड़े। याचिका में प्राधिकारों को बंद पड़े विद्युत चालित श्मसानों को चालू करने के लिए निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया है।

ईडीएमसी उपमहापौर ने किया सबोली वार्ड का दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली नगर निगम (ईडीएमसी) के उपमहापौर हरिप्रकाश बहादुर ने शुक्रवार को सबोली, वार्ड संख्या 54 ई का दौरा किया। इस दौरे में उपमहापौर के साथ में शाहदरा उत्तरी क्षेत्र के उपायुक्त, रेनन कुमारय अधिशासी अभियंता, सत्यप्रकाश, अन्य अधिकारी व स्थानीय लोग रहे। उप महापौर ने वार्ड में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। वार्ड में पीडब्लूडी के नालों की हालत को देखकर उन्होंने असंतोष जताया। पीडब्ल्यूडी के नाले गंदगी से पटे पड़े थे।

उपमहापौर ने उपायुक्त रेनन कुमार को निर्देश दिए कि वो इस संबंध में पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को पत्र लिख इस समस्या का समाधान करवाये। स्थानीय लोगों ने उपमहापौर को क्षेत्र में मच्छरों के बढ़ते प्रकोप के बारे में बताया, इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए उपमहापौर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वार्ड में मच्छरों का प्रकोप न हो इसके लिए उचित कार्यवाही की जाए। उप महापौर ने कोरोना पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

दौरे के दौरान स्थानीय लोगों ने उपमहापौर को बताया कि शक्ति गार्डन, ईस्ट गोकलपुर, प्रताप नगर में कालोनियों के पानी जमा हो जाता है और उसकी निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है जिससे लोगों को काफी समस्या का सामना करना पड़ता है। इस संबंध में उपमहापौर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बरसात का पानी जमा न हो इसके लिए रेलवे लाइन के किनारे की गाद निकालने का कार्य किया जाए जिससे इन कॉलोनियों में पानी का जमाव ना हो पाए।

ऑक्सीजन की कमी के लिए जिम्मेदार हैं केजरीवाल : चौधरी अनिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली में जितने लोगों की मौत ऑक्सीजन की कमी से हुई है उसके लिए केजरीवाल सरकार जिम्मेदार है।

उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक बयान जारी कर कहा कि कोरोनाकाल में जितनी भी अव्यवस्था फैली है और उस अव्यवस्था के चलते आम लोगों को, अपनी जान गवानी पड़ी है उसके लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन की कमी से हुई मौतों की जिम्मेदारी भी उन्हें लेनी चाहिए और उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देनी चाहिए। चौधरी ने कहा कि ऐसे और जिम्मेदार लोगों की भी पहचान होनी चाहिए जिन्होंने कोरोना के दौरान अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई।

ऐसे लोगों के पहचाना के लिए हाई कोर्ट के रीटायर्ड जज की निगरानी में एक समिति बनाई जाए और जवाब देही तय किया जाए। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण के दौरान जिन लोगों की जान गई है उनके परिजनों को कमसे-कम चार लाख रुपये का मुआवजा मिलना चाहिए।

दिल्ली मेट्रो के संचालन के लिए करना होगा अनलॉक 2 का इंतजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को अनलॉक धीरे-धीरे शुरू करने का एलान किया है। इसी के साथ सोमवार से दिल्ली में निर्माण गतिविधियां और फैक्ट्रियां शुरू होंगी। इसी के साथ यह भी तय हो गया है कि दिल्ली मेट्रो रेल निगम की ट्रेनों का परिचालन अनलॉक-2 में किया जाएगा। माना जा रहा है कि 7 जून से दिल्ली मेट्रो रफ्तार भर सकेगी। इससे न केवल दिल्ली, बल्कि एनसीआर के शहरों गाजियाबाद, नोएडा-ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद, पलवल और गुरुग्राम के लोगों को भी फायदा होगा।

अनलॉक 2.0 में दिल्ली मेट्रो का परिचालन शुरू होने पर सख्ती जारी रहेगी। इसके तहत दिल्ली मेट्रो ट्रेन के एक कोच में 50 यात्री ही सफर कर पाएंगे। वहीं, शारीरिक दूरी के नियम के मद्देनजर कोच में एक सीट छोड़ कर यात्रियों के बैठने की व्यवस्था पूर्व की तरह ही रहेगी। इसके साथ ही यात्रियों को आरोग्य सेतु ऐप अनिवार्य रूप से डाउनलोड करना होगा। मेट्रो स्टेशन में प्रवेश से पहले ही यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग की जाएगी।

दिल्ली में यमुना की जलधारा को निरंतरता देने के लिए खड़े होंगे सैकड़ों अर्जुन

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में यमुना किनारे अब बाढ़ क्षेत्र के पौधे लगाए जाएंगे। ये पौधे यमुना में जलधारा की निरंतरता को बनाए रखने में मददगार साबित होंगे। यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क में इन पौधों को लगाने से सामने आए अच्छे परिणामों के आधार पर दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने अब यमुना किनारे भी ऐसे ही पौधे लगाने तैयारी शुरू कर दी है।

इस साल पौधारोपण अभियान से इसकी शुरुआत भी कर दी जाएगी। यहां पर खैर, अर्जुन, कैम, कैथ और घास लगाई जाएगी, जो पर्यावरण के साथ यमुना के लिए भी फायदेमंद है।बता दें कि आयुर्वेद में भी अर्जुन के पेड़ कई औषधीय खूबियां बताई गई हैं। अर्जुन के पेड़ की छाल भी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती है। दरअसल, इस पेड़ की छाल का पाउडर बनाकर उपयोग किया जाता है।

आयुर्विदे के जानकारों की मानें तो अर्जुन पेड़ की छाल से दिल के रोग, क्षय, पित्त, कफ, सर्दी, खांसी, अत्यधिक कोलेस्ट्रॉल और मोटापे जैसी बीमारी का दूर किया जा सकता है, लेकिन संयमित जीवन जीने का साथ। गौरतलब है कि दिल्ली में यमुना की लंबाई पल्ला से बदरपुर तक कुल 54 कि.मी. है। वजीराबाद से असगरपुर गांव तक 22 कि.मी. का एरिया सबसे ज्यादा प्रदूषित और अतिक्रमण वाला हिस्सा है।

विडंबना यह कि दिल्ली में यमुना में गिरने वाले नाले और उनका सीवरेज तो इसे दम तोड़ने पर मजबूर कर ही रहा है, इसके किनारे के पौधे भी इसकी जलधारा को निर्बाध नहीं बहने दे रहे। यमुना की जलधारा को निर्बाध बहने देने के लिए डीडीए ने इसके किनारे अब बाढ़ क्षेत्र के पौधे लगाने का निर्णय लिया है। जानकारी के मुताबिक, एक तो दिल्ली में वैसे ही बहुत ज्यादा बारिश नहीं होती। लिहाजा मानसून को छोड़कर यमुना में कभी पर्याप्त पानी नहीं रहता। दूसरे, इसके किनारों पर लगे पौधे जरूरत से ज्यादा वाष्प उत्सर्जन कर इसकी धारा को अवरूद्ध करते रहते हैं।

ये पौधे यमुना का पानी तो वाष्पीकरण के जरिये उड़ाते ही हैं, बाढ़ क्षेत्र का भूजल स्तर भी प्रभावित कर रहे हैं। इसी समस्या का समाधान करने के लिए डीडीए इसी साल जल्द शुरू होने वाले पौधारोपण अभियान के जरिये यमुना किनारे बाढ़ क्षेत्र के पौधे लगाने की शुरुआत करने जा रहा है। इन पौधों की खासियत है कि ये कम वाष्प उत्सर्जन करते हैं। भूजल स्तर को भी नुकसान नहीं पहुंचाते और बाढ़ आने पर नष्ट भी नहीं होते।

यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क में कृत्रिम वेटलैंड तैयार करने के क्रम में यही पौधे लगाए गए और इनका परिणाम भी सकारात्मक रहा। इसी के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर आयोजित एक वेबिनार में डीडीए के प्रधान आयुक्त (उद्यान) राजीव तिवारी ने भी इस आशय की जानकारी साझा की।

इस पूरे अभियान को लेकर फैयाज ओ खुदसर (प्रभारी वनस्पति विज्ञानी, यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क) का कहना है।कि बाढ़ क्षेत्र के पौधों को नदी घाटी के पौधे भी कहा जाता है। इन पौधों को नदी किनारे लगाए जाने पर जलधारा भी निर्बाध रहती है और वहां का भूजल स्तर भी प्रभावित नहीं होता। यमुना किनारे इन्हें लगाए जाने की योजना स्वागतयोग्य है।

दिल्ली मेट्रो व बाजार खोलने को लेकर छूट मिलने की उम्मीद टूटी, नहीं मिली राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना वायरस संक्रमण के मद्देनजर लगाया गया लॉकडाउन आगामी 31 मई को समाप्त तो हो रहा है, लेकिन दिल्ली में अनलॉक की प्रक्रिया थोड़ी धीमी गति से शुरू होगी। एक सप्ताह के लिए सिर्फ फैक्ट्री खुलेंगी और निर्माण कार्य ही शुरू होंगे।

बाजार और दुकानों को खोलने का फैसला नहीं हुआ है। वहीं, दिल्ली में कोरोना का संक्रमण कम होने से लॉकडाउन में छूट की संभावना बन रही थी। व्यापारियों के साथ आम लोगों को भी उम्मीद थी कि दिल्ली मेट्रो ट्रेनों का परिचालन 31 मई से शुरू होगी, लेकिन इसका भी एलान नहीं कि एलान नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में और कमी आई तो 7 जून से दिल्ली मेट्रो सेवाएं शुरू की जा सकती हैं।

दिल्ली से सटे हरियाणा के शहरों में 24 मई से दुकानों और शराब के ठेकों को खोलने की छूट मिली है। इससे गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल और सोनीपत के लोगों को काफी राहत मिली है। दिल्ली में तेजी से कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में काफी गिरावट आई है। ऐसे में दिल्ली में बाजारों, दुकानों और कंपनी-फैक्ट्रियों को खोलने की गुहार लगाई गई थी, लेकिन अरविंद केजरीवाल सरकार ने राहत देने से इनकार कर दिया। कीर्ति नगर,कृष्णा नगर,राजौरी गार्डन, नेहरू प्लेस, साउथ एक्स, शाहदरा, गांधी नगर, लक्ष्मी,नगर,रोहिणी,पीतमपुरा,जनक पुरी,मालवीय नगर, द्वारका, कश्मीरीगेट, चांदनीचौक, चावड़ीबाजार, सदर बाजार, खारी बावली, करोलबाग, कमला नगर, लाजपत नगर, कनॉट प्लेस, ग्रेटर कैलाश हरियाणा की तर्ज पर ऑड-ईवन के तहत खुलें दुकानें दिल्ली में भी हरियाणा की तरह ऑड-इवेन के आधार पर बाजारों को खोला जा सकता है। इसके साथ हफ्ते में सिर्फ 5 दिन भी दुकानों और बाजारों को खोलने का प्रस्ताव हो सकता है। वहीं, दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी का मानना है कि अनलॉक प्रक्रिया में सभी चीजें खोलीं तो इसका नुकसान होगा।

अचानक भीड़ बढ़ने से कोरोना के मामले फिर तेजी पड़क सकते हैं, ऐसे में अनलॉक प्रक्रिया कई चरणों में की जाएगी। कोरोना वायरस संक्रमण के चलते पिछले महीने 20 अप्रैल से लॉकडाउन लागू है, जो 31 मई तक के लिए है। एक सर्वे में दिल्ली के 60 फीसद व्यापारियों का कहना है कि मेट्रो सेवा फिर से शुरू होनी चाहिए। 80 फीसद से ज्यादा व्यापारी संगठन चाहते हैं कि बाजारों में सैनिटाइजेशन होना चाहिए।

दिल्ली सरकार की समिति की जांच रिपोर्ट पर सवाल, दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर

नई दिल्ली (एजेंसी)। जयपुर गोल्डन अस्पताल में 23-24 अप्रैल की रात हुई मौत के मामले में दिल्ली सरकार की समिति की जांच रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिकाकर्ता ने जांच कमेटी की रिपोर्ट को गलत बताते हुए इसे रद करने और मामले की केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआइ) से जांच कराने की मांग की है।

याचिकाकर्ता ने कहा कि रिपोर्ट के अनुसार मरीजों के दम घुटने का कारण आक्सीजन की कमी को नहीं बताया गया है। अधिवक्ता उत्सव बेंस के माध्यम से याचिका दायर कर कुछ मृतकों के आश्रितों व स्वजन ने दलील दी कि मरीजों की मौत आक्सीजन की कमी से हुई [illegible] न की गंभीर बीमारी के कारण जैसा की समिति की रिपोर्ट में बताया गया है।

लिहाजा, मामले की स्वतंत्र एजेंसी जांच कर सच्चाई सामने लाए। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया है कि आक्सीजन की कमी से मौत होने की जानकारी होने के बाद भी केंद्र व दिल्ली सरकार के साथ अस्पताल की निष्क्रियता और विफलता के कारण ये घटना हुई थी। ऐसे में प्रतिवादी मृतक पीड़ितों के परिवारों को मुआवजे का भुगतान करने के जिम्मेदार हैं। केंद्र व दिल्ली सरकार के साथ अस्पताल की कानूनन व नैतिक जिम्मेदारी थी कि आक्सीजन की आपूर्ति न होने के कारण किसी की मौत न हो।

समिति की रिपोर्ट का हवाला देते हुए याचिका में दावा किया गया है कि यह गलत है और दिल्ली सरकार के पक्ष में तैयार की गई है। अदालत को गुमराह करने के लिए रिपोर्ट में कहा गया है कि मृतक किसी प्रकार की आक्सीजन थेरेपी प्राप्त कर रहे थे। कमेटी ने अस्पताल में आक्सीजन की मांग और आपूर्ति [illegible] जांच की और न ही पीड़ितों के परिवारों का बयान ही दर्ज किया।

याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि अस्पताल प्रबंधन ने मरीजों के स्वजन को आक्सीजन की कमी की जानकारी भी नहीं दी, वरना वे अपने स्तर पर आक्सीजन सिलेंडर का इंतजाम कर अपने मरीज की जान बचाने का प्रयास करते।

दिल्ली सरकार कोरोना की तीसरी लहर की तैयारियों में जुटी

हर इलाके में रहेंगे आक्सीजन बेड

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के चलते इससे निपटने के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव (पावर) सत्य गोपाल की अध्यक्षता में 13 सदस्यीय कमेटी गठित की है।

इस कमेटी में 12 आइएएस अधिकारी शामिल हैं। इसके अलावा इस कमेटी में दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय की महानिदेशक डा. नूतन मुंडेजा शामिल हैं। कमेटी को तीसरी लहर की आशंका के मद्देनजर इलाज की बुनियादी सुविधाएं विकसित करने की जिम्मेदारी दी गई है।

यह कमेटी विचार विमर्श करने के बाद यह तय करेगी कि तीसरी लहर में चिकित्सा सुविधा [illegible] कितने आइसोलेशन बेड, आक्सीजन बेड व आइसीयू बेड की जरूरत होगी, इसके लिए कमेटी योजना तैयार करेगी। इसके अलावा चिकित्सकीय संसाधनों का हर इलाके में बराबर वितरण सुनिश्चित करना होगा। यह कमेटी अस्थायी कोविड केयर सेंटर व अस्पताल के लिए जगह भी तलाश करेगी, ताकि जरूरत पड़ने पर तेजी से सुविधा विकसित की जा सके।

इसके अलावा अस्पतालों में आक्सीजन व दवाओं की कमी न होने पाए यह सुनिश्चित करना भी इस कमेटी की जिम्मेदारी होगी। दिल्ली सरकार के अस्पतालों में सभी आक्सीजन बेड पर आक्सीजन पाइप लाइन की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए भी कहा गया है। इसके अलावा पर्याप्त संख्या में सिलेंडर व आक्सीजन कंसंट्रेटर की व्यवस्था की जाएगी।

अन्य राज्यों से आक्सीजन की सुचारू आपूर्ति के लिए क्रायोजेनिक टैंकर व अन्य वाहनों की आवश्यकता का आकलन कर खरीद की तैयारी भी यह कमेटी करेगी।

इसके अलावा डाक्टरों व कर्मचारियों की कमी दूर करने की दिशा में भी कदम उठाए जाएंगे। इसके तहत 10 हजार प्रशिक्षित पैरामेडिकल वालेंटियर तैयार किए जाएंगे, ताकि जरूरत पड़ने पर उन्हें दिल्ली में कहीं भी नियुक्त किया जा सके।

opensearch

सरकारी अस्पतालों में नहीं पहुंच रही है वैक्सीन जबकि निजी अस्पतालों में धड़ल्ले से बिक्री जारी है : आप

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) ने केंद्र सरकार पर वैक्सीन की कमी को लेकर एक बार फिर निशाना साधा है। साथ ही पार्टी ने ये भी आरोप लगाया है कि प्राइवेट अस्पतालों में वैक्सीन ऊंचे दामों में बेची जा रही है जबकि सरकारी अस्पतालों में ये पहुंच से बाहर है।

आप नेता आतिशी ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता कर कहा कि 'सरकारी केंद्रों पर जहाँ मुफ्त वैक्सीनेशन हो रहा था। वहीं वैक्सीन नहीं पहुंच रही है। वहीं प्राइवेट अस्पतालों में वही वैक्सीन 1200 से 1350 रुपये में धड़ल्ले से लग रही है। इसलिए सवाल उठाना जायज है कि आखिर ऐसा क्यों है कि राज्यों तक वैक्सीन नहीं पहुंच रही और प्राइवेट अस्पतालों में कोई कमी नहीं है। क्या यही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आपदा में अवसर उल्लेखनीय है कि बीते कई दिनों से आम आदमी पार्टी दिल्ली में वैक्सीन की कमी को लेकर आवाज उठाती रही है।

पार्टी का ये भी आरोप है कि वैक्सीन की कमी के कारण दिल्ली सरकार को 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए चल रहे वैक्सिनेशन सेंटर को बंद करना पड़ा है। आतिशी ने केंद्र सरकार से सवाल करते हुए कहा कि फाइज 85 देशों में, मोडर्ना 46 देशों में वहीं जॉनसन एंड जॉनसन 41 देशों में मान्य है। तो ऐसी क्या मजबूरी है कि इनको केंद्र सरकार अपने देश में आयात करने की मान्यता क्यों नही कर रही? इससे ये लगता है कि भारत बायोटेक और सीरम इंस्टीट्यूट को फेवर करने के लिए ये पूरा माहौल बनाया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बीते दिनों कई बार देश में वैक्सीन की कमी पर अपनी बात रखते रहे हैं। मुख्यमंत्री का कहना है कि अगर इस देश को कोरोना संकट से बचाना है तो ज्यादा से ज्यादा संख्या में और जल्द से जल्द लोगों को वैक्सीन लगाने की जरूरत है।

नवनीत कालरा की जमानत याचिका शनिवार को होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली स्थित साकेत कोर्ट ने ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की कालाबाजारी मामले में आरोपी नवनीत कालरा की जमानत अर्जी पर सुनवाई शनिवार तक के लिए स्थगित कर दी है।

नवनीत कालरा की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए शुक्रवार को कोर्ट में याचिका पर 2 दिन अदालती कार्यवाही टालने की दिल्ली पुलिस की मांग को खारिज कर दिया है। मुख्य महानगर दंडाधिकारी अरुण कुमार गर्ग ने अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष की दलीलें सुनी इसके बाद शनिवार सुबह 10-30 बजे जमानत याचिका पर सुनवाई करने का आदेश जारी कर दिया। दरअसल पिछले सुनवाई के दौरान आरोपित नवनीत कालरा के अधिवक्ता ने ही सुनवाई स्थगित करने का आग्रह किया था। इसके बाद शुक्रवार को मामले में फिर सुनवाई हुई।

यहां पर बता दें कि दिल्ली पुलिस ने नवनीत कालरा के खान चाचा रेस्तरां सहित अन्य दो स्थानों से 524 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर बरामद किए थे। वहीं, पुलिस का आरोप है कि नवनीत कालरा ने कंसंट्रेटर पड़ोसी देश चीन से आयात किए थे और 16 से 20 हजार के कंसंट्रेटरों को 50 से 70 हजार रुपये बेचा गया। इतना ही नहीं, नवनीत कालरा पर यह भी आरोप है कि कंसंट्रेटर काफी स्तरीय थे। कंसंट्रेटरों कोविड मरीजों के ईलाज में प्रयोग किए जा रहे हैं। इस मामले में पुलिस ने नवनीत कालरा के खिलाफ 5 मई को मामला दर्ज किया था।

दिल्ली पुलिस का यह भी दावा है कि चीन से आयातित ऑक्सीजन कंसंट्रेटर 16,000 रुपये तथा 22,000 रुपये की बजाय 50,000 रुपये और 70,000 रुपये में बेचा जा रहा थे। कोविड-19 से प्रभावित मरीजों के लिए ऑक्सीजन कंसंट्रेटर महत्वपूर्ण उपकरण हैं और महामारी की दूसरी लहर में इन उपकरणों की काफी मांग रही है।

टीकाकरण के नाम पर मुंह मांगी कीमत वसूल रहे हैं निजी अस्पताल

नई दिल्ली (एजेंसी)। लाकडाउन में आर्थिक तंगी के माहौल के बीच निजी अस्पताल माल व होटल में मुंह मांगी कीमतों पर लोगों का टीकाकरण अभियान चला रहे हैं। आश्चर्य की बात यह है कि सरकार व प्रशासन ने भी दाम को लेकर निजी अस्पतालों की जारी मनमर्जी पर चुप्पी साध ली है। अधिकारियों का साफ कहना है इस पर उनका कोई नियंत्रण नहीं है। उधर, 18 से 44 वर्षीय लोागों के लिए समस्त सरकारी टीका साइटें बीते एक सप्ताह से बंद है।

और टीके की पर्याप्त आपूर्ति कब तक होगी इस पर अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी किसी के पास नहीं है। आलम यह है कि मजबूरन लोगों को टीकाकरण के लिए निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है। टीकाकरण के लिए आगे आने वाले लोगों का कहना कि हैं कि वे निजी अस्पतालों में टीकाकरण कराने में समर्थ है, पर ऐसे में जो लोग असमर्थ है उनका क्या? असल में संक्रमण की चपेट में आने के डर के कारण लोग अस्पताल में जाकर टीकाकरण कराने से बच रहे है और लोगों की इसी मजबूरी का फायदा उठाकर निजी अस्पताल माल व होटल में टीकाकरण शिविर लगा रहे है।

माल व होटल की चकाचौंध और टीकाकरण के साथ बेहतरीन सुविधा के नाम पर लोगों से अलग-अलग अस्पताल अलग-अलग कीमत वसूल रहे है। मणिपाल अस्पताल की बात करें तो वह द्वारका सेक्टर-18बी स्थित होटल प्लेटनियम में 18 पार के सभी लोगों के लिए टीकाकरण अभियान शुरू करने जा रहा है, जहां लोगों को 1,100 रुपये में कोविशिल्ड टीके की डोज लगाई जाएगी। वहीं वेगास माल में जारी आनसाइट टीकाकरण के लिए आकाश अस्पताल लोगों से एक हजार रुपये ले रहा है। यानि एक ही टीके के दोनों अस्पताल ने अलग-अलग दाम तय किए है। वहीं ड्राइव थ्रू वैक्सीनेशन की बात करें तो वेगास माल में इस सुविधा के लिए लोगों को 1,400 रुपये और 200 रुपये रजिस्ट्रेशन फीस का भुगतान करना पड़ रहा है।

वहीं साकेत स्थित स्लेक्ट सिटी वाक में इसी सुविधा के लिए लोगों से 1,450 रुपये लिए जा रहे है। सागरपुर निवासी कन्हैया लाल बताते हैं कि उनके घर में पांच लोग हैं जिनकी उम्र 18 से 44 वर्ष है। टीकाकरण कराना है तो कम से कम छह हजार रुपये चाहिए। लाकडाउन के कारण काम-धंधा बंद है, ऐसे में आदमी परिवार का गुजर बसर करें या टीकाकरण कराने में पैसे खर्च कर दें। इस लिहाज से असक्षम व्यक्ति का टीकाकरण नहीं होगा, उसे सुरक्षित जीवन का कोई अधिकार नहीं है। सरकार को चाहिए कि वह टीकाकरण के दामों पर नियंत्रण करें, जिससे अधिक से अधिक लोग इस सुविधा का लाभ ले सके।

टैक्स जोड़कर अस्पताल को कंपनी से टीका करीब 700 रुपये में उपलब्ध हो रहा है। टीकाकरण के दाम पर मोहर लगाने से पूर्व इस पर जिला प्रशासन की अस्पताल ने मंजूरी प्राप्त की है। माल परिसर में टीका साइटों पर स्वास्थ्य कर्मचारी, सहायक कर्मचारी व सुरक्षा कर्मचारी तैनात है, सभी का खर्च जोड़ने के बाद टीके के दाम तय किए गए है।

मकान बेचकर जाने से मना करने पर बुजुर्ग को चाकू घोपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर पूर्वी दिल्ली के गोकुलपुरी में मकान बेचकर मोहल्ला छोड़कर जाने से मना करने पर पड़ोसी ने बुजुर्ग के पेट में चाकू घोप दिया।

घायल 68 वर्षीय रामपत को जग प्रवेश चंद अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर आरएमएल रेफर कर दिया गया। पीड़ित के बयान पर बुधवार को पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। पीड़ित रामपत परिवार के साथ गोकुलपुरी के बी-ब्लॉक में रहते हैं। वह बीएसईएस से सेवानिवृत्त हैं। पड़ोस में रहने वाले महीपाल से उनकी रंजिश चल रही है।

कुछ समय पहले रंजिश में ही रामपत के बेटे ने महीपाल को चाकू मार दिया था, जिसका केस अभी चल ही रहा है। इसी बीच गुरुवार रात आठ बजे रामपत घर के पास दुकान से सामान लेने जा रहे थे। तभी रास्ते में महीपाल मिल गया। उसने कहा कि तुम्हारे बेटे के चाकू मारने के बाद मेरे लाखों रुपये उपचार और केस में खर्च हो गए। तुम यहां से मकान बेचकर कहीं और चले जाओ। रामपत ने कहा कि मेरे पास इतने रुपये नहीं हैं कि यहां से मकान बेचकर कहीं और खरीद पाऊंगा। साथ ही उन्होंने सवाल किया कि मैं क्यों यहां से जाऊं। इस पर महीपाल ने गुस्से में उनके पेट में चाकू घोप दिया। सूचना मिलने के बाद परिजन व पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया।

सम्पादकीय...

ओपन सर्च

निजता की रक्षा

वॉट्सएप और केंद्र सरकार के बीच डेटा की निजता को लेकर विवाद गरमाता जा रहा है। यह विवाद तीन महीने पहले जारी किए गए आईटी नियमों को लेकर उठा है। इनमें से एक नियम के अनुसार, वॉट्सएप और वैसी ही दूसरी कंपनियों को ऐप पर भेजे गए मैसेज के ओरिजिन की जानकारी रखनी होगी। वॉट्सऐप का कहना है कि यह किसी भी व्यक्ति की निजता का उल्लंघन होगा। इस नियम के खिलाफ वॉट्सएप दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचा है। उधर, मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड आईटी ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए एक प्रेस नोट जारी किया है। इस प्रेस नोट में केंद्र ने वॉट्सएप के आरोप का जवाब दिया है। सरकार ने साफ कहा है कि केंद्र निजता के अधिकार का सम्मान करता है। जब सरकार किसी खास मैसेज के ओरिजिन के बारे में जानना चाहती है तो उसकी मंशा किसी की निजता के उल्लंघन की नहीं होती। काफी जद्दोजहद के बाद फेसबुक और गूगल ने यह साफकर दिया है कि वह भारत के सूचना तकनीक नियमों के प्रावधानों का अनुपालन करेंगे। मगर ट्विटर और वाट्सएप अब भी सरकार के नए नियमों से खुश नहीं हैं। केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया के नए नियम केवल दुरुपयोग रोकने के लिए बनाए गए हैं। इससे यूजर्स की निजता को किसी प्रकार का खतरा नहीं है। सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय करने के लिए नए आईटी नियम जारी किए थे, जो 25 मई से प्रभावी हो गए हैं। इसे लेकर फेसबुक के मालिकाना हक वाले मैसेजिंग एप व्हाट्सएप ने भारत सरकार के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया कि नए नियम असंवैधानिक हैं। ये नियम आईटी नियम निजता के अधिकार का उल्लंघन करते हैं। ऐसे में इन्हें लागू किए जाने से रोका जाना चाहिए। अगर नियमों की बात करें तो सोशल मीडिया कंपनियों के लिए हर मैसेज के स्रोत का पता लगाना अनिवार्य रहेगा। अधिकृत एजेंसियों की आपत्ति के 36 घंटे के भीतर आपत्तिजनक सामग्री हटानी पड़ेगी। अश्लील पोस्ट के अलावा उस तस्वीरों को शिकायत मिलने के 24 घंटे के अंदर हटाना होगा, जिनसे छेड़छाड़ की गई है। कंपनियों को देश में मुख्य अनुपालन अधिकारी, नोडल अधिकारी और शिकायत निवारण अधिकारी नियुक्त करना पड़ेगा। कहा जा रहा है कि नए आईटी नियम के तहत सोशल मीडिया कंपनियों को एक मासिक रिपोर्ट प्रकाशित करनी होगी, जिसमें प्राप्त शिकायतों, उनमें की गई कार्रवाई और मंच से हटाई/प्रतिबंधित की गई सामग्री का ब्योरा देना अनिवार्य रहेगा। इसके साथ ही कंपनियों को अपनी वेबसाइट या एप या फिर दोनों पर भारत में संपर्क का पता देना होगा। देश की सुरक्षा-संप्रभुता, कानून व्यवस्था को नुकसान पहुंचानी वाली सामग्री का स्रोत बताना पड़ेगा।

> **प्रकाशक के रूप में कोई भी सामग्री जारी होने से पहले कंपनियों को उसमें जरूरी काट-छांट करनी पड़ेगी। व्हॉट्सएप ने इन नियमों को अदालत में चुनौती दी है, जबकि फेसबुक-गूगल ने अमल करने का भरोसा तो दिलाया है, लेकिन इसकी समयसीमा नहीं घोषित की है। वहीं, ट्विटर ने फिलहाल अपने पत्ते नहीं खोले हैं। जानकारों का कहना है कि कंपनियां नए नियमों में कुछ बदलाव चाहती हैं।**

नए आईटी नियमों पर अमल नहीं करनी वाली कंपनियों को अपना 'मध्यस्थ्य का दर्जा खोना पड़ेगा। यह दर्जा कंपनियों को तीसरे पक्ष की ओर से जारी सामग्री/डाटा की जवाबदेही से छूट मुहैया करता है। इससे एप पर जारी होने वाली हर सामग्री का स्रोत संबंधित सोशल मीडिया कंपनी को ही माना जाएगा। यही नहीं, साइट पर आपत्तिजनक सामग्री के प्रसार की कानूनी जवाबदेही भी संबंधित कंपनी की ही होगी। प्रकाशक के रूप में कोई भी सामग्री जारी होने से पहले कंपनियों को उसमें जरूरी काट-छांट करनी पड़ेगी। व्हॉट्सएप ने इन नियमों को अदालत में चुनौती दी है, जबकि फेसबुक-गूगल ने अमल करने का भरोसा तो दिलाया है, लेकिन इसकी समयसीमा नहीं घोषित की है। वहीं, ट्विटर ने फिलहाल अपने पत्ते नहीं खोले हैं। जानकारों का कहना है कि कंपनियां नए नियमों में कुछ बदलाव चाहती हैं। वे इनके क्रियान्वयन के लिए छह महीने की मोहलत देने की भी पक्षधर हैं। बता दें कि साल 2011 में यूपीए के शासनकाल में आईटी इंटरमीडियरी नियम बने थे। आईटी एक्ट के सेक्शन-87 के तहत केंद्र सरकार ने 2018 में इन नियमों में बदलाव के लिए ड्राफ्ट जारी किया था। तकरीबन 3 साल तक चर्चा के बाद 25 फरवरी 2021 को इन नियमों को नोटिफाई किया गया। इन्हें लागू करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को 3 महीने का समय दिया गया था। डेडलाइन 25 मई को खत्म हो गई। वॉट्सएप ने सिर्फ एक नियम को चुनौती दी है, लेकिन अन्य सभी नियमों के पालन के लिए ट्विटर, इंस्टाग्राम, फेसबुक समेत सभी बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को कंप्लायंस रिपोर्ट देनी चाहिए। सही है कि अगर सोशल मीडिया के मंचों पर की गई अभिव्यक्तियां देश की संप्रभुता या किसी व्यक्ति की गरिमा को नुकसान पहुंचाती हैं, अश्लीलता से जुड़े नियमों के खिलाफ हैं तो उसे नियंत्रित करने की जरूरत है।

किशोरी बालिकाओं का भविष्य कुपोषण के कब्जे में

रमा शर्मा

कोरोना महामारी के इस दौर में ऐसी बहुत सी बीमारियां हैं, जो आज भी मानव जीवन को धीरे धीरे अपना शिकार बना रही हैं। लेकिन उसकी तरफ किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। इन्हीं में एक कुपोषण भी है, जो युवाओं विशेषकर किशोरी बालिकाओं में काफी पाया जा रहा है। इसका परोक्ष रूप से नकारात्मक प्रभाव आने वाली पीढ़ी के स्वास्थ्य पर देखने को मिलेगा। शरीर के लिए आवश्यक संतुलित आहार लम्बे समय तक नहीं मिलना ही कुपोषण है। इसके कारण बालिकाओं और महिलाओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। जिससे वह आसानी से कई तरह की बीमारियों की शिकार बन जाती हैं। अतः कुपोषण की जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। किशोरी बालिकाओं मे अधिकांश कुपोषण होने के कारण आगे चलकर कई रोगों का कारक बन जाती हैं।

देश का एक बहुत बडा हिस्सा किशोरी बालिकाएं जिनके स्वास्थ्य से जुड़े आंकड़ों की बात करें तो उनमे भारी कमी आई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के पैमाने मे किशोरावस्था 10 से 19 साल मानी गई है। जबकी भारत मे हर 10 साल बाद पोषण से जुड़े आंकड़े जारी करने वाले नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के आंकड़ों मे किशोरावस्था का कोई जिक्र नहीं है। इन आंकड़ों मे 15 से 19 साल की उम्र के लोगों को व्यस्क माना जाता है। वहीं 6 से 14 साल की उम्र के आयु वर्ग के पोषण से जुड़े आंकड़ों का भी कोई जिक्र नही होता है। 15 से 19 साल के लोगों का बाडी मॉस इण्डेक्स व्यस्कों के पैमानों पर मापा जाता है। जोकि इस उम्र के लोगों के लिए ठीक नही है और इससे पोषण के आंकड़ों की सही तस्वीर सामने नही आ पाती है। बॉडी मॉस इंडेक्स से पता चलता है कि शरीर का वजन कद के अनुसार कितना है। इसे लम्बाई और वजन का अनुपात कहा जाता है। किशोरी स्वास्थ्य की दुर्दशा के मामले में अन्य राज्यों की अपेक्षा राजस्थान में भयावक है। जैसे बांसवाड़ा, टोंक, सवाईमाधोपुर, अलवर, करोली आदि जिले किशोरी स्वास्थ्य के पैमाने पर बहुत नीचे पहुंच गए हैं। इसकी वजह पुरानी कुरुतियां एवं जागरुकता की कमी है। इसके अतिरिक्त समुचित पौषण का अभाव और मानसिक अवसाद की स्थितियां भी इसके लिए जिम्मेदार मानी जा रही हैं।

राजस्थान मे बीमार होने पर किशोरियों का इलाज कराने का प्रतिशत लड़कों कि

तुलना मे काफी कम है। प्रदेश के प्रमुख अस्पताल जे के लोन के आंकड़े बताते है कि यहां लडके व लडकियों के उपचार का प्रतिशत करीब 60-40 है। जेके लोन अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ डा. जगदीश सिंह बताते हैं कि आज भी राजस्थान के कुछ जिले ऐसे हैं, जहां अभिभावक लड़कियों के उपचार को गैर जरुरी खर्च मानते है और अपने गांव ले जाकर ही उपचार कराने में विश्वास करते है।

यह किशोरियों के स्वास्थ्य की दिशा में सबसे बडा आघात है। स्त्री रोग विशेषज्ञ जनाना अस्पताल डा उषा बंसल कहती हैं कि किशोरियों का उपचार सही समय पर उचित तरीके से नहीं होने का असर उनके आगे के जीवन चक्र को बुरी तरह प्रभावित करता है। यह लड़कयों के युवा होने की उम्र होती है। इस दौरान उनके शरीर मे कई तरह के प्राकृतिक बदलाव होते है। अगर इस दौरान स्वास्थ्य खराब होता है और उनकी अच्छे से देखभाल नही होती तो उनके आगे के जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ता है। राजस्थान के एसएमएस मेडिकल कॉलेज के मनोरोग विशेषज्ञ विभाग से जुड़े डॉ अनिल तांबी के अनुसार किशोरावस्था में होने वाले बदलावों की सही जानकारी ना व अपने स्वास्थ्य एवं शरीर के प्रति पूर्ण जानकारी और सजगता नही होने के कारण रोजाना किशोरी बालिकाओं से संबंधित मानसिक विकार वाले कई केस उनके पास आते हैं। उन्होने कहा कि इसकी असली वजह किशोरियों को इस दिशा में सही शिक्षा नहीं मिलना एक बड़ा कारण होता है। जिसके चलते वह मानसिक अवसाद में चली जाती हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में लगभग 17 लाख से भी अधिक किशोरियां एनीमिया की शिकार हैं। किशोरावस्था के बाद व्यस्क अवस्था मे प्रवेश करने की इस आयु में खून की कमी का शिकार होकर एनिमिक होने से किशोरियों का आगामी जीवन चक्र प्रभावित हो जाता है। इस संबंध में निवाई ब्लॉक के सीडीपीओ बंटी बालोटिया ने बताया कि राजस्थान सरकार के चिकित्सा शिक्षा तथा महिला एवं बाल विकास के सहयोग से हाल ही में एनिमिया मुक्त राजस्थान अभियान के जरिए किशोर किशोरियों व महिलाओं की मृत्यु दर में कमी लाने के लिए अभियान शुरू किया गया है।

इस अभियान का उद्देश्य खून की कमी से होने वाली बीमारियों पर नियंत्रण तथा हीमोग्लोबिन की मात्रा को बनाए रखना है और हर साल 3 फीसदी एनीमिया को कम करना है। इस हेतु सरकारी विद्यालयों में बच्चों को नीली टेबलेट भी दी जाती है। परन्तु कोरोना के चलते वर्तमान समय में किसी आंकड़े पर पहुंचना मुश्किल है। प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ जयपुर की डॉ. आनंदी शर्मा के अनुसार सामान्यतः मासिक धर्म के दौरान 4 से 5 दिनों में 30 से 40 मिलीलीटर तक रक्तस्त्राव होता है।

लेकिन अगर एक मासिक चक्र जिसकी अवधि 24 से 35 दिन हो सकती है, में 80 मिलीलीटर या उससे अधिक रक्तस्त्राव हो तो इस अवस्था को मेनोरेजिया अर्थात अधिक रक्त स्त्राव आना कहते है। इसके कारण लाल रक्त कोशिकाओं में कमी आ जाती है और हीमोग्लोबिन जो कि लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाने वाला प्रोटीन है, जो फेफड़ों से शरीर के अन्य भागों में संचरण का काम करती है, वह प्रभावित होता है, इसी कमी को ही एनीमिया कहा जाता है। उन्होंने कहा कि यह एनीमिया मासिक धर्म के दौरान साफ सफाई का ध्यान न रखने, सेनेटरी नैपकिन के उपयोग की पूरी जानकारी न होने और माहवारी से जुडी भ्रांतियों के कारण तथा बालिकाओं व महिलाओं द्वारा इस विषय पर खुलकर बात न करने के कारण होता है। कई यौन बीमारियों के चलते भी माहवारी के दौरान अधिक रक्तस्त्राव एक कारण होता है।

इस संबंध में निवाई ब्लाक की एक ग्रामीण महिला बिमला जांगडी अपना अनुभव बताती हैं कि मेरी शादी 16 साल की उम्र में हो गई थी और शादी के कुछ समय बाद ही मेरी पहली बेटी का जन्म हो गया। फिर एक साल बाद दूसरी लडकी हो गई। तब तक मेरे माहवारी के समय बहुत अधिक रक्तस्त्राव होने लग गया। मैं बहुत परेशान रहने लगी। जिसके चलते मैने डॉक्टर को दिखाया और उन्होंने बच्चेदानी में संक्रमण बताया और बहुत सारी दवाइयां दे दी। इसी बिमारी को झेलते झेलते मेरे 2 लड़कियां और हो गई। उसके बाद स्थिति ऐसी हुई कि मुझे बच्चेदानी को निकलवाना पड़ा। मुझे यह बीमारी माहवारी के दौरान साफ सफाई में कमी और लापरवाही के कारण हुई है। दूरदराज के क्षेत्रों में तो ग्रामीण किशोरियों को औसत स्तर तक का पोषण नहीं मिल पा रहा है।

स्वास्थ्य अधोसंरचना का विकास व प्रबंधन

बंडारू दत्तात्रेय

कोरोना महामारी का संकट जिस तरह अपना रूप बदल रहा है, उसने चिंता ज्यादा बढ़ा दी है। अपनों को खोने के डर ने हमें दुविधा में डाल दिया है। बेशक सरकारें, विभिन्न एजेंसियां व विभाग अपने-अपने स्तर पर अपनी क्षमताओं के अनुसार प्रभावी तौर पर कार्य कर रहे हैं, लेकिन कभी सुविधाएं तो कभी व्यवस्था की कमी हमें पीछे धकेलती नजर आती है। देश के लिए यह संकट काल है, 'युद्ध' काल है।

अब जो प्रश्न हमारे सामने सबसे ऊपर है, वह है कि कैसे हम पूर्ण रूप से इस वैश्विक महामारी से निपट पाएंगे? हम अपने रोजमर्रा के जीवन व्यवस्था को कैसे पटरी पर ला सकते हैं, क्योंकि अगर यह स्थिति और लंबे समय तक चली तो अर्थव्यवस्था, बेराजगारी, शिक्षा से लेकर विकास का ढांचा तो प्रभावित होगा ही, समाज की नकारात्मकता हमारे मनोबल पर विपरीत असर डाल सकती है। आज बुनियादी ढांचे की जो परिस्थितियां हमारे सामने हैं, उसके लिए हम किसी एक को दोषी नहीं ठहरा सकते हैं। आजादी के 73 वर्षों बाद भी हम स्वास्थ्य सुविधाओं का मजबूत ढांचा ग्रामीण स्तर तक खड़ा नहीं कर पाए। अब समय है जब हमें ग्रामीण क्षेत्रों व जनजातीय एवं पर्वतीय क्षेत्रों की ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य उपकेंद्रों को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। जहां मेडिकल व पेरामेडिकल स्टाफ के साथ-साथ बाकी सुविधाएं बढ़ाई जानी चाहिए। कोरोना काल में यह जरूरी है कि प्रदेश स्तर पर स्वयं इस ओर निर्णय लिए जाएं।

opensearch

आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत के ग्रामीण स्वास्थ्य क्षेत्र में लगभग 2.37 लाख स्वास्थ्य कर्मियों की कमी है, जो भारत में स्वास्थ्य की स्थिति को दर्शाती है। इस समय सबसे अधिक आवश्यकता केंद्र व राज्य सरकारों को मिलकर सहयोग करने की है। यह कोरोना महामारी की दूसरी लहर है। तीसरी लहर के लिए समय रहते अधोसंरचना तैयार होनी चाहिए। कम से कम प्राथमिक स्तर पर ढांचागत विकास जरूरी है।

> **आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत के ग्रामीण स्वास्थ्य क्षेत्र में लगभग 2.37 लाख स्वास्थ्य कर्मियों की कमी है, जो भारत में स्वास्थ्य की स्थिति को दर्शाती है। इस समय सबसे अधिक आवश्यकता केंद्र व राज्य सरकारों को मिलकर सहयोग करने की है। यह कोरोना महामारी की दूसरी लहर है।**

अधोसंचना विकास के लिए सबसे जरूरी है बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र में धन आवंटन को बढ़ाना। अभी तक ज्यादातर प्रदेश सरकारें स्वास्थ्य क्षेत्र में कुल बजट का करीब 3 से 3.5 प्रतिशत बजट व्यय करती हैं। केरल और मेघालय जैसे राज्य बेहतर उदाहरण प्रस्तुत करते हैं जहां करीब-करीब 8 प्रतिशत तक स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए बजट में प्रावधान किया गया है। जब तक सरकारी स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए बजट में लगभग 8-10 प्रतिशत तक का प्रावधान करने की व्यवस्था नहीं की जाती, तब तक बुनियादी सुविधाओं के लिए इसी तरह जूझना पड़ेगा। इस पर केंद्र व राज्य सरकारों को सोचने की आवश्यकता है। वित्त वर्ष 2021-22 के केंद्रीय सरकार के बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 71268.77 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं जो पिछले वर्ष के बजट अनुमानों से लगभग 10 प्रतिशत अधिक है।

वित्त वर्ष 2020 के बजट अनुमान में केंद्र और राज्यों द्वारा कुल बजटीय व्यय 60.72 लाख करोड़ रुपए था। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के संदर्भ में वित्त वर्ष 2020 के बजट में स्वास्थ्य सेवा पर सरकार का खर्च 1.6 प्रतिशत था जो वित्त वर्ष 2019 के मुकाबले 1.5 प्रतिशत छोटी सी वृद्धि का अनुमान है। ऐसा नहीं है कि राज्य सरकारें इस दिशा में सोच नहीं रही हैं। हाल ही में हरियाणा सरकार ने 50 गांवों में आइसोलेशन सेंटर बनाने का निर्णय लिया है। अगर किसी व्यक्ति को आइसोलेशन की जरूरत पड़ती है और उसके घर में जगह नहीं है तो गांव में ही आइसोलेशन सेंटर में ठहराया जाएगा। हरियाणा राज्य के इस मॉडल को अन्य राज्य भी अपना सकते हैं। कोरोना की दूसरी लहर में जहां कई प्रदेश ऑक्सीजन की कमी को झेल रहे थे, वहीं छत्तीसगढ़ राज्य ने कोरोना की प्रथम लहर के दौरान ही इस स्थिति की गंभीरता को समझते हुए 15 नए ऑक्सीजन जेनरेशन प्लांट स्थापित कर कई राज्यों को इसकी आपूर्ति सुनिश्चित बनाई। यह उदाहरण पूरे देश के अन्य राज्यों के लिए भी है। कोरोना के टीकाकरण को व्यवस्थित किए जाने की आवश्यकता है। हमें याद होगा कि कैसे पोलियो अभियान को बिना किसी रुकावट के पूरे देश में सुचारू रूप से कार्यान्वित किया गया था। ठीक वैसी ही व्यवस्था अब भी लागू की जा सकती है। आंगनवाड़ी, आशावर्कर, स्वयं सहायता समूह इत्यादि की भूमिका ग्रामीण क्षेत्रों में काफी अधिक है।

वे टीकाकरण, जांच, दवाई देना और जागरूकता जैसे कार्यों की व्यवस्थाएं अधिक प्रभावशाली तरीके से कर सकती हैं। कोरोना महामारी से बचाव में लॉकडाउन की बंदिशों ने सबसे अधिक प्रभावित प्रवासी मजदूरों, गरीब व छोटे व्यापारियों को किया है। आज तत्काल जरूरत इस बात की है कि उन्हें खाद्यान्न, जरूरी चीजों के अलावा राहत राशि मिलनी चाहिए ताकि वे अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा कर सकें।

कोरोना महामारी के खिलाफ टीका ही सुरक्षा का सबसे मजबूत हथियार बना है। हम अपने वैज्ञानिकों का अभिनंदन करते हैं, विशेषकर भारत बायोटेक और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के वैज्ञानिक, जिन्होंने दिन-रात शोध कर एक साल के भीतर वैक्सीन को तैयार किया ताकि दवा निर्माण के क्षेत्र में देश की छवि को और निखारा जा सके। इन कंपनियों द्वारा विकसित वैक्सीन के उत्पादन को बढ़ाने के लिए इनकी मल्टीलैब को विस्तार देने की आवश्यकता है। देश में टीकारण अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। कोरोना से मुकाबले के लिए सरकार इस साल के अंत तक पूरी आबादी का टीकाकरण करना चाहती है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। हमें कुछ बातों पर विशेष ध्यान देना है, जैसे वायरस को फैलने नहीं देना है। सरकारों को जितनी पाबंदियां लगानी पड़े, लगाए ताकि लोगों की कीमती जानें बचाई जा सकें। दो, लॉकडाउन को मानव दृष्टि से लगाया जाना चाहिए। इसमें मानवीय पहलू होना चाहिए।

तीन, गरीब व प्रवासी मजदूरों के लिए सामाजिक सुरक्षा पर ध्यान दिया जाना चाहिए। चार, मास्क पहनें, उचित दूरी रखें और हाथों को सेनेटाइज करते रहें। ग्रामीण स्तर तक स्वास्थ्य का बुनियादी ढांचा मजबूत करने, टीकाकरण को बढ़ाने, स्वास्थ्य परीक्षण पर जोर तथा आइसोलेशन से आईसीयू तक के गोल्डन पीरियड को कैसे संभाल कर रखना है, इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। इस महामारी से निपटने के लिए हमें मिलकर कार्य करना है। आपसी सहयोग, समन्वय और योगदान से ही हम इस महामारी पर विजय प्राप्त कर सकते हैं।

पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य कर रहे लोगों के लिए पथ प्रदर्शक है नारदीय दृष्टि

डॉ. पवन सिंह मलिक

आज पूरा विश्व भारत की ओर आशा भरी नजरों से देख रहा है, क्योंकि भारत ही विश्व को सही दिशा और दशा देने की क्षमता रखता है। ऐसे में लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ होने के कारण मीडिया जगत की भूमिका और अधिक बढ़ जाती है कि विश्व के समक्ष अपने राष्ट्र की कैसी तस्वीर प्रस्तुत की जाए। भारत हमेशा से ही ज्ञान आराधक राष्ट्र रहा है। भारत की ज्ञान परंपरा औरों से विशेष इसलिए है क्योंकि यह केवल हमारे बाहर मौजूद लौकिक (मटेरियल) ज्ञान को ही महत्वपूर्ण नहीं मानती बल्कि आत्म-चिंतन द्वारा प्राप्त भीतर के ज्ञान को भी समान महत्व देती है।

हमारे ऋषि-मुनियों ने हजारों वर्ष पूर्व इन दोनों ही प्रकार के ज्ञान को कड़ी साधना से अर्जित कर ग्रंथों के रूप में मानव समाज के लिए प्रस्तुत किया। आज चाहे योग की बात हो, विज्ञान की या फिर गणित की, पूरी दुनिया ने भारतीय ज्ञान से कुछ न कुछ लिया है। इस प्रकार हम एक श्रेष्ठ ज्ञान परंपरा के उत्तराधिकारी हैं। ऐसे में नारद जयंती का दिन भारतीय पत्रकारिता में निहित मूल्यों के मूल्यांकन व आगे की राह तय करने का दिन है। महर्षि नारद मुनि पत्रकारों के प्रेरणास्रोत हैं। महर्षि नारद मुनि देव व दानव सभी के मध्य सूचनाओं का आदान-प्रदान बिना किसी स्वार्थ के लोकहित को ध्यान में रखकर किया करते थे। आज भी पत्रकारों को उनके पदचिन्हों पर चलकर मूल्य आधारित व शुद्ध पत्रकारिता निर्भयता के साथ करनी चाहिए। मीडिया से समाज की बहुत अपेक्षाएं रहती हैं इसलिए मीडिया पर भारी नैतिक दबाव भी रहता है, जिसे पूरा करने का प्रयास मीडिया करता ही है।

भारत में सदैव लोकहित में संवाद करना यही मीडिया की परंपरा रही है। समाचारों में मुद्दों पर सामूहिक चेतना का प्रचलन बढ़ा है, परन्तु व्यावसायिक पत्रकारिता के कारण वैचारिक पत्रकारिता में कमी आयी है, जो कि युवा शक्ति के लिए शुभ नहीं है। मनोरंजन को प्रमुखता दे कर समाज को दिशा भ्रमित भी किया जा रहा है। पत्रकारिता लोकहित व राष्ट्रहित को ध्यान में रखकर की जानी चाहिए, यही पत्रकारिता का धर्म भी है। आज देश की जी.डी.पी. तो बढ़ी है परन्तु मानव विकास एवं सामाजिक सरोकार घट रहा है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की विषय वस्तु में सुधार करना तथा जनता के प्रति जवाबदेह बनाना यह आज समय की आवश्यकता व

अनिवार्यता है। आज इंटरनेट मीडिया के कारण पत्रकारिता का विस्तार भी हो रहा है। भारत में इंटरनेट मीडिया का एक बड़ा बाजार है जिसके कारण इस मीडिया पर परोसा जाने वाला कंटेंट एक बड़े वर्ग को प्रभावित करता है।

यह सब ओर अधिक चिंताजनक हो जाता है जब हमें पता है कि डिजिटल मीडिया में विदेशी निवेश की भागीदारी यहां के विचार, आचार व व्यवहार को किस हद तक प्रभावित करती है। ऐसे में भारत केंद्रित पत्रकारिता की सीमाओं को तय करना होगा, ताकि इस बेलगाम होते डिजिटल मीडिया को भी सही दिशा दी जा सके। मीडिया का कार्य मुख्यतः सूचना संचार की व्यवस्था करना है। संचार व्यवस्था के माध्यम बदलने से उसके प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, वेब, सोशल मीडिया आदि अनेक प्रकार हुए हैं। प्राचीन काल में सूचना, संवाद, संचार व्यवस्था मुख्यतः मौखिक ही होती थी और मेले, तीर्थयात्रा, यज्ञादि कार्यक्रमों के निमित्त लोग जब इकट्ठे होते थे तो सूचनाओं का आदान-प्रदान करते थे। देवर्षि नारद भी सतत् सर्वत्र संचार करते हुए अलग-अलग जगह के वर्तमान एवं भूत की सूचनाएं लोगों तक पहुंचाते थे। वे अच्छे भविष्यवेत्ता भी थे। इसलिए भूत और वर्तमान के साथ-साथ कभी-कभी वे भविष्य की सूचनाओं से भी लोगों को अवगत कराते थे। यह कार्य वे निरपेक्ष भाव से लोकहित में एवं धर्म की स्थापना के लिए ही करते थे। एक आदर्श पत्रकार के नाते उनका तीनों लोक (देव, मानव, दानव) में समान सहज संचार था। पत्रकारिता में नारदीय दृष्टि मीडिया से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक पथ प्रदर्शक का मार्ग प्रशस्त करती है।

क्योंकि हमें पता है कि न्यूज में व्यूज का समावेश करने से पत्रकारिता एजेंडे में बदल जाती है, इसलिए पत्रकार केवल समाचार दें और पक्षकार न बनें और समाचार देते समय समाचार की सत्यता की भी जांच करें। समाज भी पत्रकार से अपेक्षा करता है कि वो 'पत्रकार बनें, पक्षकार नहीं'। पत्रकार समाज का दर्पण है। पत्रकार का प्रमुख कार्य समाज की समस्याओं को उजागर करना है।

आज के युग में पत्रकारिता की जिम्मेदारी और प्रासंगिकता बहुत बढ़ गई है क्योंकि पत्रकार समाज की दिशा तय करने की ताकत रखता है। मीडिया ही देश की छवि विश्व के सामने रखता है। मीडिया को निष्पक्ष रहकर कार्य करना चाहिए। पत्रकार अपनी लेखनी से समाज की दशा और दिशा बदलने की ताकत रखता है। प्रत्येक पत्रकार अपनी कलम से किसी न किसी रूप में समाज की सेवा करता है। नारद मुनि पत्रकारिता के पितामह थे, जिन्होंने समाज में संवाद का कार्य शुरू किया था। नारद के पास श्रुति स्मृति थी। आजादी से पहले और अब की पत्रकारिता में काफी बदलाव देखने को मिल रहा है।

आजादी से पहले अधिकतर पत्रकारों, संपादकों ने देश को आजाद करवाने के लिए लेख लिखे। जिस जनून के साथ उन्होंने काम किया उनकी पत्रकारिता रंग लाई और लोगों में जागृति आने के अलावा भारत आजाद भी हुआ लेकिन वर्तमान में कुछ कॉरपोरेट घरानों के हाथ पत्रकारिता का सिस्टम आने के बाद इसमें काफी बदलाव आया है।

पत्रकारिता के लिए व्यवसाय करना तो ठीक है, लेकिन व्यवसाय के लिए पत्रकारिता करना उचित नहीं है। आज भी बहुसंख्यक पत्रकारों के लिए पत्रकारिता शौक या रोजी-रोटी का जरिया न होकर स्वप्रेरित कार्य ही है। कोरोना संकट के दौरान जिस प्रकार की भूमिका पत्रकार निभा रहे हैं, वह उसी प्रेरणा व संकल्प के कारण है। आज कोरोना काल की संकट घड़ी में भी पत्रकार अपनी जान हथेली पर रखकर रिपोर्टिंग कर रहे हैं और देश दुनिया के समाचार हम तक पहुंचा रहे हैं। समाज पत्रकारों का सदैव ऋणी रहेगा। इसलिए पत्रकारिता की पवित्रता एवं विश्वसनीयता सदैव निष्कलंक रहनी चाहिए। वैश्विक स्तर पर नारद सही मायनों में लोक संचारक थे। जिनके प्रत्येक संवाद की परिणति लोक कल्याण पर आधारित थी। जो औपचारिक मान्यता न होने पर भी सर्वत्र सूचना प्राप्त व प्रदान करने के लिए स्वीकार्य थे, जिनकी विश्वसनीयता पर कभी कोई संदेह नहीं रहा। इसलिए आज नारद जयंती पर मीडिया में भारत केंद्रित दृष्टि को संकल्पित करने का दिन है।

अव्यवस्था, गड़बड़ियों, खामियों को उजागर करने के साथ-साथ सूचना के माध्यम से समाज का प्रबोधन, जागरण करते हुए समाज को ठीक दिशा में ले जाना, समाज की विचार प्रक्रिया को सही दिशा देना यह भी मीडिया का कर्तव्य है। मीडिया को आज अपनी इस भूमिका का निर्वहन करना ही चाहिए। यही समाज व देश की आवश्यकता है और पत्रकारिता में यही नारदीय दृष्टि मीडिया के स्वर्णिम भविष्य को तय भी करेगी।

(लेखक जे.सी. बोस विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के मीडिया विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर हैं)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-27380260 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com

एक नज़र

ईओ के के भड़ाना की सक्रियता से कई वार्डो को टच नहीं कर सका कोरोना वायरस

अधिशासी अधिकारी कृष्ण कुमार भड़ाना ने मौके पर पहुंचकर लिया जायजा और दिए महत्वपूर्ण दिशा निर्देश

ओपन सर्च ब्यूरो

गाजियाबाद। खोड़ा-मकनपुर नगरपालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी कृष्ण कुमार भड़ाना द्वारा समय पर कोरोना वायरस के प्रसार को आंकने और ततपरता पूर्वक वायरस निरोधक उपायों के प्रति जुट जाने का ही यह तकाजा है कि कोविड 19 की द्वितीय भयावह लहर के दौरान भी नगर पालिका परिषद खोड़ा मकनपुर के 10 वार्ड ऐसे रहे, जिनमें कोरोना का एक भी केस डिटेक्ट नहीं हुआ। इससे उत्साहित अधिशासी अधिकारी कृष्ण कुमार भडाना ने उक्त सभी वार्डो का स्थलीय निरीक्षण किया और स्थानीय निवासियों से वार्ता करके यह रणनीति तैयार की, कि आगे कैसे इन वार्डो को कोरोना मुक्त और ग्रीन वार्ड बनाए रखा जाए। उन्होंने सभी से इस बारे में जानने की और अपनी ओर से महत्वपूर्ण टिप्स बताने की कवायद की कि निकट भविष्य में और क्या क्या सावधानियां बरती जाए,ताकि यह उपलब्धि बरकरार रहे। उन्होंने उनके बारे में विस्तार से नागरिकों को अवगत कराया और उनसे स्वैच्छिक सामुदायिक कटेंनमेंट योजना को स्वयं से लागू करने का अनुरोध किया, ताकि इस महामारी से अपने वार्ड को बचाया जा सके। ईओ श्री भड़ाना के साथ स्थलीय निरीक्षण के दौरान सफ़ाई निरीक्षक संजीव कुमार को इस योजना को लागू कराने के साथ साथ क्या क्या कार्रवाइयां की जानी है, इस संबंध में विस्तार पूर्वक दिशा निर्देश दिए गये।

चलती कार में लगी आग, चालक व साथी ने कूदकर बचाई जान

कानपुर (एजेंसी)। बर्रा थाना क्षेत्र में चलती कार में अचानक आग लग गई। धुआं निकलते देख चालक व उसका साथी गाड़ी को बीच सड़क खड़ी कर जान बचाने के लिए कूद गए। इस बीच आग देख पेट्रोल पम्प से अग्निशमन यंत्र लाकर आग पर काबू पाया गया।

बर्रा के सचान चौराहे पर स्थित एचपी पेट्रोल पम्प के सामने जा रही ओमनी कार में अचानक धुआं निकलने लगा। चलती कार में आग का धुआं देख चालक व अगली सीट पर बैठे साथी बिना समय गवांए गाड़ी को सड़क पर खड़ा कर कूद गए। कार में लगी आग देख चौराहे पर वाहनों व पैदल सवार लोगों में हड़कम्प मच गया।

इस बीच आग देख पेट्रोल पम्प कर्मियों ने अग्निशमन यंत्र से कार में लगी आग को बुझाया। बर्रा इंस्पेक्टर हरमीत सिंह ने बताया कि चलती कार में आग लगने की सूचना मिली थी। आग से चालक व उसके साथ ने कूद गए थे जिससे कोई जनहानि नहीं हुई है। कार में लगी आग को भी समय रहते बुझा लिया गया था।

करंट लगने से किशोर की मौत

सरायकेला (एजेंसी)। जिले के सरायकेला थाना क्षेत्र अंतर्गत पांड्रा पंचायत के लुपुंग गांव में 33 हजार बिजली के तार की चपेट में आने से 17 वर्षीय गोमा उमंग की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक गोमा उमंग विरामचंद्रपुर का रहनेवाला था। वह अपने ननिहाल लूपुंग आया था। वह पत्ता तोड़ने के लिए अपने दरवाजे पर स्थित कटहल के पेड़ पर चढ़ा, जिससे पेड़ के ऊपर से गुजर रहे 33 हजार वोल्ट की विद्युत तार की चपेट वह आ गया और उसका शव पेड़ पर ही लटक गया।

इस घटना के बाद परिजनों तथा ग्रामीणों में अफ़रा-तफ़री मच गई। उसे बचाने का प्रयास करता है इससे पहले ही कुछ ही देर में गोमा की मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर सरायकेला थाना प्रभारी मनोहर कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। तत्पश्चात विद्युत आपूर्ति बंद कराने के बाद एक घंटे के मशक्कत के बाद रस्सी के सहारे उसके शव को नीचे उतारा गया। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच में जुट गई है। गौरतलब है कि मृतक तीन भाईयों में सबसे छोटा था।

करीब एक वर्ष पूर्व उसके बड़े भाई की भी जिले के दुगनी में एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। इस तरह बारी-बारी से हादसे में दो भाई इस दुनिया से विदा हो गए। उसकी मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ननिहाल के लोग यह सोचकर सदमे में हैं कि उनके ऊपर नाती की मौत का कलंक लग गया। अगर वह बकरी को खिलाने के लिए पत्ता तोडने पेड पर नहीं चढता तो शायद उसकी मौत नहीं होती। बहरहाल, पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के हवाले किया जाएगा। उसके बाद दाह-संस्कार होगा।

केजीएमयू से निकाले गए संविदा कर्मियों ने बारिश में भीगते जारी रखा प्रदर्शन

लखनऊ (एजेंसी)। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के प्रशासनिक भवन के बाहर निकाले गए संविदा कर्मियों ने आज भी प्रदर्शन किया। बारिश में भीगते हुए प्रदर्शन कर रहे संविदा कर्मियों ने कुलपति, कुलसचिव और कार्यरत एजेंसियों पर आरोप लगाया कि वे उनके साथ अन्याय कर रहे हैं। लखनऊ में आज झमाझम बारिश हुई तो वही बारिश में भीगते हुए केजीएमयू से निकाले गए संविदा कर्मियों ने प्रदर्शन जारी रखा।

संविदा कर्मियों ने प्रदर्शन के दौरान कहा कि केजीएमयू प्रशासन उनके साथ अन्याय कर रहा है और उन्हें रखने वाली कार्यदायी एजेंसियों ने उनसे काम दिलाने के नाम पर मोटी रकम ली है। निकाली गई संविदा कर्मी अम्रता सिंह ने कहा कि 73 ऐसे संविदा कर्मी है, जिनसे कार्यदायी एजेंसियों ने रुपए लेकर नौकरी दिलाई थी।

और मात्र एक माह बाद ही उन्हें निकाल दिया गया। निकाले गए संविदा कर्मियों के प्रदर्शन को देखते हुए सुरक्षाकर्मियों ने प्रशासनिक भवन को घेर लिया और चौक थाना से आई पुलिस टीम ने उनसे वार्ता की। इस दौरान पुलिस अधिकारी ने एजेंसियों के विरुद्ध प्राथमिकी लिखने की बात की, लेकिन संविदा कर्मी नहीं माने।

मोदी सरकार के सात वर्ष पूरे होने पर भाजपाइयों ने किया रक्तदान

कासगंज (एजेंसी)। केंद्र में सत्तारूढ़ मोदी सरकार के सफ़लतम सात वर्ष शुक्रवार को पूर्ण हो गए हैं। इस उपलक्ष में भारतीय जनता पार्टी के महिला प्रकोष्ठ की ओर से कार्यालय पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर से वार्ता करते हुए शिविर में रक्तदान किया है। महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजिका डॉ मिथिलेश कुमारी राणा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सफ़लतम सात वर्ष पूर्ण होने पर भाजपाई खासे उत्साहित हैं। भले ही इन दिनों कोरोना काल के चलते माहौल उचित नहीं है। इसलिए पार्टी स्तर पर किसी तरह की ख़ुशी जाहिर नहीं की जा रही है। जबकि समाज सेवा की दिशा में एक पहल करते हुए रक्तदान किया जा रहा है। पार्टी के जिलाध्यक्ष के. पी. सिंह ने महिला प्रकोष्ठ के इस कार्य की सराहना की। उपाध्यक्ष नीरज शर्मा ने कहा कि कोविड से पूरा देश जूझ रहा है। सरकारे इस महामारी से जुझने के लिए पूरी तहत तत्पर हैं। अब हालातों में कुछ सुधार होने जा रहा है। सरकार ने सात वर्ष पूर्ण किए हैं। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बधाई के पात्र हैं। नगर अध्यक्ष शरद गुप्ता ने सरकार की सात वर्ष की सफ़लता के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं एवं शीर्ष नेतृत्व को बधाई दी है।स्वास्थ्य विभाग के सीएमएस डॉ. राजकिशोर ने बताया कि शिविर के दौरान कई कार्यकर्ताओं ने अपना रक्तदान किया है।

ग्राम पंचायतों में विकास कार्य की जिम्मेदारी प्रधान व सदस्य की होती है : जिलाधिकारी

नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों से जिलाधिकारी ने वर्चुअल बैठक के माध्यम से किया सीधा संवाद

समस्त नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों को चुने जाने पर दी बधाई

ओपन सर्च ब्यूरो

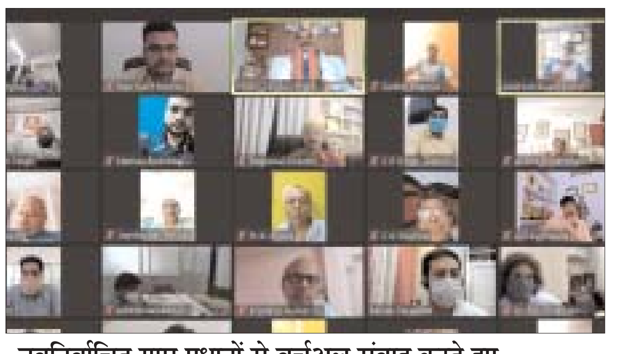

नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों से वर्चुअल संवाद करते हुए जिलाधिकारी डॉ अजय शंकर पांडेय।

गाजियाबाद। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने शुक्रवार को जनपद के नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों से वर्चुअल बैठक के माध्यम से सीधा संवाद किया। उन्होंने नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों के चुने जाने पर उनको बधाई देते हुए ग्रामों में चल रहे विकास कार्यो को ससमय पूर्ण कराने को कहा।

जिलाधिकारी ने सभी नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों से कहा कि ग्राम पंचायतों में विकास कार्य की जिम्मेदारी ग्राम प्रधान और सदस्यों की होती है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि वह अपने-अपने ग्राम वासियों एवं पूर्व ग्राम प्रधानों को भी साथ लेकर विकास कार्यों में सबका सहयोग अवश्य लें, ताकि गांव में विकास तेजी से कराया जा सके। अपने संवाद में जिलाधिकारी ने नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों से आह्वान किया कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप ग्राम के प्रत्येक नागरिक को सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ पहुंचाएं।

उन्होंने नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों को ग्राम पंचायत की समितियां और उनके कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक गांव में नियोजन एवं विकास समिति होती है जिसका कार्य ग्राम पंचायत की योजना का निर्माण करना होता है। इसे स्पष्ट करते हुए उन्होंने बताया कि कृषि, पशुपालन और ग़रीबी उन्मूलन कार्यक्रमों का संचालन करना, निर्माण कार्य समिति जिसका कार्य समस्त निर्माण कार्य करना तथा गुणवत्ता निश्चित करना, शिक्षा समिति जिसका कार्य प्राथमिक शिक्षा, उच्च प्राथमिक शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा तथा साक्षरता आदि सम्बंधी कार्यो को देखना, प्रशासनिक समिति का कार्य ग्राम में कराए जा रहे कार्यों की कमियों-खामियों को देखना, स्वास्थ्य एवं कल्याण समिति का कार्य चिकित्सा स्वास्थ्य, परिवार कल्याण सम्बंधी कार्य और समाज कल्याण योजनाओं का संचालन, अनुसूचित जाति-जनजाति तथा पिछड़े वर्ग की उन्नति एवं संरक्षण एवं जल प्रबंधन समिति का कार्य राजकीय नलकूपों का संचालन पेयजल सम्बंधी कार्य को देखना होता है। जिलाधिकारी ने नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों से अपील करते हुए कहा कि अपने संबंधित हेल्थ केयर सेंटर पर रंगाई-पुताई व मरम्मत का निर्माण कार्य शीघ्र करा लें, ताकि स्वास्थ्य संबंधी उपकरणों को हेल्थ केयर सेंटर पर उपलब्ध कराया जा सके।

जिससे गांव में यदि कोई बीमार होता है तो उसे प्राथमिक उपचार गांव के अंदर ही मिल सके। उन्होंने कहा कि जो गांव कोरोना मुक्त है, उन गांव में कोरोना जैसी बीमारी न फैले, इसको लेकर ग्राम प्रधान निगरानी समितियों के माध्यम से सजगता से कार्य कराए एवं उनकी प्रतिदिन की कार्रवाई रजिस्टर में दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि यदि कोई बाहरी व्यक्ति गांव में प्रवेश करता है तो पहले उसका कोरोना टेस्ट कराया जाए, पॉजिटिव आने पर उसको पंचायत भवन में बनाए गए आइसोलेशन सेंटर में रखा जाए एवं उसकी रिपोर्ट नेगेटिव आने पर ही उसको गांव में प्रवेश की अनुमति दी जाए।

नगर आयुक्त के सैनीटाइजेशन व फॉगिंग अभियान से नियंत्रित हुआ कोरोना का कहर

अंजली चौधरी/ओपन सर्च ब्यूरो

गाजियाबाद। जनपद7 मुख्यालय में कोरोना संक्रमण को नियंत्रित रखने में नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर एवं उनकी ऊर्जावान टीम की बहुत बड़ी भूमिका है। इसे समझते हुए ही जनपद के कोविड नोडल प्रभारी सेंथिल पांडियन सी ने नगर आयुक्त को ऑक्सीजन नोडल अधिकारी के अलावा दवा वितरण व हॉस्पिटल पर्यवेक्षण सम्बन्धी भी कार्य सौंपा था। इन सभी कार्यो को अपनी टीम के माध्यम से बखूबी निभाते हुए नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने यह साबित कर दिया कि अधिकारी यदि ठान लें, तो मुश्किल जनसुविधाओं को भी शीघ्रता पूर्वक जरूरतमंदों को उपलब्ध करवाया जा सकता है। खास बात यह कि तमाम अतिरिक्त जिम्मेदारी के निर्वहन के साथ नगर निगम गाजियाबाद द्वारा शहर के पांचों जोनों में लगातार सैनिटाइजेशन तथा फागिंग का कार्य किया जा रहा है और इस कार्य की मॉनिटरिंग के लिए निगम के स्वास्थ्य प्रहरी दिन-रात डटे हुए हैं। नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर के निर्देश के क्रम में नोडल प्रभारी शिवपूजन यादव, अपर नगर आयुक्त इसे काफी गम्भीरता पूर्वक ले रहे हैं और शहर का कोई कोना नहीं छोड़ा जा रहा है, ताकि वायरस को छिपने का मौका मिले। नगर आयुक्त महेंद्र सिंह ने बताया कि पूरी महामारी के दौरान नियमित रूप से सैनीटाइजेशन व फॉगिंग का कार्य करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गुरुवार को भी शहर के 281 क्षेत्रों में सैनिटाइजेशन का कार्य कराया गया। वहीं, पांचों जोनों में सफाई नायकों द्वारा अपनी अपनी टीम के

साथ प्रातः सैनिटाइजेशन तथा शाम को फागिंग की कार्यवाही कराई जाती है। स्थानीय निगम पार्षद के द्वारा बताए हुए जगहों पर भी ये कार्य रूटीन के अलावा कराए जा रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने हेतु गाजियाबाद नगर निगम द्वारा शहरवासियों का हर कदम पर साथ दिया गया है, जिससे शहर में कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या अपेक्षा कृत कम दिखाई दे रही है। क्षेत्रीय पार्षद व आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों द्वारा भी गाजियाबाद नगर निगम टीम को धन्यवाद प्रेषित किया जा रहा है

निगम पार्षद मनोज गोयल जरूरतमंद लोगों को पहुंचाते हैं ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर व ऑक्सीजन सिलिंडर

ओपन सर्च ब्यूरो

जरूरतमंद लोगों को ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर प्रदान करते हुए निगम पार्षद मनोज गोयल, साथ में हैं शोभा रानी बरनवाल।

opensearch

गाजियाबाद। वार्ड नम्बर 72 के पार्षद मनोज गोयल के द्वारा शुक्रवार को कौशाम्बी स्थित जयपुरिया एनक्लेव सोसायटी तथा वैशाली सेक्टर-1 कामना में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर तथा ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराए गए।

इस सम्बन्ध में जयपुरिया एंक्लेव सोसाइटी की जनरल सेक्रेटरी शोभा रानी बरनवाल ने बताया कि हमारे यहां पर एक महिला जो अस्पताल से घर आई है, उन्हें ऑक्सीजन की आवश्यकता है। इस पर पार्षद मनोज गोयल ने उन्हें तुरंत ऑक्सीजन कंसंट्रेटर उपलब्ध करवाया।

इसके अलावा सेक्टर 1 वैशाली कामना में एक महिला का ऑक्सीजन लेवल डाउन हो गया था। उनको ऑक्सीजन सिलेंडर दिया गया। पार्षद मनोज गोयल ने बताया कि मानव सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। इसी नीति के तहत यह अभियान उनके द्वारा चलाया जा रहा है। इस अवसर पर समाजसेवी एस आर सिंह, भाजपा नेता अवधेश कटिहार, मुकुल गुप्ता, नवीन उप्पल, पूजा मेहरा आदि उपस्थित रहे।

यूपी कम होने लगे नए सक्रमित, 24 घंटे में 2402 नए कोविड संक्रमित केस और 159 की मौत

लखनऊ (एजेंसी)। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण की सेकेंड स्ट्रेन के खिलाफ सरकार के बड़े अभियान तथा लोगों की जागरूकता का बड़ा असर सामने आने लगा है।

प्रदेश में पहले जहां एक दिन यानी 24 घंटे में 30 हजार से भी अधिक नए संक्रमित मिल रहे थे, अब यह संख्या 2402 पर सिमट गई है। प्रदेश में पिछले 24 घंटे में तीन लाख 58,407 लोगों का टेस्ट किया गया।

जिसमें कोविड संक्रमण के 2,402 नए मामले सामने आए हैं। वहीं यानी 24 घंटे में 8,145 लोग इसके कहर से उबरे हैं। प्रदेश में अब सक्रिय केस की संख्या 52,244 है, जो कि कभी तीन लाख से ऊपर थी। प्रदेश में अब कोरोना वायरस संक्रमण की रिकवरी दर बढ़कर 95.70 प्रतिशत हो गई है। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि 24 घंटे में 159 लोगों की मृत्यु हुई। प्रदेश में 3,58,407 कोविड टेस्ट किए गए। 24 घंटे में कोरोना के 2402 नए केस मिले हैं। लखनऊ में 172 नए संक्रमित सामने आए हैं तो नौ लोगों की मौत हुई है।

मेरठ में 121 तथा आगरा में 21 नए संक्रमित मिले हैं। आगरा में 12 तो मेरठ में दस लोगों ने दम तोड़ा है। अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में अब तक 1,39,48,710 लोगों को वैक्सीन की पहली डोज लगाई जा चुकी है। इसके साथ ही 34,06,590 लोगों को वैक्सीन की दूसरी डोज भी दी गई है। अब तक कुल मिलाकर 1,73,55,300 डोज दी गई है। सूबे में एक जून से वैक्सीनेशन का बड़ा अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ब्लैक फंगस से भी सख्ती से निपट रही है। सभी मेडिकल कॉलेज में ब्लैक फंगस का इलाज किया जा रहा है।

पुलिस कर्मी भी तेजी से उबरे अपर पुलिस महानिदेशक कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण के दौर में ड्यूटी करने के दौरान संक्रमित होने वाले पुलिस के अधिकारी तथा जवान भी तेजी से उबर रहे हैं। अब विभाग के 342 व्यक्ति ही संक्रमित बचे हैं।

इसी बीच 20,000 से अधिक कर्मी स्वस्थ हुए हैं। प्रशांत कुमार ने बताया कि कोविड के दौरान अपना योगदान देते हुए हमारे कुछ साथियों की जान गई। फील्ड के सभी यूनिट को निर्देश दिए गए हैं कि जिन पुलिसकर्मियों की मृत्यु हुई है उनको मिलने वाली अनुदान राशि को शीघ्र ही पूरा करें।

नगर निगम की तकनीकी समिति ने पकड़ी अनियमितताएं

नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों से जिलाधिकारी ने वर्चुअल बैठक के माध्यम से किया सीधा संवाद

समस्त नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों को चुने जाने पर दी बधाई

अंजली चौधरी.ओपन सर्च ब्यूरो

गाजियाबाद। नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर के निर्देश पर गाजियाबाद नगर निगम के मुख्य अभियंता मोइनुद्दीन तथा महाप्रबंधक जल योगेश श्रीवास्तव द्वारा इलेक्ट्रिक बस चार्जिंग स्टेशन का औचक निरीक्षण शुक्रवार को किया गया। बता दें कि उत्तर प्रदेश जल निगम की सीएनडीएस इकाई द्वारा इलेक्ट्रिक बस चार्जिंग स्टेशन का निर्माण कार्य किया जा रहा है, जिसके दौरान गाजियाबाद नगर निगम की तकनीकी समिति से मुख्य अभियंता निर्माण एवं महाप्रबंधक जल द्वारा निर्माण कार्यों का जायजा लिया गया और तकनीकी समिति द्वारा कार्य की गुणवत्ता में असंतोष प्रकट किया है। बताया जाता है कि निर्माणाधीन इलेक्ट्रिक सबस्टेशन के दो कॉलम एवं ट्रांसफार्मर यार्ड के दो कॉलम की गुणवत्ता पर आपत्ति प्रकट की गई। इसी के साथ साथ स्थानों पर ब्रिक वर्क के वर्क मैनशिप पर भी असंतुष्ट दिखाई दिए।

वहीं, मुख्य अभियंता निर्माण मोइनुद्दीन द्वारा बताया गया कि परिसर हेतु निर्मित बाउंड्री वॉल के एक्सपेशन जॉइंट पर भी कुछ स्थानों पर टॉप बैंड कॉस्ट किए गए हैं, जबकि एक्सपेंशन ज्वाइंट पूर्ण से फ्री होना चाहिए जिसके लिए निर्देशित किया गया। गौरतलब है कि तकनीकी समिति द्वारा कॉलम गुणवत्ता सही ना होने पर तत्काल ध्वस्त किए जाने के आदेश दिए गए तथा जहां-जहां ब्रिक वर्क में वर्कमैनशिप की कमी उजागर हो रही है, उसे तत्काल ठीक कराने के लिए निर्देशित किया गया।

साथ ही निर्मित बाउंड्रीवॉल के एक्सपेंशन ज्वाइंट में जहां-जहां टॉप बैंड आ रहा है, उसे तत्काल तोड़ने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त कार्य हेतु 7 दिन का समय उत्तर प्रदेश जल निगम को दिया गया तथा सात दिवस में अगर कार्य नहीं पूर्ण होता है तो आगामी कार्यवाही के लिए सचेत किया गया। वहीं, तकनीकी समिति द्वारा कांट्रेक्टर के खिलाफ कार्यवाही करने के लिए भी चेतावनी दी गई।

इंटरमीडिएट परीक्षा भी होगी रद!, यूपी बोर्ड के इस आदेश से कायासबाजी तेज

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में फैले कोरोना संक्रमण के कारण अभी तक उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाएं नहीं हो सकी हैं।

स्टूडेंट्स के सामने परीक्षाओं को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। हालांकि उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा है कि यूपी बोर्ड की वर्ष 2021 की परीक्षा की सभी तैयारियां पहले से पूरी की जा चुकी हैं। केंद्र सरकार जिस तारीख से परीक्षा कराए जाने के बारे में सुझाव देगी, यूपी बोर्ड परीक्षा का आयोजन कराकर एक माह के अंदर परीक्षा परिणाम घोषित कर देगा। लेकिन, इस बीच यूपी बोर्ड के एक और आदेश ऊहापोह की स्थिति पैदा कर दी है। यूपी बोर्ड सचिव दिव्यकांत शुक्ल ने कक्षा 12 की फरवरी में हुई प्रीबोर्ड परीक्षा का रिकॉर्ड मांगा है। इंटरमीडिएट के सभी संस्थागत व व्यक्तिगत परीक्षार्थियों की कक्षा 11 की छमाही व वार्षिक परीक्षा का पूर्णांक व प्राप्तांक मांगा गया है। इसी तरह से कृषि भाग एक के परीक्षार्थियों का कक्षा 11 की छमाही के अंक मांगे गए हैं। बोर्ड सचिव ने सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों से 28 मई की शाम तक वेबसाइट पर अंक अपलोड करने का निर्देश दिया है।

अलीगढ़ शराबकांड : आठ लोगों ने गंवाई जान मुख्यमंत्री ने जांच के दिए आदेश

करसुआ में छह लोगों के अलावा छेरत इलाके में भी शराब पीने से लोगों की गई जान

मुख्यमंत्री ने कहा, दोषियों की सम्पत्ति नीलाम कर मृतकों के परिजनों के मुआवजे में दी जाए धनराशि

अलीगढ़ (एजेंसी)। उप्र के अलीगढ़ जिले में लोधा थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव करसुआ में शराब पीने से छह की मौत हो गई है। जबकि सात अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। वहीं छेरत इलाके में भी शराब पीने से बिगड़ती तबीयत के बाद दो लोगों की मौत की बात सामने आई है।

यहां एक की हालत गम्भीर बनी हुई है। जनपद में शराब पीने से आठ लोगों की मौत से जिला व पुलिस प्रशासन में खलबली मच गई है। उधर, मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ा संज्ञान लेते हुए उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने मामले में दोषियों पर रासुका की कार्यवाही किए जाने की बात अफ़सरों से कही है। बता दें कि, अलीगढ़ जनपद के लोधा थानाक्षेत्र में करसुआ गांव में स्थित ठेके से ग्रामीणों ने गुरुवार को शराब ली। बताया जाता है कि शराब पीने से डेढ़ दर्जन लोगों की तबीयत बिगड़ गई और शुक्रवार सुबह तक एक-एक कर छह लोगों की मौत हो गई। जबकि सात लोगों को गम्भीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और हंगामा काटा। मामले की सूचना मिलते ही जिला व पुलिस प्रशासन में हड़कम्प मच गया। प्रकरण की गम्भीरता को देख जिलाधिकारी चन्द्र भूषण सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी के अलावा एसपी सिटी, एसपी देहात सहित भारी संख्या में पुलिस फोर्स घटना स्थल पर पहुंच गए और ग्रामीणों से पूरे मामले की जानकारी की। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और ग्रामीणों ने शांत कराते हुए कड़ी कार्यवाही का आश्वासन दिया। जिलाधिकारी ने बताया कि अभी सात लोगों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पूंछतांछ के आधार पर प्रथमदृष्ट्या शराब ठेके को सील कर जांच में अफ़सरों की टीमें लगी हुई हैं।

इनकी हुई मौत ग्रामीणों ने बताया कि शराब पीकर मरने वालों में गांव करसुआ के 40 वर्षीय महेश पुत्र रमेश, 35 वर्षीय राजेश पुत्र खूबीराम, 28 वर्षीय सुनील पुत्र धर्मा और 34 वर्षीय अवनीश पुत्र अशोक निवासी कुटिया जनपद प्रतापगढ़, 50 वर्षीय लल्लन प्रसाद पुत्र कामेश्वर निवासी दामोंन समस्तीपुर (बिहार), व 45 वर्षीय महेश पुत्र रघुवीर निवासी राम नगला जनपद मथुरा शामिल हैं। इनके अलावा शराब पीने से जेएन मेडिकल कॉलेज में ओमप्रकाश, सोनपाल, पप्पू निवासी करसुआ, लोधा, ओम दत्त रावत, विजेंद्र प्रकाश रावत, रंजीत निवासी अंडला खैर के अलावा एक अन्य समेत सात लोगों को इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

शराब पीने से छेरत में हुई मौत जवां ब्लॉक के छेरत इलाके में भी शराब पीने से करसुआ गांव की तरह ही मौत की घटना सामने आई है। छेरत के पास स्थित कालूपुरा रोड पर देसी ठेके से आसपास के ग्रामीणों ने शराब ली थी। जिसे पीने के बाद छेरत निवासी मनोज (50) पुत्र सुखवीर, जीतेंद्र (50) पुत्र बर्फसिंह, ओम वीर (40) पुत्र शीशपाल व टीन्नू पुत्र साहब सिंह की तबीयत बिगड़ गई। जिन्हें परिजन पास के अस्पताल ले गए। बताया जाता है कि अस्पताल में इन्हें भर्ती नहीं किया गया और दो ने दम तोड़ दिया। जबकि टीन्नू की आंखों की रोशनी चली गई है। इस मामले की जानकारी पर स्थानीय थाना पुलिस के साथ क्षेत्राधिकारी सिविल लाइन विशाल चौधरी मौके पर पहुंच गए हैं व मृतकों के परिजनों व ग्रामीणों से पूंछतांछ करते हुए जांच कर कार्यवाही में जुट गए। दोषियों पर रासुका की कार्यवाही के साथ सम्पत्ति की जाए नीलाम दृ योगी उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना को लेकर अपने आवास पर गृह विभाग और आबकारी विभाग के अधिकारियों को तलब किया। कहा कि इस घटना को गम्भीरता से अधिकारी जांच करें।

दोषी पाये जाने वालों पर रासुका के तहत कार्यवाही की जाए। प्रकरण में अगर शराब सरकारी ठेके से खरीदी गई है तो ठेके को सीजकर संचालक के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही दोषियों की सम्पत्ति नीलामी कर प्राप्त धनराशि को मृतक के परिवारीजनों को मुआवजे के तौर पर दिया जाए।

एक नज़र

मोहाली में फूटा पटवारियों और कानूनगो का गुस्सा, वित्त मंत्री का पुतला फूंक मुख्यमंत्री के खिलाफ की नारेबाजी

मोहाली (एजेंसी)। रेवेन्यू पटवार यूनियन ने अपनी मांगों को लेकर शुक्रवार को मोहाली में प्रदर्शन किया। इस दौरान पटवारियों व कनूनगो ने रोष जताते हुए पंजाब सरकार के वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल का पुतला फूंका। यूनियन के प्रधान सतपाल कंबोज ने कहा कि वित्त विभाग की ओर जो वायदे पूरे किए गए थे उनको लागू पूरा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि पटवारियों की गिनती लगभग 50 फीसद रह गई है। काम लगातार बढ़ रहा है, लेकिन नई भर्ती नहीं हो रही। इस कारण काम का बोझ बढ़ रहा है।

पटवारी तनाव में जा रहे हैं। गुलजार सिंह ने कहा कि 1996 में भर्ती हुए पटवारियों के वेतन में करीब 10 हजार रुपये का अंतर है। इस अंतर को आज तक पूरा नहीं किया जा रहा। नए वेतन भत्तों को सरकार लागू नहीं कर रही। पटवारियों ने कहा कि जब तक मांगों को पूरा नहीं किया जाता तब तक हड़ताल जारी रहेगी। इस दौरान पटवारियों की ओर से पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह व वित्त मंत्री के खिलाफ नारेबाजी की गई। ध्यान रहे कि बीते दिनों अपनी मांगों को लेकर डीसी दफ्तर व जिले की तहसीलों व सब तहसीलों के कर्मचारियों ने भी हड़ताल रखी थी।

इस दौरान दो दिन तक डीसी ऑफिस में काम नहीं हुआ था। अब पटवारियों की हड़ताल के कारण पिछले पांच दिन से रजिस्ट्रियों का काम रुका हुआ है। जिससे रेवेन्यू का नुकसान हो रहा है। कोविड के बीच इस हड़ताल को तोडने् के लिए प्रयास किए जा रहे है। लेकिन कर्मचारी मानने को तैयार नहीं। पटवारियों की हड़ताल के चलते लोगों को तेरहा सालां फर्द व अन्य काम करवाने में दिक्कत आ रही है।

लुधियाना में झपटमार गिरोह के 2 सदस्य गिरफ्तार, 6 मोबाइल फोन व मोटरसाइकिल बरामद

लुधियाना (एजेंसी)। लुधियाना में थाना जमालपुर पुलिस ने झटपटमारी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। दोनों बदमाश मोटरसाइकिल नंबर के आधार पर पकड़े जा सके। उनके कब्जे से 6 मोबाइल फोन तथा एक मोटरसाइकिल बरामद किया गया। आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज करके शुक्रवार उन्हें अदालत में पेश किया गया। जहां से 2 दिन का रिमांड हासिल करके कड़ी पूछताछ की जा रही है।

एएसआइ बरिंदरजीत सिंह ने बताया कि आरोपितों की पहचान राहों रोड के हरिकृष्ण विहार की गली नंबर एक निवासी गगनदीप सिंह तथा मलकीत सिंह के रूप में हुई। पुलिस ने झाबेवाल कि भोला कॉलोनी निवासी ओमप्रकाश की शिकायत पर उनके खिलाफ केस दर्ज किया। पुलिस को दिए बयान में उसने बताया कि वीरवार शाम 6ः00 बजे वह अपने काम से छुट्टी करके घर की ओर जा रहा था। जब वह 33 फुटा मेन रोड साई एंक्लेव के पास पहुंचा। उसी दौरान स्लेंडर मोटरसाइकिल नंबर पीबी91-0124 पर सवार होकर आए दो युवकों ने उसे जबरदस्ती घेर लिया।

आरोपित उसकी जेब में पढ़ा ओप्पो ए3इस कंपनी का मोबाइल और नगदी जबरदस्ती लूट कर फरार हो गए। बरिंदरजीत सिंह ने कहा कि तफ्तीश के दौरान मोटरसाइकिल नंबर के आधार पर वीरवार रात दोनों को साई एंक्लेव इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया। उनकी निशानदेही पर उनके घरों में छिपाकर रखे गए 6 मोबाइल फोन भी बरामद कर लिए गए। दोनों से की जा रही गहन पूछताछ में कई अहम खुलासे होने की संभावना है।

चंडीगढ़ ने एंफोटेरिसिन बी इंजेक्शन की 3000 डोज और मांगी, शहर में चल रहा है 144 ब्लैक फंगस मरीजों का उपचार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। स्वास्थ्य विभाग ने केंद्र से ब्लैक फंगस मरीजों के इलाज के लिए एंफोटेरिसिन बी इंजेक्शन की तीन हजार डोज और मांगी हैं। इससे पहले चंडीगढ़ प्रशासन ने इंजेक्शन की दो हजार डोज मांगी थी। इसके लिए प्रशासन की ओर से एक करोड़ 20 लाख रुपये भी दिए गए हैं। शहर में लगातार म्यूकार्माइकोसिस यानी ब्लैक फंगस के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। इस समय पीजीआइ , गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल सेक्टर 32 समेत शहर के अन्य प्राइवेट अस्पतालों में म्यूकार्माइकोसिस के कुल 144 मरीजों का इलाज चल रहा है।

प्राइवेट और सरकारी अस्पताल में अलग से वार्ड बनाने के निर्देश स्वास्थ्य निदेशक डॉ. अमनदीप कौर कंग ने बताया कि ब्लैक फंगस के बढ़ते मरीजों की संख्या को देखते हुए शहर के सभी सरकारी और प्राइवेट अस्पताल में ऐसे मरीजों के लिए अलग से वार्ड बनाने के निर्देश दिए हैं। कोरोना संक्रमित जो मरीज ब्लैक फंगस से भी ग्रस्त हैं। उन्हें अलग वार्ड में एडमिट कर इलाज मुहैया कराने के लिए कहा गया है। ब्लैक फंगस से शहर में पहली मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग चिंता में गत दिवस शहर में ब्लैक फंगस से चार लोगों की मौत दर्ज की गई। ब्लैक फंगस से शहर में ये पहली मौतें हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल जीएमसीएच-32, पीजीआइ और अन्य प्राइवेट अस्पतालों में इस समय 144 म्यूकरमाइकोसिस मरीजों का इलाज चल रहा है।

इनमें से जीएमसीएच-32 में 29, पीजीआइ में 101 और बाकी प्राइवेट अस्पतालों में एडमिट हैं। इनमें से 16 ब्लैक फंगस के मरीज चंडीगढ़ के हैं। बीते दिनों चंडीगढ़ प्रशासन की ओर से एंफोटेरेसिन बी इंजेक्शन के दो हजार डोज बुकिंग के लिए भेजे गए थे। इसके लिए प्रशासन की ओर से 1.20 करोड़ रुपये भी दिए गए हैं। अब तक एंफोटेरेसिन बी इंजेक्शन की डोज ना मिल पाने के कारण ब्लैक फंगस मरीजों के इलाज में दिक्कत हो रही है।

कपूरथला में अफ्रीकी मूल की महिला सहित 3 गिरफ्तार, 100 ग्राम हेरोइन व 300 प्रतिबंधित कैप्सूल बरामद

सुभानपुर (एजेंसी)। थाना सुभानपुर की पुलिस ने अफ्रीकी मूल की महिला सहित तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके पास से 100 ग्राम हेरोइन, 300 प्रतिबंधित कैप्सूल तथा 100 प्रतिबंधित गोलियां व एक लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। एएसआइ मलकीत सिंह ने बताया कि पुलिस पार्टी गांव हमीरा के पास मौजूद थी तो सामने से एक मोटरसाइकिल पर सवार दो महिलाओं सहित तीन लोग आते दिखाई दिए, जिनको पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो भागने का प्रयास करने लगे, परंतु पुलिस टीम ने महिला पुलिस कर्मचारियों की मदद से तीनों आरोपियों को काबू कर लिया।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना नाम गुरचरन सिंह उर्फ काला निवासी गांव लाटियांवाल थाना सुल्तानपुर लोधी, राजविंदर कौर उर्फ रजी पुत्री निवासी गांव हमीरा थाना सुभानपुर तथा काईला उर्फ राजिका ऐली इस्मानी निवासी तनजानिया, हाल निवासी ग्रेटर नोएडा के रूप में हुई है। पूछताछ में पता चला है कि तनजानिया से भारत आई काईला पहले बेंगलोर तथा हैदराबाद में पढ़ती थी। अफ्रीकी मूल की उक्त महिला तस्कर दिल्ली से संबंधित एक व्यक्ति से हेरोइन की खेप लेकर आई थी। वहीं दूसरी गिरफ्तार महिला राजविंद्र कौर उर्फ राजी की माता परमजीत कौर ड्रग बरामदगी के मामले में सजा काट रही है तथा राजविन्द्र के खिलाफ पहले से ही ड्रग बरामदगी के दो मामले थाना सुभानपुर में दर्ज हैं।

गिरफ्तार आरोपित गुरचरन सिंह के खिलाफ थाना सुल्तानपुर लोधी में एफआइआर दर्ज कर ली गई है। एसएसपी ने बताया तीनों आरोपियों से पूछताछ का दौर जारी है, पूछताछ के दौरान और भी बरामदगी होने की संभावना है। वहीं तीनों आरोपियों के किसी बड़े ड्रग नेटवर्क से जुड़े होने की संभावना है। तीनों आरोपियों के खिलाफ थाना सुभानपुर में मामला दर्ज कर लिया गया है।

कोरोना ठीक होने के बाद भी मरीजों को आ रही ऐसी दिक्कतें, उम्मीद सेंटर पर ले सकेंगे इलाज

फतेहाबाद (एजेंसी)। फतेहाबाद में कोरोना संक्रमण बढ़ने के साथ ही उसी तेजी से ठीक हो रहा है। लेकिन कोरोना को हराने के बावजूद भी ऐसे लोग न तो अच्छे से नींद ले पा रहे हैं और न ही इन्हें भूख लग रही है।

ऐसे मरीजों के लिए पहले अस्पताल में कोई व्यवस्था नहीं थी। केवल वो डॉक्टरों से फोन करके दवा लेते थे। डाक्टरों की मानें तो कोरोना मरीजों में ठीक होने के बाद भी करीब डेढ़ माह तक कोई न कोई समस्या बनी रहती है। कई लोगों को खांसी, बुखार, जुकाम और स्वाद का पता न लगना, सुगंध का पता न लगना जैसे लक्षण देखने में आते हैं। समस्या अधिक बढ़ने पर अस्पताल में दाखिल करने की नौबत आ जाती है।

स्वास्थ्य मुख्यालय के आदेशों पर अब ऐसे मरीजों का शहर के सिविल अस्पताल में उपचार हो सकेगा। सिविल अस्पताल में पोस्ट कोविड मरीजों के लिए पोस्ट कोविड केयर सेंटर शुरू किया गया है। यह सेंटर आयुष विभाग में बनाया गया है। यहां पर योग से जुड़े डॉक्टर व मनोवैज्ञानिक भी बैठेंगे तो यहां पर इलाज करवाने आने वाले मरीजों को सही से इलाज मिल सके। आयुष भवन में बनाए गए उमंग सेंटर में आयुर्वेदा, डाइटीशियन, फिजिशयन, नेत्र रोग विशेषज्ञ, योगा थेरेपी, फिजियोथेरेपिस्ट सहित सभी प्रकार के डाक्टरों की सुविधा मिलेगी। अगर कोई गंभीर मरीज आता है तो उसे भी अस्पताल में उपचार किया जाएगा। अगर किसी मरीज को दिक्कत है तो वो उमंग एप के जरिये पोस्ट कोविड मरीज चेकअप के लिए ओपीडी रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। नागरिक अस्पताल में अगले सप्ताह यानि सोमवार से इस सेंटर का शुभारंभ हो जाएगा। शुक्रवार को आयुष भवन में पड़ी दवाइयों का हटाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। डाक्टरों का कहना है कि अगले सप्ताह मरीजों को इलाज होना शुरू हो जाएगा। कोरोना से ठीक होने के बावजूद करीब एक से दो महीनों तक मरीजों को दिक्कत रहती है। गंभीर मरीजों को नींद तक नहीं आती। नागरिक अस्पताल में तैनात मनोवैज्ञानिक डा. गविंदरकौर के पास फोन आ रहे है। अधिकतर लोगों का कहना है कि उनके मन में बैचेनी रहती है और नींद भी कम आ रही है।

इसके अलावा किसी के सिर में दर्द तो किसी को भूख कम लग रही है। यह समस्या कोरोना संक्रमितों की काउंसिलिग के दौरान आ रही है। जिले में अब तक 500 लोग ऐसे हैं जो ये समस्या बता चुके हैं। पोस्ट कोविड और कोविड संक्रमित होने के बाद भय और कोरोना के लक्षणों के कारण संक्रमित हुए लोगों को अधिक दिक्कत है। डाक्टरों की मानें तो अगर हम अपने मन को शांत रखेंगे और कुछ न कुछ काम करते रहेंगे तो समस्या अपने आप चली जाएगी। एसएमओ नागरिक अस्पताल फतेहाबाद डा. राजेश चौधरी ने बताया कि पोस्ट कोविड मरीजों के लिए नागरिक अस्पताल के आयुष भवन में उमंग सेंटर बना दिया गया है। यहां पर सभी डाक्टर मौजूद रहेंगे। अगले सप्ताह से सुविधा मिलनी शुरू हो जाएगी।

देखने में आया है कि कोरोना से ठीक हुए मरीजों को एक से डेढ़ महीने तक दिक्कत रहती है। ऐसे मरीजों के लिए यह सुविधा शुरू की है। अगर किसी मरीज को दिक्कत है तो वो उमंग एप पर रजिस्ट्रेशन करवाने के बाद इलाज लेने के लिए आ सकता है।

कोविड मरीज ये करे

छोटे बच्चों को पुराने तरीके जैसे माता कोई कविता सुनाकर सुलाए।
अच्छी नींद के लिए आती और जाती धूप में बैठे।
सोने का टाइम फिक्स होना चाहिए।
सोने से पहले डेढ़ घंटे तक मोबाइल या टीवी ना देखें।
सोने का स्ट्रेस ना लें।
सोने से पहले अच्छी यादें और सकारात्मक सोंचे।
शाम को हल्का व्यायाम करें।
बिस्तर को साफ सुथरा रखें।
रात के समय नहाकर सोएं।
एक से डेढ़ महीने तक रहती है दिक्कत

पंजाब में घातक हो रहा ब्लैक फंगस, तीन मरीजों की मौत, अब तक गई 25 लोगों की जान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में ब्लैक फंगस घातक होता जा रहा है। इसके मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है और मौतों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है। राज्य में ब्लैक फंगस के कारण तीन और मरीजों की मौत हो गई। इसके साथ ही राज्य में इस बीमारी से मरने वालों का आंकड़ा 25 पहुंच गया है। वहीं, सात नए केस भी सामने आए और पंजाब में ब्लैक फंगस के कुल192 मरीज हो गए हैं।

अभी 158 मरीजों का इलाज चल रहा है, जबकि नौ ठीक हो चुके हैं। राज्य में अभी तक कुल 188 केस आए, इनमें से 40 को कोरोना नहीं, 158 उपचाराधीन। खास बात यह है कि कुल 192 से 40 मरीजों को कोरोना नहीं हुआ था। वीरवार को ब्लैक फंगस के कारण फरीदकोट में पंजगराई गांव की 45 वर्षीय कुलदीप कौर ने दम तोड़ दिया। फरीदकोट मेडिकल कालेज में दो मरीजों का इलाज चल रहा है। जिले में अब तक आठ लोगों में ब्लैक फंगस की पुष्टि हुई है। छह की रिपोर्ट आना बाकी है। जालंधर में ब्लैक फंगस से दो मरीजों की मौत हुई। पटियाला में ब्लैक फंगस के तीन, होशियारपुर में दो और फिरोजपुर व जालंधर में एक-एक मरीज मिले हैं। वहीं, मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने निर्देश दिए हैं कि इस बीमारी के इलाज के लिए एमफोटेरीसिन दवा की कमी को देखते हुए राज्य में वैकल्पिक दवाइयों के स्टाक की मात्रा बढ़ाई जाए।

राज्य के पास सिर्फ लीपोसोमल एमफोटेरीसिन बी के टीके स्टाक में रह जाने और वीरवार को केवल 880 टीके मिलने के चलते मुख्यमंत्री ने चिंता जताई। विशेषज्ञों के समूह ने भी वैकल्पिक दवाइयों के इस्तेमाल की सिफारिश की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार कुछ वैकल्पिक दवाइयां जैसे इट्राकोनाजोल (4000 गोलियां) और पोसाकोनाजोल (500 गोलियां) उपलब्ध करवा दी गई हैं। स्वास्थ्य सचिव हुसन लाल ने बताया कि 188 में से 148 मरीज कोविड पीड़ित हैं। इनमें से 133 को स्टेरायड थेरेपी दी जा रही है। 122 मरीजों को म्यूकोमाइकोसिस की शुरुआत से पहले आक्सीजन पर थे। कुल 154 मरीजों को डायबिटीज थी, जबकि 56 में रोगों से लड़ने की ताकत कम थी। इनमें से 47 मरीज सह-बीमारियों वाले हैं। राज्य सरकार के कोविड माहिर समूह के प्रमुख डा. केके तलवाड़ ने कहा कि इस समस्या से निपटने के लिए विदेशी विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। प्रोटोकॉल निर्धारित करने के लिए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के माहिरों के साथ दो सेशन हो चुके हैं और मरीजों पर निगरानी रखी जा रही है। उन्हें मदद मुहैया करवाई जा रही है। मेडिकल शिक्षा सचिव डीके तिवारी ने बताया कि सबसे अधिक 16 मामले मेडिकल कालेज पटियाला में सामने आए हैं, जबकि अमतृसर में 10, फरीदकोट में आठ और मोहाली में दो मामले सामने आए हैं। चंडीगढ़ में एक कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू ने ब्लैक फंगस पर चिंता जाहिर की।

चंडीगढ़ में अगले सप्ताह पाबंदियों से मिल सकती है कुछ राहत, आज होगा फैसला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कोरोना महामारी से थोड़ा उबरने के बाद अब राहत की ओर कदम बढ़ रहे हैं। चंडीगढ़ में पहले मार्केट खोलने की मंजूरी फिर पब्लिक डीलिंग के सबसे बड़े कार्यालय आरएलए को खोलने की मंजूरी दी गई। अब कुछ और छूट देने की चर्चाएं हो रही हैं।

शुक्रवार को इसकी समीक्षा बैठक होगी। प्रशासक वीपी सिंह बदनौर ने दोपहर बाद पंजाब राजभवन में यह मीटिंग बुलाई है। इस मीटिंग में सिर्फ चंडीगढ़ ही नहीं पंजाब और हरियाणा के अधिकारी भी शामिल होंगे। प्रशासनिक ही नहीं मेडिकल एक्सपर्ट भी मौजूदा हालात को देखते हुए अपनी राय देंगे। जिसमें जून से किसी तरह से अनलॉक प्लान को धीरे धीरे फेज वाइज लागू किया जाए इस पर निर्णय होगा।

शहर के सैलून, स्पा, जिम, सिनेमा और मॉल लंबे समय से बंद हैं। इनको कोरोना महामारी में खासा नुकसान झेलना पड़ा है। अब जून से इन्हें फेज वाइज खोलने की मंजूरी मिलेगी। सिनेम और मल्टी प्लेक्स को पहले की तरह 50 फीसद सीटों के साथ खोलने की मंजूरी दी जा सकती है।

इसी तरह से सैलून, स्पा और जिम के लिए भी एसओपी जारी कर इन्हें खोलने की मंजूरी दी जाने की चर्चा है। होटल-रेस्टोरेंट को इस बार पूरी तरह से बंद नहीं किया गया था। उन्हें टेक अवे और होम डिलीवरी करने की मंजूरी दी गई थी। बावजूद इसके यह काफी नुकसान झेल रहे हैं। इसको देखते हुए अब जून में यहां भी इन डाइनिंग की सुविधा मिल सकती है। अधिकारी सभी पहलुओं पर चर्चा के बाद इस पर निर्णय लेंगे। यह भी फेज वाइज ही खुलेंगे।

इसमें पहले कुल क्षमता के 50 फीसद गेस्ट ही अटैंड करने की मंजूरी रहेगी। पहले भी ऐसे ही इन्हें ओपन किया गया था। हालांकि अंतिम निर्णय कोविड वॉर रूम मीटिंग में ही होगा। प्रशासक इस पर अंतिम फैसला देंगे।

पानीपत में ड्राइवर को पीटकर उतारा मौत के घाट, तीसरी आंख ने खोला राज

पानीपत (एजेंसी)। पानीपत शहर के जाटल रोड मुखीजा कालोनी निवासी ड्राइवर 43 वर्षीय सुभाष की पीट पीटकर हत्या कर दी गई। मामला 21 मई रात का है। वह नई अनाज मंडी स्थित मालिक के पास से पैदल चलकर घर लौट रहा था।

हत्याकांड का राज घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद फुटेज से खुला। जब चार लोग सुभाष की बुरी तरह से पिटाई करते दिखे। अब पुलिस ने उसके बड़े भाई सुमेर के बयान पर चार अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। सुमेर ने पुलिस शिकायत में बताया कि वह चार भाई और उनकी दो बहनें हैं। छोटा भाई सुभाष टीसीआइ एक्सपीएस अनाज मंडी दुकान नंबर 200 पर दिनेश के पास पिछले ढाई साल से ड्राईवर लगा हुआ था। 20 मई को वह सुबह ड्यूटी पर गया था और रात को घर नहीं आया। अगले दिन उसके पास फोन आया की सुभाष की मौत हो गई है।

उन्होंने पानीपत सिविल अस्पताल पहुंचकर उसके शव की शिनाख्त की। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा उनके हवाले कर दिया। जहां पैतृक गांव मोखरी जिला जींद में उसका अंतिम संस्कार किया गया।

निजी स्कूलो को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट से झटका, वेबसाइट पर अपलोड करनी होगी आय-व्यय की बैलेंसशीट

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने चंडीगढ़ के निजी स्कूलों को झटका देते हुए प्रशासन के उस आदेश पर अपनी मुहर लगा दी है जिसके तहत प्रशासन ने निजी स्कूलों को बैलेंसशीट वेबसाइट पर अपलोड करने के आदेश दिए थे।

जस्टिस जसवंत सिंह एवं जस्टिस संत प्रकाश की खंडपीठ ने इंडिपेंडेंट स्कूल्ज एसोसिएशन जिसमें सहित शहर के कई निजी स्कूलों की याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा कि ऐसे ही एक मामले में हाई कोर्ट की फुल बेंच यह तय कर चुकी है कि शिक्षा कोई व्यवसाय नहीं है। इसका प्राथमिक उदेश्य समाज के प्रति सेवा है और उसके बाद ही स्कूल अपनी आय के बारे में सोचें। अधिक फीस तय करने से स्कूल अपने प्राथमिक उद्देश्य से भटक सकते हैं।

ऐसे में इन पर लगाम लगाना बेहद जरूरी है, इसलिए यह प्रावधान बनाया गया है। लिहाजा हाई कोर्ट ने चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा निजी स्कूलों को अपनी वेबसाइट पर बैलेंसशीट अपलोड करने के जो आदेश दिए थे उन्हें सही करार दिया है और नई स्कूलों को अपनी बैलेंस शीट वेबसाइट पर अपलोड करने के आदेश दे दिए हैं। इसके साथ ही हाई कोर्ट ने चंडीगढ़ प्रशासन को आदेश दिए हैं कि वह इन स्कूलों को बैलेंस सहित अपलोड करने के लिए कुछ समय दे, ताकि यह तय समय में अपनी बैलेंसशीट अपलोड कर सकें।

इस मामले में इंडिपेंडेंट स्कूल्स एसोसिएशन सहित शहर के निजी स्कूलों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि पंजाब सरकार ने वर्ष 2016 में पंजाब रेगुलेशन ऑफ फीस ऑफ अनएडेड एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन एक्ट बनाया था। इस एक्ट को 2018 में लागू कर रेगुलेटरी बॉडी गठित कर दी गई। इस एक्ट के तहत चंडीगढ़ प्रशासन ने पिछले साल 24 अप्रैल को इस एक्ट में मोडिफिकेशन कर इस एक्ट के सेक्शन-5 के क्लॉज-4 के तहत निजी स्कूलों को अपनी आय और खर्च के पूरे ब्यौरे की बैलेंसशीट वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश दे दिए थे। याचिकाकर्ता संस्था का कहना है कि कोविड-19 के कारण स्कूल पहले ही काफी आर्थिक नुकसान झेल रहे हैं।

ऐसे में अब उन्हें डर है कि प्रशासन उनके खिलाफ कार्रवाई कर सकता है, जबकि उनके स्कूलों की पूरी अकाउंट स्टेटमेंट पहले ही सम्बंधित अथॉरिटी के पास है।

हरियाणा में हर माह 18 से 20 लोग हो रहे ब्लड कैंसर शिकार, यह है बड़ी वजह

रोहतक (एजेंसी)। प्रदेश भर में हर माह 18 से 20 लोग ब्लड कैंसर का शिकार बन रहे हैं। पीजीआइएमएस में आने वाले मरीजों पर किए गए रिसर्च के अनुसार यह संख्या केवल 14 वर्ष से अधिक आयु वालों की है। ब्लड कैंसर के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं। फसलों में हो रहे पेस्टीसाइड के प्रयोग, रेडिएशन किरणों के संपर्क में आने व आनुवांशिक इसमें प्रमुख तौर पर शामिल हैं।

पीजीआइएमएस के ब्लड कैंसर विभाग के इंचार्ज डा. सुधीर कुमार अत्री के अनुसार ब्लड कैंसर के हर माह 50 से 60 एडल्ट केस आते हैं। बीमारी की खास बात यह है कि लोगों को इसका पता बहुत देर से लगता है। इसकी वजह से इसमें हाइ रिस्क होता है। ब्लड कैंसर मुख्यतः छह प्रकार का होता है। यहां पर चार प्रकार के ब्लड कैंसर के रोगी अधिक संख्या में आते हैं जबकि दो प्रकार के कैंसर में साल में एक या दो रोगी ही आते हैं। पीजीआइएमएस में ब्लड कैंसर का इलाज दो आयु वर्ग में होता है। 14 वर्ष से कम आयु वाले बच्चों का इलाज डा. अलका यादव देखती हैं तो इससे बड़े आयु वर्ग के लिए डा. सुधीर कुमार अत्री इंजार्ज हैं। ब्लड कैंसर से प्रभावित रोगी अकसर थकान और कमजोरी महसूस करता है। इसकी वजह व्यक्ति के खून में लाल रक्त कोशिकाओं की कमी होना है और इस कारण व्यक्ति में खून की कमी हो जाती है। रोगी के पेट में सूजन आ जाती है, जिस वजह से मल त्याग करने में पीड़ा का अहसास होता है, साथ ही साथ भूख भी कम लगती है। ब्लड कैंसर होने की कोई उम्र निर्धारित नहीं है, यह किसी भी उम्र में हो सकता है। बल्ड कैंसर होने पर कैंसर की कोशिकाएं यानि सैल्स व्यक्ति के शरीर में खून को बनने नहीं देते इंसान को, जिस वजह से व्यक्ति में खून की कमी होने लगती है। शरीर के खून के साथ कैंसर व्यक्ति की बोन मैरो को भी नुकसान करता है।

पीजीआइएमएस में ब्लड कैंसर की जांच रिपोर्ट चार से सात दिन में मिल जाती है। ब्लड कैंसर मिलने पर इलाज का मुख्य केंद्र कीमोथैरेपी ही होता है। कुछ केसों में जब मरीजों की हालत तेजी से बिगड़ती है तो बॉन मैरो ट्रांसप्लांट का भी सहारा लिया जाता है। पहली स्टेज पर मरीज के रिकवरी चांस 90 फीसद तथा दूसरी स्टेज में इसके चांस 60 फीसद हो जाती हैं। पीजीआइएमएस रोहतक के ब्लड कैंसर विभाग के इंचार्ज डॉ. सुधीर कुमार अत्री बताते हैं कि पीजीआइएमएस में हर माह प्रदेश भर से 18 से 20 नए रोगी आते हैं। मरीजों की जांच के बाद तुरंत इलाज शुरू कर दिया जाता है। शुरुआती दौर में कीमोथैरेपी से ही इसका इलाज होता है। लेकिन कुछ केसों में मरीज की हालत तेजी से बिगड़ती है तो बॉन मैरो ट्रांसप्लाट भी करना पड़ता है।

ब्लड कैंसर के लक्षण

किसी भी उम्र में हो सकता है ब्लड कैंसर
कीमोथैरेपी व बोन मैरो ट्रांसप्लांट ही इलाज
हर माह आते हैं 18 से 20 नए रोगी
ब्लड कैंसर के आने वाले मुख्य प्रकार
एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (एएलएल)
दीर्घकालिक लिम्फोसाईटिक ल्यूकेमिया (सीएलएल)
तीव्र माईलोजेनस ल्यूकेमिया (एएमएल)
दीर्घकालिक माईलोजेनस ल्यूकेमिया (सीएमएल)
रोएंदार कोशिका वाली ल्यूकेमिया (एचसीएल)
टी-सेल (टी-शैल) प्रोलिम्फोसाईटिक ल्यूकेमिया (टी पीएलएल)
मल्टीपल माइलोमा

opensearch

संक्षिप्त समाचार

गंगजी ने मिजुनो ओपन में तीन अंडर के साथ अच्छी शुरूआत की

ओकायामा.एजेंसी। भारतीय गोल्फर राहिल गंगजी ने जापान टूर की प्रतियोगिता 'गेटवे टू द ओपन' मिजुनो ओपन के पहले दिन आखिरी क्षणों में दो बर्डी लगाकर तीन अंडर 69 के स्कोर के साथ अच्छी शुरूआत की। जापान टूर पर एक बार विजेता रहे 42 साल के गंगजी पहले दौर में तीन बोगी और छह बर्डी लगाकर संयुक्त रूप से 27वें स्थान पर है। खराब मौसम के कारण इस प्रतियोगिता को 72 की जगह 54 होल का किया गया है। गंगजी ने पांचवें, नौवें और 13वें होल में बोगी की जबकि उन्होंने दूसरे, चौथे, सातवें, 11वें, 15वें और 16वें होल में बर्डी लगायी। अनुभवी कासुमासा मियामोतो दो शॉट की बढ़त के साथ तालिका में शीर्ष पर है। 49 साल के इस खिलाड़ी ने नौ अंडर 63 का शानदार स्कोर किया।

एनबीए और स्टार स्पोर्ट्स भारत में प्रशंसकों के लिए एनबीए प्लेऑफऔर फाइनल्स का प्रसारण करेंगे

मुंबई.एजेंसी। नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन (एनबीए) ने आज घोषणा की कि स्टार स्पोर्ट्स भारत में अपने लाखों फैन्स के लिए 2021 एनबीए प्लेऑफ और फाइनल का लाइव प्रसारण करेगा। स्टार स्पोर्ट्स अपने चौनल, स्टार स्पोर्टस सेलेक्ट पर पूरे कॉन्फ्रेंस फाइनल्स और द फाइनल्स के साथ-साथ एनबीए प्लेऑफ के पहले दो राउंड के मैचों का लाइव प्रसारण करेगा। इन मैचों को विशेष रूप से साप्ताहिक आधार पर चुना जाएगा। इससे जुड़े कवरेज 23 मई से शुरू हो गए है और इसमें 2020-21 एनबीए सीजन और क्लासिक एनबीए कंटेंट से डेली हाइलाइट्स भी दिखाए जाएंगे। एनबीए इंडिया हेड ऑफग्लोबल कंटेंट एंड मीडिया डिस्ट्रीब्यूशन सनी मलिक ने कहा, भारत भर में लाखों प्रशंसकों को एनबीए प्लेऑफका रोमांच प्रदान करने के लिए स्टार स्पोर्ट्स के साथ साझेदारी करके हमें अत्यंत खुशी हो रही है। जैसा कि हम एक और बहुप्रतीक्षित पोस्ट सीजन शुरू करने जा रहे हैं, भारत में मौजूद एनबीए के लाखों प्रशंसक दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को देश के प्रमुख स्पोर्ट्स ब्रॉडकास्टर (स्टार स्पोर्टस) पर चौंपियनशिप के लिए प्रतिस्पर्धा करते हुए देख सकते हैं। भारत में एनबीए के प्रशंसक फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब जैसे सोशल मीडिया चौनल्स पर एनबीए को फोलो कर सकते हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफपहले टेस्ट के दौरान भेदभाव के विरूद्ध संदेश दे सकते हैं इंग्लैंड के खिलाड़ी

लंदन.एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाड़ी न्यूजीलैंड के खिलाफदो जून से होने वाले पहले टेस्ट मैच के दौरान भेदभाव के खिलाफ मोमेंट ऑफ यूनिटी का संदेश दे सकते हैं। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने इसके लिए खिलाड़ियों को इजाजत दे दी है। मोमेंट ऑफयूनिटी में मैच शुरू होने से पहले खिलाड़ी एक साथ शांत होकर खड़े रहेंगे। ईसीबी के क्रिकेट निदेशक एश्ले जाइल्स ने कहा, हम सभी की तरह खिलाड़ी भी भेदभाव के खिलाफहैं। अगर यह व्यक्तिगत बयान होता तो भी हम इसका समर्थन करते लेकिन मुझे लगता है कि खिलाड़ी टीम के रूप में ऐसा करना चाहते हैं। नस्लभेद के खिलाफ पिछले साल ब्लैक लाइफ मैटर आंदोलन ने गति पकड़ी थी जो 2013 में शुरू हुई थी। पिछले साल मई में अमेरिका में जॉर्ज फ्लॉयड नाम के अश्वेत व्यक्ति की हत्या के बाद यह आंदोलन तेज हुआ था। पिछले साल कोरोना के कारण चार महीने तक क्रिकेट गतिविधियां ठप्प रहने के बाद आठ जुलाई से इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट मैच के पहले दिन दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने ब्लैक लाइफ मैटर्स का समर्थन करते हुए काली पट्टी पहनी थी।

सुरक्षित ओलंपिक के लिये वायरस आपातकाल बढ़ायेगा जापान

तोक्यो.एजेंसी। जापान तोक्यो में कोरोना वायरस के कारण लगाये गये आपातकाल को बढ़ाने के लिये तैयार है क्योंकि संक्रमण अभी तक उस स्तर तक धीमा नहीं हो रहा है कि देश 50 दिन के अंदर ओलंपिक खेलों की सुरक्षित मेजबानी कर सके। जापान के एक वरिष्ठ मंत्री याशुतोशी निशिमुरा ने कहा कि आपात स्थिति को बढ़ाने की जरूरत इसलिये है क्योंकि काफी लोग अब भी सार्वजनिक रूप से घूम रहे हैं, विशेषकर तोक्यो और ओसाका में जबकि उन्हें इसके उलट करना चाहिए और उन्हें डर है कि आपात स्थिति को हटाते ही संक्रमण फिर से बढ़ जायेगा। जापान की राजधानी और आठ अन्य शहरों में मौजूदा आपात स्थिति अगले सोमवार तक खत्म होनी थी लेकिन कुछ क्षेत्रों में अस्पतालों में अब भी काफी कोविड-19 संक्रमित मरीज आ रहे हैं और हाल में गंभीर मामलों की संख्या भी काफी रही थी। निशिमुरा ने पत्रकारों से कहा कि सरकार ने नौ क्षेत्रों में 20 दिन के लिये आपात स्थिति को बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है जो 20 जून तक होगा जिसे विशेषज्ञों से शुरूआती मंजूरी मिल गयी है जिसके बाद अधिकारिक घोषणा शुक्रवार को होगी। ओकिनावा में पहले ही 20 जून तक आपात स्थिति जारी रहेगी।
ओलंपिक आयोजकों को इस तारीख तक फैसला करना होगा कि वे किसी भी दर्शक को अनुमति देंगे या नहीं क्योंकि विदेशी दर्शकों को महीनों पहले प्रतिबंधित कर दिया गया था। वहीं मीडिया रिपोर्टों के अनुसार जापान के एथलीटों के टीकाकरण की प्राथमिकता में भी देरी हो रही है।

साई ने राष्ट्रीय खेल कोचिंग केंद्र के निदेशक पद के लिए आवेदन आमंत्रित किया

नई दिल्ली.एजेंसी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने एनएस एनआईएस पटियाला के तहत राष्ट्रीय खेल कोचिंग केंद्र के लिए 3 साल की अवधि के लिए अनुबंध के आधार पर निदेशक पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं, जिसे 2 साल तक बढ़ाया जा सकता है। साई मीडिया ने ट्वीट किया, ÷साई अनुबंध के आधार पर एनएस एनआईएस पटियाला के तहत राष्ट्रीय खेल कोचिंग केंद्र के निदेशक पद के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। यदि आप भारत को एक महान खेल राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना चाहते हैं, तो हम आपकी तलाश कर रहे हैं!ष् पद के लिए आवश्यक योग्यताओं में आवेदक के पास खेल कोचिंग / खेल विज्ञान या शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में भारत या विदेश से मान्यता प्राप्त संस्थानों से डिग्री होना चाहिए और मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में खेल कोचिंग/खेल विज्ञान/शारीरिक शिक्षा या संबंधित विषयों को पढ़ाने का न्यूनतम 14 वर्ष का अनुभव, जिसमें से 2 वर्ष निदेशक या विभागाध्यक्ष स्तर पर होना चाहिए। पद के लिए अधिकतम आयु सीमा 60 वर्ष निर्धारित की गई है। विज्ञापन के अनुसार आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि को उम्मीदवारों की आयु 60 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

फैनकोड ने मूल फर्म ड्रीम स्पोर्ट्स से 50 मिलियन डॉलर जुटाए

नई दिल्ली.एजेंसी। डिजिटल स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म फैनकोड ने शुक्रवार को घोषणा की कि उसने ड्रीम स्पोर्ट्स इन्वेस्टमेंट (डीएसआई) नामक मूल कंपनी ड्रीम स्पोर्ट्स निवेश शाखा से 50 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। 2019 में अपनी स्थापना के बाद से फैनकोड के 20 मिलियन से ज्यादा उपयोगकर्ता हैं । इसने एनएफएल, एमएलबी, क्रिकेट वेस्ट इंडीज, न्यूजीलैंड क्रिकेट, एनबीए, बुंडेसलीगा, कई आईपीएल टीमों जैसे कुछ सबसे बड़े वैश्विक खेल ब्रांडों की भागीदारी की है, जिसमें लगभग 30,000 घंटे लाइव स्ट्रीमिंग खेल कंटेंट शामिल हैं। खेल उद्योग के दिग्गज यानिक कोलाको और प्रसन्ना कृष्णन द्वारा स्थापित, कंपनी अनुकूलन योग्य डेटा ओवरले के साथ खेल मैचों की इंटरैक्टिव लाइव स्ट्रीमिंग, सबसे तेज विज्ञापन-मुक्त लाइव स्कोर और मैच पास और टूर पास पेश करके कंटेंट की सदस्यता के लिए एक लचीला विकल्प देती है। कोलाको ने कहा, ड्रीम स्पोर्ट्स से मिलने वाली फंडिंग से हमें अपनी मौजूदा पेशकशों को बढ़ाने और स्पोर्ट्स टेक डोमेन में और इनोवेशन में निवेश करने में मदद मिलेगी। ड्रीम स्पोर्ट्स, एक घरेलू कंपनी, जिसके पास फैंटेसी स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म ड्रीम 11, फैनकोड और ड्रीमएक्स जैसे ब्रांड ने मार्च में टीसीवी, डी 1 कैपिटल पार्टनर्स और फाल्कन एज के नेतृत्व में 400 मिलियन डॉलर (लगभग 2,904 करोड़ रुपये) के द्वितीयक निवेश को पूरा करने की घोषणा की। हर्ष जैन और भावित शेठ द्वारा 2008 में स्थापित, ड्रीम स्पोर्ट्स वर्तमान में करीब 600 लोगों को रोजगार देता है। ड्रीम स्पोर्ट्स के सीईओ और सह-संस्थापक जैन ने कहा, हम व्यापार को बढ़ाने और भारत में 800 मिलियन से ज्यादा प्रशंसकों के लिए खेल को ज्यादा सुलभ बनाने के लिए फैनकोड के प्रयासों का समर्थन करने में खुश हैं। फैनकोड सभी खेल प्रशंसकों के लिए कंटेंट और वाणिज्य को अमल करता है।

इंग्लैंड जाने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम को कोविड-19 टीके की पहली डोज लगी

नई दिल्ली.एजेंसी
इंग्लैंड के दौरे पर जाने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम के सभी सदस्यों को कोविड-19 टीके की पहली डोज लग गयी है। भारतीय टीम अगले महीने के पहले सप्ताह में इंग्लैंड के लिए रवाना होगी जहां 16 जून से एकमात्र टेस्ट मैच के साथ उसका दौरा शुरू होगा। टीम को इसके बाद दो टी20 और तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला खेलनी है। टीम अभी मुंबई में पृथकवास पर है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने बताया, '' महिला टीम की सभी खिलाड़ियों को टीके की पहली डोज मिल गई है। उनमें से अधिकांश ने इसे अपने-अपने शहरों में इसे प्राप्त किया। जिन खिलाड़ियों को उनके शहर में यह नहीं मिला था उन्हें गुरुवार को पहला टीका लगा। ''
स्पिन ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने गुरुवार को ट्विटर पर अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, '' मुझे हालाँकि सुइयों (इंजेक्शन) से

थोड़ा डर लगता है, लेकिन मैंने आज टीका लगवाया। मैं लोगों से आग्रह करती हूं कि कृपया जल्द से जल्द टीका लगवाएं।''सूत्र ने कहा कि अधिकांश खिलाड़ियों को कोविशील्ड टीका लगा है और उन्हें इसकी दूसरी डोज इंग्लैंड स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी जाएगी।
भारतीय महिला टीम विराट कोहली की अगुवाई वाली पुरुष टीम के के साथ चार्टर्ड विमान से दो जून को इंग्लैंड के लिए रवाना होगी।
कोहली, मोहम्मद शमी, अजिंक्य रहाणे, चेतेश्वर पुजारा, उमेश यादव, इशांत शर्मा, जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत सहित भारतीय पुरुष टीम के सदस्यों ने देश के विभिन्न केंद्रों पर कोविड-19 टीके का पहला डोज लिया है।
भारतीय पुरूष टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला से पहले 18 जून से न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चौम्पियनशिप का फाइनल खेलना है।

मानसिक फिटनेस,शारीरिक फिटनेस जितनी ही महत्वपूर्णः जरमनप्रीत सिंह

बेंगलुरु.एजेंसी। भारतीय हॉकी टीम के डिफेंडर जरमनप्रीत सिंह का मानना है कि वर्तमान परिस्थितियों से निपटने के लिए मानसिक फिटनेस उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी कि शारीरिक फिटनेस। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि खिलाड़ी टीम के चारों ओर सकारात्मक माहौल बनाने के लिए एक-दूसरे की मदद करते रहे हैं ताकि हर कोई खुश रहे। उन्होंने कहा,ष्मुझे लगता है कि वर्तमान परिस्थितियों से निपटने के लिए मानसिक फिटनेस उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि शारीरिक फिटनेस। एक खिलाड़ी को मानसिक रूप से मजबूत होने की जरूरत है, और उसके लिए, हम एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं। हम एक-दूसरे के साथ संवाद करते हैं, हम एक सकारात्मक वातावरण बनाने की कोशिश करते हैं। ताकि हर कोई खुश रहे। मुझे लगता है कि इस वजह से टीम में काफी अच्छी बॉन्डिंग है, जो ओलंपिक की तैयारियों में हमारी मदद कर रही है।ष् 24 वर्षीय डिफेंडर, जिन्होंने 2018 में राष्ट्रीय टीम के लिए पदार्पण किया, उन्हें लगता है कि वह भाग्यशाली हैं कि अपने करियर की शुरुआत से वरिष्ठ खिलाड़ियों का समर्थन मिला है। उन्होंने कहा,ष्मैं बहुत भाग्यशाली हूं और सभी वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ-साथ कोचों का भी आभारी हूं क्योंकि वे मेरे अतीत (2015 में दो साल के डोपिंग प्रतिबंध) को जानते थे, उन्हें पता था कि मैं लंबे समय के बाद लौट रहा हूं। उन्होंने शुरू से ही हमेशा मेरा समर्थन किया है। उन्होंने हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन किया है, और मुझे बहुत प्रेरित किया है। इसके अलावा, यह तब भी मदद करता है जब आपके पास रूममेट के रूप में एक वरिष्ठ खिलाड़ी होता है। कोठाजीत सिंह पाजी यहां मेरे रूममेट हैं, और हमारे बीच की बॉन्डिंग काफी अच्छी है। मैदान के बाहर हम दोनों हॉकी के बारे में बात करते हैं और इससे मुझे एक खिलाड़ी के रूप में सुधार करने में मदद मिली है।

पोडियम फिनिश की उम्मीद में भारतीय कार रेसर अखिल

बेंगलुरु, (वेबवार्ता)। यूरोपियन जीटी4 चौम्पियनशिप में एकमात्र भारतीय ड्राइवर अखिल रवींद्र को पूरी उम्मीद है कि वह 28 से 30 मई तक फ्रांस के सर्किट पॉल रिकार्ड-ले कैस्टेलेट में पोडियम फिनिश करने में सफल होंगे। 24 वर्षीय अखिल इस साल भी एस्टन मार्टिन रेसिंग (एएमआर) ड्राइवर अकादमी का हिस्सा बनने में सफल रहे हैं और इसी के साथ वह लगातार तीन वर्षो तक ऐसा करने वाले पहले भारतीय और एशियाई रेसर बन चुके हैं।

फ्रांस से ताल्लुक रखने वाले 19 वर्षीय ह्यूगो कोंडे जो कि अखिल के जोड़ीदार भी हैं, एजीएस इवेंट्स रेसिंग टीम के लिए दोनों मिल कर एस्टन मार्टिन रेसिंग वी8 वैंटेज जीटी4 चलाएंगे। यह तीसरी बार होगा जब अखिल सर्किट पॉल रिकार्ड में कार चलाएंगे। इससे पहले पिछली रेस में उन्होंने पिछले सीजन में फ्रेंच एफएफएसए जीटी चौम्पियनशिप में भाग लिया था, जहां उन्होंने अपने टीम साथी वेनेलेट के साथ शानदार वापसी करते हुए प्रो एम केटेगरी में छठवें स्थान (पी6) पर रहते हुए रेस फिनिश की थी और ओवरआल अपनी सम्बंधित केटेगरी की रेस 2 में 10वें स्थान (पी10) जबकि रेस 1 में नौवें स्थान (पी9) पर रेस फिनिश की थी। 2019 की यूरोपीय जीटी4 चौम्पियनशिप में अखिल अपनी टीम साथी फ्लोरियन थोमा के साथ चौथे स्थान (पी4) पर समाप्त करने में सफल रहे थे लेकिन पेनल्टी से कारण उन्हें ओवरआल पंद्रहवे स्थान (पी15) से ही संतोष करना पड़ा था। बाद में इस जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन दिखते हुए काफी प्रभावशाली समय में पांचवें स्थान (पी5) पर रहकर क्वालीफाइंग रेस और सातवीं पॉजिशन (पी7) के साथ रेस 2 फिनिश की थी।

एशियन मुक्केबाजीः सिमरनजीत, मोनिका और जैस्मीन को कांस्य, मैरी कॉम और साक्षी फाइनल में

दुबई.एजेंसी। भारतीय मुक्केबाज सिमरनजीत कौर (60 किग्रा), मोनिका (48 किग्रा), और जैस्मीन (57 किग्रा) को एएसबीएस एशियाई मुक्केबाजी चौंपियनशिप में कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। तीनों ही मुक्केबाजों को अपने सेमीफाइनल मुकाबलों में कजाख मुक्केबाजों रिम्मा वोलोसेंको, अलुआ बाल्किबेकोवा और व्लादिस्लावा कुख्ता के खिलाफ 5-0 से हार का।सामना करना पड़ा। इस बीच, दो बार की युवा विश्व चौंपियन साक्षी ने जीत की लय को बरकरार रखते हुए 2016 की विश्व चौंपियन कजाकिस्तान की दीना झोलामन को 54 किग्रा वर्ग के अंतिम-4 में 3-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया,जहां स्वर्ण पदक मुकाबले में उनका सामना उज्बेक की मुक्केबाज सितोरा शोगदारोवा से होगा। वहीं, दिग्गज भारतीय मुक्केबाज मैरी कॉम ने भी महिलाओं के 51 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में लुत्सैखान अल्तांतसेटसेग को 4-1 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में मैरी कॉम का सामना कजाकिस्तान की दो बार की विश्व चौम्पियन नाजिम कायजैबाय से होगा। इस प्रतियोगिता में भारतीय मुक्केबाज अब तक 15 पदक सुरक्षित कर चुके हैं,जो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले भारतीय दल ने

बैंकाक में 2019 संस्करण में 13 पदक (दो स्वर्ण, चार रजत और सात कांस्य पदक) जीते थे और तीसरे स्थान पर रहे थे। इस प्रतियोगिता में भारत, उज्बेकिस्तान, फिलीपींस और कजाकिस्तान जैसे मजबूत मुक्केबाजी देशों सहित 17 देशों के 150 मुक्केबाजों ने हिस्सा लिया है। महिला वर्ग में प्रत्येक श्रेणी में पदक हासिल करने के बाद, आज रात लालबुत्साईही (64 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (69 किग्रा), पूजा रानी (75 किग्रा), स्वीटी (81 किग्रा) और अनुपमा (81 किग्रा) सहित 5 और भारतीय मुक्केबाज अपना-अपना सेमीफाइनल मुकाबला खेलेंगे। गत चौंपियन अमित पंघाल (52 किग्रा), शिव थापा (64 किग्रा), विकास कृष्ण (69 किग्रा), वरिंदर सिंह (60 किग्रा) और संजीत (91 किग्रा) शुक्रवार को अंतिम-4 चरण में प्रतिस्पर्धा करते नजर आएंगे।

आर्चर को भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर रखने पर सहमत इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड

opensearch

लंदन, (वेबवार्ता)। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को भारत के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर रखने पर सहमत है। आर्चर ने कहा था कि अगस्त-सितंबर में भारत के साथ होने वाले होने वाले पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से वह खुद को दूर रखना चाहते हैं ताकि टी 20 विश्व कप और एशेज सीरीज के लिए वह खुद को फिट रख सकें। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के क्रिकेट निदेशक एश्ले जाइल्स ने डेली मेल से कहा, मैंने टी20 विश्व कप और एशेज सीरीज के उद्देश्य को लेकर कई बार बात की है। हम चाहते हैं कि आर्चर इसके लिए अच्छे से तैयारी करें। उन्होंने कहा, आर्चर को कोहनी में दो अलग-अलग चोट का सामना करना पड़ा जिसके कारण वह गेंदबाजी नहीं कर पा रहे हैं। यह उनके लिए निराश करने वाला है। आर्चर ने डेली मेल के लिए अपने कॉलम में लिखा, कोहनी के ऑपरेशन के बाद एक

बात मैंने तय कर ली है कि मैं जल्दबाजी में वापसी नहीं करूंगा, क्योंकि मेरा पूरा ध्यान इस साल के अंत में इंग्लैंड के लिए टी 20 विश्व कप और एशेज में खेलना है। उन्होंने कहा, ये मेरा लक्ष्य है। अगर मैं इससे पहले वापसी कर लेता हूं और भारत के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में खेल लेता हूं, तो भी कोई दिक्कत नहीं है। अगर ऐसा नहीं होता, तो मैं बाहर बैठने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। गाइल्स ने कहा, मुझे भरोसा है कि सर्जरी के बाद वह पूरी तरह फिट हो जाएंगे और अपने अंदाज में वापसी करेंगे जिसके लिए वह जाने जाते हैं। इंग्लैंड को अभी दो जून से न्यूजीलैंड के साथ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है और इसके बाद वह चार अगस्त से भारत के साथ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी।

आईपीएल के दौरान आठ-नौ दिन तक सो नहीं पाया था, इसलिए हटना पड़ाः अश्विन

मुंबई.एजेंसी। रविचंद्रन अश्विन के परिवार के सदस्य जब कोविडकृ19 महामारी से जूझ रहे थे तब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) बायो बबल के अंदर इस आफ स्पिनर की रातों की नींद उड़ी हुई थी और उन्होंने कहा कि उन्हें अपने करीबी लोगों की इस खतरनाक वायरस से उबरने में मदद करने के लिये टूर्नामेंट के बीच से हटना पड़ा था। अश्विन अब एक और बायो बबल (जैव सुरक्षित वातावरण) में चले गये हैं। इस बार वह भारतीय टीम के साथ हैं जिसे ब्रिटेन के 104 दिन के दौरे के लिये दो जून को रवाना होना है।
उन्होंने कहा, ''मैं लगभग आठकृनौ दिन के लिये सो नहीं पाया था। मुझे नींद नहीं आ रही थी इसलिए यह मेरे लिये वास्तव में तनावपूर्ण था। मैं अच्छी नींद नहीं लेने के बावजूद मैचों में खेल रहा था। ऐसा करना काफी मुश्किल था और इसलिए मुझे आईपीएल छोड़ना पड़ा और घर चला गया। '' अश्विन ने अपने यूट्यूब चौनल पर कहा, ''असल में जिस समय मैंने टूर्नामेंट बीच में छोड़ा था

तब सोच रहा था कि क्या मैं फिर से क्रिकेट खेल पाऊंगा। लेकिन मैंने तब वही किया जो उस समय जरूरी था। '' बायो बबल में वायरस के कई मामले पाये जाने के बाद आईपीएल को बाद में स्थगित कर दिया गया था।
मुंबई में चल रहे 14 दिन के वर्तमान पृथकवास के बारे में बात करते हुए अश्विन ने सुरक्षित वातावरण में भारतीय खिलाड़ियों की जिंदगी की झलक पेश की। उन्होंने कहा, ''यह वास्तव में मुश्किल है। बाहर से देखने से लग रहा है कि हम आलीशान पांच सितारा होटल में ठहरे हैं, लेकिन यह आसान नहीं है। जैसे कि मैंने पहले कहा था कि यह सात दिन का नहीं 14 दिन का पृथकवास है।'' अश्विन ने कहा, ''इसलिए असल में हम यहां 19 मई को पहुंच गये लेकिन हमें मुंबई से दो जून को इंग्लैंड के लिये रवाना होना है। इस तरह से हमें भारत में 14 दिन का पृथकवास पूरा करना है। यही नहीं हमारा यहां हर दो दिन में एक बार परीक्षण हो रहा है।'' अश्विन ने इसके साथ ही कहा कि बायो बबल के उल्लंघन का मतलब किसी बाहरी का जैव सुरक्षित वातावरण में प्रवेश करना है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के ड्रा होने पर संयुक्त विजेता बनेंगे भारत और न्यूजीलैंड

दुबई.एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शुक्रवार को कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच साउथम्पटन में होने वाला विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल यदि ड्रा या टाई समाप्त होता है तो फिर दोनों टीमों को संयुक्त विजेता घोषित कर दिया जाएगा। विश्व क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था ने इस मैच के लिये जो नियमावली जारी की है उसके अनुसार, ''ड्रा या टाई होने पर दोनों टीमें संयुक्त विजेता मानी जाएंगी।''
आईसीसी ने 18 से 22 जून के बीच होने वाले फाइनल के नियमित दिनों में किसी कारण से समय बर्बाद होने की स्थिति में सुरक्षित दिन की व्यवस्था भी की है। इस तरह से 23 जून सुरक्षित दिन होगा। आईसीसी ने कहा, ''ये दोनों फैसले जून 2018 में आईसीसी विश्व टेस्ट चौंपियनशिप शुरू होने से पहले किये गये थे। ''
सुरक्षित दिन की व्यवस्था पांच दिन का मैच सुनिश्चित करने के लिये किया गया है और इसका उपयोग नियमित पांच दिनों के अंदर बर्बाद समय की भरपायी नहीं हो पाने पर ही किया जाएगा। आईसीसी ने कहा, ''यदि सभी पांचों दिन पूरा खेल होता है और मैच का परिणाम नहीं निकलता है तो ऐसी स्थिति में अतिरिक्त दिन नहीं जोड़ा जाएगा और ऐसी स्थिति में मैच को ड्रा घोषित कर दिया जाएगा। ''मैच के दौरान समय बर्बाद होने की स्थिति में आईसीसी मैच रेफरी नियमित तौर पर टीमों और मीडिया को बताता रहेगा कि सुरक्षित दिन का उपयोग

कैसे किया जा सकता है। सुरक्षित दिन का उपयोग करना है या नहीं इसका अंतिम फैसला पांचवें दिन के आखिरी घंटे का खेल शुरू होने पर किया जाएगा।
भारत अपने घरेलू मैच एसजी टेस्ट और न्यूजीलैंड कूकाबुरा गेंदों से खेलता है लेकिन फाइनल में ग्रेड वन ड्यूक गेंदों का उपयोग किया जाएगा।
अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेल के नियमों में तीन बदलाव भी डब्ल्यूटीसी फाइनल का हिस्सा होंगे। इन्हें बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच मौजूदा विश्व कप सुपर लीग श्रृंखला के दौरान लागू किया गया था। इनमें शार्ट रन, खिलाड़ियों की समीक्षा और डीआरएस समीक्षा से जुड़े नियम शामिल हैं।
शार्ट रन के मामले में तीसरा अंपायर मैदानी अंपायर के शार्ट रन के किसी भी फैसले की स्वतः ही समीक्षा करेगा और अगली गेंद डाले जाने से पहले अपना फैसला मैदानी अंपायर को बताएगा।
पगबाधा यानि एलबीडब्ल्यू के लिये निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) लेने से पहले क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम का कप्तान या आउट दिया गया बल्लेबाज अंपायर से यह पुष्टि कर पाएगा कि क्या गेंद को खेलने का वास्तविक प्रयास किया गया था।

नसीम शाह को मिली पीएसएल 2021 बायो-बबल में फिर से प्रवेश करने की अनुमति

लाहौर.एजेंसी। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज नसीम शाह कथित तौर पर कोविड -19 प्रोटोकॉल उल्लंघन के बावजूद पीएसएल 2021 बायो-बबल में फिर से प्रवेश करने जा रहे हैं। शाह को पिछले हफ्ते पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बोर्ड द्वारा निर्धारित मानदंडों के उल्लंघन का दोषी पाए जाने के बाद टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। रिपोर्टों के अनुसार, पीसीबी और पीएसएल फ्रेंचाइजी के बीच एक बैठक के बाद, एक समझौता हुआ है, जिससे शाह की यूएई में होने वाले शेष टी 20 टूर्नामेंट के लिए वापसी का मार्ग प्रशस्त हो गया है। पीसीबी के कोविड -19 प्रोटोकॉल के अनुसार, सभी खिलाड़ियों को 24 मई तक टीम के होटलों में इकट्ठा होने के लिए कहा गया था, साथ ही सभी को यह भी कहा गया था कि नकारात्मक पीसीआर परीक्षण रिपोर्ट 48 घंटे से अधिक पुरानी न हो। 18 वर्षीय शाह की रिपोर्ट निगेटिव आई थी, लेकिन परीक्षण 18 मई को किया गया था। एक स्वतंत्र चिकित्सा सलाह की सिफारिश के बाद, उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया था। अपनी पीएसएल फ्रेंचाइजी क्वेटा ग्लैडिएटर्स में फिर से शामिल होने के लिए, शाह को टीम होटल में प्रवेश करने से पहले एक बार कोविड -19 के लिए नकारात्मक परीक्षण करना होगा। उसके बाद उन्हें अबू धाबी के यात्रा की अनुमति दी जाएगी।

टाइगर श्राफका खतरनाक स्टंट वीडियो वायरल, एक किक से चार टारगेट्स को किए ढेर

बॉलिवुड ऐक्टर टाइगर श्राफ अपने अलग तरह के डांस स्टाइल और फिटनेस को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। टाइगर अक्सर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से वर्कआउट, किक बॉक्सिंग, स्टंट वीडियोज और फोटोज शेयर करते रहते हैं। अब टाइगर का एक और वीडियो खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में टाइगर 'एरियल किक' से चार टारगेट्स को ढेर करते नजर आ रहे हैं। 'बागी' ऐक्टर के इस वीडियो को सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा पसंद किया जा रहा है। इसी का नतीजा है कि खबर लिखे जाने तक वीडियो पर 2 लाख से ज्यादा व्यूज आ चुके हैं। टाइगर के इस वीडियो पर दिशा पाटनी की बहन खुशबू ने भी कॉमेंट किया है, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। खुशबू ने वीडियो पर कॉमेंट करते हुए लिखा, 'गोकू सयान लुक।' खुशबू का यह कॉमेंट कई लोगों को समझ में नहीं आया होगा, लेकिन अगर आप 'ड्रैगन बॉल फैन' हैं तो आप समझ जाएंगे कि खुशबू ने आखिर क्यों टाइगर श्राफके वीडियो पर ऐसा कॉमेंट किया है। खुशबू के अलावा रोनित रॉय, विंदू दारा सिंह, एली अवराम जैसे सिलेब्स ने भी वीडियो पर रिएक्शन दिया है और टाइगर की तारीफ की है। आपको बता दें कि टाइगर और दिशा की फैमिली एक दूसरे के काफी करीब हैं। टाइगर की मां आयशा और बहन कृष्णा अक्सर दिशा की फोटोज पर कॉमेंट कर उनकी तारीफकरती नजर आती हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो टाइगर श्रॉफको आखिरी बार रितेश देशमुख और श्रद्धा कपूर के साथ 'बागी 3' में देखा गया था। उनकी आने वाली फिल्म 'हीरोपंती 2' और 'गणपत' हैं। 'बागी' ऐक्टर ने हाल ही में बॉलिवुड में 7 साल पूरे किए हैं।

कर्नाटक में कोरोना मरीजों की मदद करेंगे कपिल शर्मा और भूमि पेडनेकर, लगाए जाएंगे 'ऑक्सिजन बस'

मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा और बॉलिवुड ऐक्ट्रेस भूमि पेडनेकर कोरोना मरीजों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। कपिल और भूमि कर्नाटक में कोरोना मरीजों तक ऑक्सिजन आपूर्ति की पहल में श्री श्री रवि शंकर के मिशन 'जिंदगी' से जुड़े हैं। इस मिशन के अंतर्गत कर्नाटक के होसकोटे, देवनहल्ली, डोड्डाबल्लापुर, नेलमंगला 1 और नेलमंगला 2 में कोविड हॉस्पिटलों के बाहर 'ऑक्सिजन बस' तैनात किए जाएंगे ताकि जरूरतमंदों तक तुरंत मदद पहुंचाई जाए। भूमि से जब इस बारे में बात की गई तो वह कहती हैं,' हमारा देश इस घातक महामारी की दूसरी लहर का सामना कर रहा है। शहरों के साथ यह गांवों- कस्बों में भी फैल चुका है। छोटे शहरों से लेकर गांवों तक इस बीमारी ने पैर पसार लिए हैं, जहां स्वास्थ्य व्यवस्था न के बराबर है। इस वक्त सबसे ज्यादा जरूरी है कोरोना के मरीजों तक ऑक्सिजन पहुंचाना।' कपिल से जब इस पूरे मामले पर बातचीत की गई, तो वह कहते हैं, 'यह ऐसा वक्त है जब हमें एक दूसरे के लिए खड़े होना चाहिए और जितना हो सके मदद के लिए हाथ बढ़ाना चाहिए। मैं अपनी तरफसे पूरी कोशिश कर रहा हूं। गुरुदेव और 'भारतीय जैन संगठन' कोविड के मरीजों की जिस तरीके से मदद कर रहे हैं वह शानदार है।

सिद्धार्थ शुक्ला का कई बार टूट चुका हैं दिल, अब कही ये बात

सिद्धार्थ शुक्ला ब्रोकन बट ब्यूटीफुल 3 से डिजिटल डेब्यू करने वाले हैं इस वेब सीरीज में वह एक डायरेक्टर की भूमिका निभा रहे हैं जिसका दिल टूटा हुआ है अब सिद्धार्थ शुक्ला ने उनके टूटे दिल के अनुभव के बारे में बात की है सिद्धार्थ शुक्ला ने कहा है कि उनका दिल जीवन में कई बार टूटा है ब्रोकन बट ब्यूटीफुल में अगस्त्स्य की भूमिका निभाने वाले सिद्धार्थ शुक्ला ने कहा कि उन्होंने इस भावना को समझा है सिद्धार्थ शुक्ला जल्द ऑल्ट बालाजी की वेब सीरीज में नजर आएंगे पहले 2 सीजन में विक्रांत मेसी और हरलीन सेठी की अहम भूमिका थी वहीं

तीसरे सीजन में सिद्धार्थ शुक्ला और राठी सोनिया नजर आएंगी स्पॉटबॉय से बात करते हुए सिद्धार्थ ने कहा, इसके पहले भी कई बार मेरा दिल टूट चुका है मैंने इससे सीखा है मैंने भी गलतियां की है मैं यह तय करता हूं कि मैं अगली बार वह गलती ना करें खासकर किसी और की वजह से और मुझे लगता है कि मैं बहुत कुछ दे देता हूं इसके बाद मुझे पता चलता है कि शायद ज्यादा देर हो गई है और फिर मुझे कदम वापस खींचने पड़ते हैं सिद्धार्थ शुक्ला ने यह भी कहा कि ऐसी कई परिस्थितियों से वह अपने असल जीवन में गुजर चुके हैं सिद्धार्थ कहते है, अगस्त्स्य के जीवन में जो कुछ घटित हुआ है वैसा ही सिद्धार्थ शुक्ला के जीवन में भी हुआ है मैं रिलेट कर सकता हूं ब्रोकन बट ब्यूटीफुल 3 का ट्रेलर जारी कर दिया गया है एकता कपूर ने भी सिद्धार्थ और सोनिया की झलक शेयर की है सिद्धार्थ शुक्ला बिग बॉस 13 के विजेता है शो के दौरान उनकी लोकप्रियता चरम पर थी वह आज भी सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर है और ट्रेंड होते हैं। सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल कई म्यूजिक वीडियो में भी नजर आ चुके है।

उल्टा पड़ गया सनी लियोनी का प्रैंक, घबराने की जगह उन्हीं पर हंसने लगे लोग

बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी अपनी पर्सनल लाइफ में तो काफी खुशमिजाज़ हैं ही, इसके अलावा एक्ट्रेस अपने किसी भी प्रोजेक्ट की शूटिंग के दौरान भी खूब मस्ती मज़ाक करती हैं। सनी इन दिनों एमटीवी के शो स्पिल्ट्सविला में नज़र आ रही हैं जिसके कुछ बिहाइंड द सीन एक्ट्रेस अक्सर अपने इंस्टाग्रम पर शेयर करती रहती हैं जो काफी वायरल भी होते हैं। हाल ही में सनी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर का है जिसमें वो अपनी टीम के साथ एक प्रैंक करने की कोशिश करती दिख रही हैं, लेकिन उनका प्रैंक उन्हीं पर उल्टा पड़ जाता है और लोग घबराने की जगह उल्टा उन्हीं पर हंसने लग जाते हैं। सनी जिस मासूमियत के साथ प्रैंक करने की कोशिश

कर रही हैं उसे देखकर आपके भी चेहरे पर स्माइल आ जाएगी। दरअसल, सनी लंच ब्रेक के दौरान लंच एरिया में जाकर सबको परेशान करने का प्लान बनाती हैं। वो सोचती हैं कि वो सबको डरा देंगी कि लंच ब्रेक खत्म हो गया है शूटिंग शुरू हो गई है और टीम अभी तक खाना ही खा रही है। सनी अपने प्रैंक को कामयाब करने की भरपूर कोशिश करती हैं, लेकिन नाकामयाब हो जाती हैं। क्योंकि एक्ट्रेस की बातें सुनकर कोई हिलता तक नहीं है। उल्टा सनी को ऐसा करते देख सब लोग हंसने लगते हैं। वीडियो में दिख रहा है कि सनी बाहर से घबराती हुई आती हैं और कहती हैं 'अरे क्या हो गया? लंचब्रेक खत्म हो गया। आप लोगों को किसी ने बताया नहीं? वो लोग शूट के लिए तैयार हो गए हैं। चलो.. चलो.. चलो.. जल्दी चलो%। लेकिन एक्ट्रेस की बात सुनकर कोई हैरान नहीं होता तो सनी कहती हैं 'हंस क्यों रहे हो आप लोग, कोई मुझे सीरियसलनी नहीं लेता'।

किम कार्दशयिन

ने पहने 'ओम' लिखे झुमके, भड़के यूजर्स बोले- बेहूदा है ये, धर्म का अपमान बंद करो

अमेरिकी टीवी पर्सनैलिटी किम कार्दशयिन एक बार फिर विवादों में घरि गई हैं। किम पर हिंदू धर्म की भावनाओं को आहत करने का आरोप लग रहा है। सोशल मीडिया पर उनकी खूब आलोचना हो रही है और इन सब के पीछे उनका नया फोटोशूट है। किम ने लाल रंग की ड्रेस में फोटोशूट करवाया है, लेकिन लोगों की नजर या यह कहें कि आपत्ति उनके झुमकों को लेकर है। दरअसल, किम ने इन तस्वीरों में 'ओम' लिखे हुए डिजाइन के झुमके पहने हैं। किम कार्दशयिन को इस कारण सोशल मीडिया पर बुरी तरह ट्रोल किया जा रहा है। 'कीपिंग अप विद द कार्दशयिंस' स्टार किम कार्दशयिन सबसे मशहूर ग्लोबल सिलेब्रिटीज में से शुमार है। वह एक फैशन आइकन भी हैं। लोगों का

गुस्सा इस वजह से भी ज्यादा है कि किम को लाखों-करोड़ों लोग फॉलो करते हैं। सोशल मीडिया यूजर्स ने किम पर हिंदू धर्म की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया है। किम कार्दशियन ने ट्विटर पर अपने इस नए फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। इनमें उन्होंने रेड ड्रेस के साथ फ्लोरल जैकेट कैरी किया है। किम लाल रंग के बिस्तर पर लेटी हुई हैं और सिल्वर कलर के काफी बड़े ईयरिंग्स पहने हुए नजर आ रही हैं। इन ईयररिंग्स पर 'ओम' शब्द का डिजाइन बना हुआ है। 'ऊं' शब्द की हिंदू धर्म में गहरी मान्यता है। धार्मिक ग्रंथों में इसे उत्पत्ति का शब्द माना गया है। लोग किम को ट्विटर पर इसकी महत्ता भी बता रहे हैं।

एक्ट्रेस का स्वैग देख फैंस हुए दीवाने

केपटाउन से फिर सामने आईं निक्की तंबोली की खूबसूरत तस्वीरें

बिग बॉस 14 रनरअप निक्की तंबोली इन दिनों स्टंट बेस्ड शो खतरों के खिलाड़ी 11 में हिस्सा लेने के लिए साउथ अफ्रीका की राजधानी केपटाउन पहुंची हुई हैं। इन दिनों निक्की सहित शो के अन्य सभी कंटेस्टेंट केपटाउन में शो की शूटिंग में बिजी हैं। केपटाउन से निक्की लगातार अपने फोटोज़ और वीडियोज़ फैंस के साथ शेयर कर रही हैं। इन तस्वीरों में उन्हें ढेर सारी मस्ती भी करते देखा जा सकता है। फैंस इन कंटेस्टेंट के लेटेस्ट अपडेट्ड का काफी बेसब्री से इंतजार करते हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें पोस्ट की हैं जो तेजी से वायरल हो रही हैं। यहां देखें निकी तंबोली का ये पोस्ट- निक्की तंबोली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर केपटाउन से अपनी कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि वह ब्लैक कलर के ट्रैक सूट में काफी हॉट लग रही हैं। वहीं फोटोज में पोज देने का उनका अंदाज काफी दिलचस्प हैं। तस्वीरें में निक्की का स्वैग उनके फैंस को दीवाना बना रहा है। वहीं निक्की के पास एक ब्लैक कलर की कार भी नजर आ रही है। इन फोटोज को शेयर करते हुए निक्की ने कैप्शन में लिखा, आपके भाग्य को कोई नहीं रोक सकता। फैंस को उनकी ये तस्वीरें काफी भा रही हैं। अबतक इसे काफी बार देखा जा चुका है। बता दें कि इससे पहले निक्की तंबोली का एक वीडियो सामने आया था जिसमें निक्की बीच के किनारे लेटी हुई थीं और खतरों के खिलाड़ी के दूसरे कंटेस्टेंट वरुण सूद उन्हें परेशान करते दिख रहे थे। वीडियो में निक्की के अलावा विशाल आदित्य सिंह और सना मकबूल भी नज़र आ रहे थे। वीडियो में आप देख सकते हैं कि निक्की तंबोली बीच चेयर पर लेटी हैं और तभी वरुण सूद उनकी चेयर पकड़कर वर्कआउट करने लगते हैं। जैसी ही वरुण, निक्की की चेयर उठाते हैं तो वो डर जाती हैं और चीखने लगती हैं, लेकिन बाद वो इसे एंजॉय करने लगती हैं। निक्की और वरुण का ये फनी वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था।

रणदीप हुड्डा को यूनाइटेड नेशन ट्रीटी के ब्रांड एंबेसडर से हटाया गया, मायावती पर की थी अभद्र टिप्पणी

रणदीप हुड्डा सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय है वह अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करते हैं जो कि बड़ी तेजी से वायरल होती है रणदीप हुड्डा एक एनिमल लवर भी है हालांकि अब उन्हें कन्वेंशन ऑफ माइग्रेटरी स्पीशीज ऑफ वाइल्ड एनिमल के ब्रांड एंबेसडर से हटा दिया गया है हाल ही में इंटरनेट पर उनका एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है इसमें वह उन्होंने उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती पर जातिवादी टिप्पणी करते नजर आ रहे हैं

अब सीएमएस में इस पर एक वक्तव्य जारी कर रणदीप हुड्डा को ब्रांड एंबेस्डर पद से हटाने की बात कही है सीएमएस ने यह भी कहा है कि उन्हें यह वीडियो हाल ही में मिला है और उन्हें यह ऑफेंसिव लग रहा है इसके अलावा यह उनके मूल्यों का भी समर्थन नहीं करता है सीएमएस ने यह भी कहा कि जब उन्होंने अभिनेता को 2020 में ब्रांड एंबेसडर बनाया थो तब उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी सीएमएस को कान कन्वेंशन के नाम से भी जाना जाता है यह यूनाइटेड नेशन और यूनाइटेड नेशन एनवायरमेंट प्रोग्राम के बीच की एक ट्रिटी है रणदीप हुड्डा फिल्म अभिनेता है उन्होंने कई फिल्मों में अहम भूमिका निभाई है रणदीप हुड्डा की वीडियो मंगलवार को वायरल हुई है इसमें रणदीप हुड्डा मायावती पर टिप्पणी करते नजर आ रहे हैं इसके बाद उन्हें गिरफ्तार करने की भी मांग सोशल मीडिया पर उठी थी। रणदीप हुड्डा हाल ही में सलमान खान की फिल्म राधे- योर मोस्ट वांटेड भाई में नजर आए थे इस फिल्म को काफी नकारात्मक रिव्यु मिले है रणदीप हुड्डा ने कई फिल्मों में अहम भूमिका निभाई है उनकी फिल्में काफी पसंद की गई है रणदीप हुड्डा सोशल मीडिया पर अपने फैंस से अक्सर बातें भी करते है रणदीप हुड्डा का अफेयर कभी फिल्म एक्ट्रेस सुष्मिता सेन से भी थो हालांकि बाद में उनका ब्रेकअप हो गया थो रणदीप हुड्डा को कई मौकों पर सुष्मिता सेन के साथ देखा गया थो।

अमिताभ बच्चन ने मुंबई में खरीदा आलीशान अपार्टमेंट

क़ीमत जान पैरों तले ज़मीन खिसक जाएगी

हिंदी सिनेमा के दिग्गज कलाकार अमिताभ बच्चन ने मुंबई के अंधेरी इलाक़े में एक ड्यूपलेक्स अपार्टमेंट ख़रीदा है, जिसकी क़ीमत जानकर पैरों तले ज़मीन खिसक जाएगी। इस अपार्टमेंट को ख़रीदने में अमिताभ ने जितनी स्टाम्प ड्यूटी भरी है, उसमें एक और छोटा-मोटा फ्लैट ख़रीदा जा सकता है। अमिताभ बच्चन की इस प्रॉपर्टी के रजिस्ट्रेशन दस्तावेज़ होने का दावा किया है, जिसके अनुसार, अंधेरी इलाक़े में निर्माणाधीन अटलांटिस प्रोजेक्ट में बिग बी ने 5184 वर्ग फुट का ड्यूपलेक्स अपार्टमेंट ख़रीदा है, जिसकी क़ीमत 31 करोड़ रुपये है और 62 लाख रुपये की स्टाम्प ड्यूटी अदा की गयी है। यह डील पिछले साल दिसम्बर में हुई थी। इकॉनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, सनी लियोनी और आनंद एल राय ने भी इस प्रोजेक्ट में प्रॉपर्टी ख़रीदी हैं। सनी ने 4365 वर्ग फुट के अपार्टमेंट के लिए 16 करोड़ चुकाये हैं। वहीं आनंद एल राय के अपार्टमेंट की क़ीमत 25 करोड़ है। बता दें, दूसरी प्रॉपर्टीज़ के अलावा अमिताभ बच्चन का मुंबई के जुहू इलाक़े में स्थित बंगला प्रतीक्षा फ़िल्मि प्रेमियों के लिए आइकॉनिक इमारत मानी जाती है। इसके अलावा इस इलाक़े में तीन और बंगले हैं,

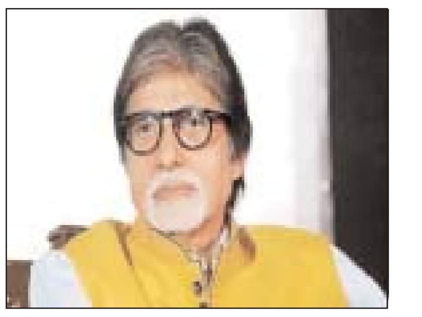

जिनके नाम वत्स, जनक और जलसा हैं। पिछले दिनों अमिताभ बच्चन कोरोना वायरस पैनडेमिक के दौरान अपनी चैरिटी के लिए चर्चा में रहे थे। दरअसल, उन्होंने ब्लॉग के ज़रिए बताया था कि क्या-क्या किया है। बिग बी ने सोशल मीडिया में ट्रोलर्स को जवाब देने के लिए यह ब्लॉग लिखा था। अमिताभ ने लिखा था- हां, मैं चैरिटी करता हूं, लेकिन कभी इस बारे में बात करना ठीक नहीं समझा। यह शर्मिंदा करने वाला है। ऐसे पेशे में होने के बावजूद सार्वजनिक रूप से मौजूद रहने में झिझक होती है। पर हर रोज़ गालियों और अपमानजनक कमेंट्स का दवाब रहता है। हालांकि, मेरे या मेरे परिवार के लिए यह मायने नहीं रखता। हम यह सब काफ़ी पहले से देखते आ रहे हैं। बिग बी ने ब्लॉग में बताया कि उन्होंने अपने निजी फंड से 1500 किसानों का बैंक का कर्ज़ा चुकाया था, ताकि खुदकशी ना करें। पिछले कोविड के दौरान देश के 4 लाख दिहाड़ी मजदूरों के लिए एक महीने तक खाने की व्यवस्था की। मुंबई में लगभग 5000 लोगों के लंच और डिनर की व्यवस्था की गयी थी। फ्रंटलाइन वर्कर्स, पुलिस, हॉस्पिटल्स के लिए अपने निजी फंड से मास्क और पीपीई किट्स की व्यवस्था की थी। फ़िल्मों की बात करें तो अमिताभ, अयान मुखर्जी निर्देशित ब्रह्मास्त्र में नज़र आएंगे। इसके अलावा चेहरे, झुंड, मे-डे भी रिलीज़ होंगी।

सुशांत की पहली डेथ एनिवर्सरी से पहले रिया चक्रवर्ती का पोस्ट

बड़े दर्द से बड़ी ताकत मिलती है

बॉलिवुड ऐक्टर सुशांत सिंह राजपूत 14 जून को राजपूत बांद्रा स्थित अपने आवास पर मृत अवस्था में पाए गए थे। इसके बाद उनकी गर्लफ्रेंड रहीं रिया चक्रवर्ती विवादों में रहीं। ऐक्टर के पिता ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके बाद उन्हें सुशांत केस से जुड़े ड्रग्स मामले में एनसीबी ने गिरफ्तार भी किया था। हालांकि, उन्हें जमानत मिल चुकी है। इन सबके बीच रिया चक्रवर्ती ने सोशल मीडिया पर ऐक्टिव रहना बहुत कम कर दिया। लेकिन अब ऐक्ट्रेस एक बार फिर धीरे-धीरे वापसी कर रही हैं और अपनी बात कह रही हैं। सुशांत सिंह राजपूत की पहली डेथ एनिवर्सरी से पहले रिया चक्रवर्ती ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर गुरुवार को एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने लिखा, 'बड़े दर्द से बड़ी ताकत मिलती है। आपको बस भरोसा करना होगा। वहां रुकना पडेगा। लव रिया।' रिया चक्रवर्ती की इस पोस्ट पर उनके फैंस के अलावा तमाम सिलेब्स ने कॉमेंट किया है। इससे पहले रिया चक्रवर्ती ने मदर्स डे पर अपने बचपन की एक तस्वीर शेयर की थी। इसमें वह अपनी मां को केक खिलाती नजर आ रही हैं।

इसके साथ रिया चक्रवर्ती ने लिखा था, 'मेरी खूबसूरत मां, मुझे याद है आपने मुझसे ये तब कहा था जब मैं छोटी बच्ची थी- तुम्हारे अंदर खुशी है, इसको बाहर मत ढूंढो। अपने दिल में प्यार को ढूंढों और तुम हमेशा एक हैप्पी गर्ल रहोगी। यह मेरे साथ पूरे जीवन रहा मां, मैं वादा करती हूं मैं अपनी पूरी कोशिश कर रही हूं। सभी मांओं को मदर्स डे की शुभकामनाएं, हम आपको प्यार करते हैं।' रिया चक्रवर्ती के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह फिल्म 'चेहरे' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ अमिताभ बच्चन और इमरान हाशमी हैं। कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन के चलते यह फिल्म अब तक रिलीज नहीं हो पाई है।

ड्रग मामले में एक्टर के करीबी सिद्धार्थ पिठानी गिरफ़्तार, 14 जून को है पहली बरसी

सुशांत सिंह राजपूत डेथ से जुड़े ड्रग केस में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने एक्टर के दोस्त सिद्धार्थ पिठानी को गिरफ्तार किया है। सिद्धार्थ की गिरफ़्तारी हैदराबाद से शुक्रवार सुबह की गयी है। बता दें, 14 जून को सुशांत के निधन को एक साल पूरा हो रहा है। सिद्धार्थ पिठानी उन चार लोगों में शामिल हैं, जो सुशांत के निधन के वक़्त उनके घर पर मौजूद थे। इस केस में सिद्धार्थ से मुंबई पुलिस और सीबीआई ने कई बार पूछताछ की थी। बता दें, सुशांत का मृत शरीर उनके कमरे में पंखे से लटका मिला था। सुशांत के निधन ने पूरी इंडस्ट्री को झकझोर दिया था। कई सेलेब्रिटीज़ ने उनके निधन पर शोक ज़ाहिर किया था। सोशल मीडिया के ज़रिए सुशांत को लम्बे अर्से तक श्रद्धांजलि देने और उन्हें याद करने का सिलसिला जारी रहा था। इस केस में सुशांत की उस वक़्त गर्लफ्रेंड रहीं रिया चक्रवर्ती को मुख्यारोपी बनाया गया था। सुशांत के पिता केके सिंह ने उनके ख़िलाफ़ पटना में नामजद रिपोर्ट दर्ज़ करवायी थी। बाद में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर केस की जांच सीबीआई को सौंप दी गयी थी। वॉट्सऐप चैट्स के ज़रिए ड्रग केस सामने आया। एनसीबी ने रिया चक्रवर्ती को भी गिरफ़्तार किया था, जो फ़िलिहाल ज़मानत पर हैं। ईटाइम्स से बातचीत में एनसीबी मुंबई ज़ोन के इंचार्ज समीर वानखेड़े ने बताया कि सिद्धार्थ को जल्द ही कोर्ट में पेश किया जाए। अभी इस मामले में किसी को क्लीन चिट नहीं दी गयी है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सीबीआई से मिली फोन और

वॉट्सऐप डिटेल्स के आधार पर एनसीबी ने सिद्धार्थ पिठानी के ख़िलाफ़ कार्रवाई की है। उनका ड्रग सप्लायरों से कनेक्शन होने के सबूत मिले हैं। बता दें, सिद्धार्थ पिठानी ग्राफिक डिज़ाइन एजेंसी में काम करते थे। सिद्धार्थ, सुशांत के ड्रीम 150 प्रोजेक्ट पर से जुड़े थे। हालांकि, बाद में पिठानी ने सुशांत का काम छोड़ दिया था और अहमदाबाद में एक जॉब कर ली थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, सुशांत ने सिद्धार्थ को जनवरी 2020 में बुला दिया था और उन्हें दोबारा से ड्रीम 150 प्रोजेक्ट ज्वाइन करवाया था।

opensearch